THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 316 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.10 2081 शुक्रवार, 7 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एयरफोर्स का फाइटर प्लेन क्रैश

शिवपुरी, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में दोनों पायलट घायल होने की सूचना सामने आई है। हेलीकॉप्टर एक खेत में क्रैश हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल के पास पहुंच गए थे। पायलटों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी के मुताबिक, नरवर तहसील के दबरासानी गांव में गुरुवार दोपहर सेना का एक हेलीकॉप्टर क्रैश होकर किसानों के खेतों में जा गिरा। हेलीकॉप्टर जलकर खाक हो गया है। हालांकि, हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे हैं। हेलीकॉप्टर क्रैश होने के कारणों का फिलहाल कोई खुलासा नहीं हो सका है।

'तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का मॉडल दिया'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए जवाब दिया

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने विस्तार से चर्चा की है, देश को आगे की दिशा भी दिखाई है। राषट्रपति जी का अभिभाषण प्रभावी भी था और हम सबके लिए भविष्य के काम पर मार्गदर्शक भी था। इसे जिसने जैसा समझा, वैसे समझाया। सबका साथ, सबका विकास पर यहां बहुत कुछ कहा गया। इसमें कठिनाई क्या है। ये तो हम सबका दायित्व है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उनसे इसके लिए कोई अपेक्षा करना बहुत बड़ी गलती होगी।

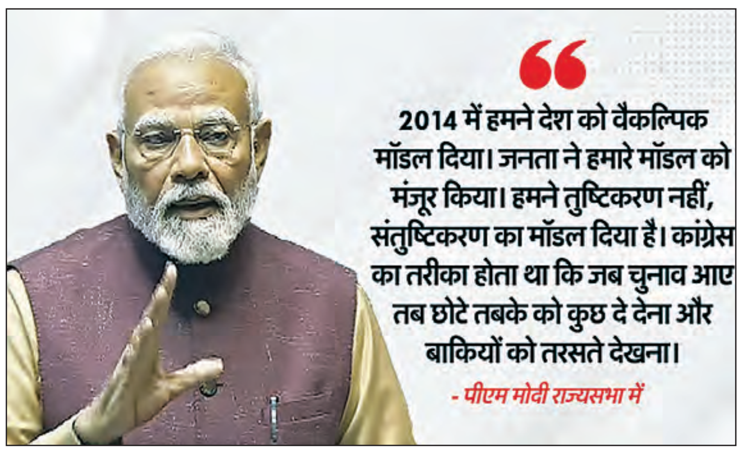

'कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट सर्वोपरि रहा'

पीएम मोदी ने कहा कि, ये उनकी सोच, समझ के बाहर है और रोडमैप में भी सूट नहीं करता। इतना बड़ा दल एक परिवार के लिए समर्पित हो गया है। उसके लिए ये संभव ही नहीं है। कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट सर्वोपरि रहा है। देश की जनता ने हमें तीसरी बार लगातार सेवा का मौका दिया। ये बताता है कि देश की जनता ने हमारे विकास के मॉडल को परखा है, समझा है और समर्थन दिया है। हमारा ये मॉडल एक शब्द में कहना हो तो कहूंगा-नेशन फर्स्ट पीएम मोदी ने कहा कि, इसी उम्दा भावना के साथ वाणी-वर्तन, नीतियों में इसी एक बात को मानदंड मानकर सेवा करने का प्रयास किया है। पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश को तराजू पर तौलने का कोई अवसर ही नहीं मिला था कि वैकल्पिक मॉडल क्या हो? 2014 में हमने देश को वैकल्पिक मॉडल दिया। जनता ने हमारे मॉडल को मंजूर किया। हमने तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का मॉडल दिया है। कांग्रेस का तरीका होता था कि जब चुनाव आए तब छोटे तबके को कुछ दे देना और बाकियों को तरसते देखना। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जबरदस्त हमला बोलते हुए कहा कि, झुनझुना बांटना, लोगों की आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी सियासत को चलाए रखना। इनकी नजर वोट की खेती पर होती थी। हमारी कोशिश रही है कि भारत के पास जो भी संसाधन हैं, उनका इष्टतम उपयोग किया जाए।

जो समय है, उसको भी बर्बादी से बचाकर के पल-पल का उपयोग जनकल्याण के लिए, देश की प्रगति के लिए खर्च हो। पीएम मोदी ने कहा कि, हमारी सरकार ने एससी-एसटी एक्ट को मजबूत बनाकर दलित-आदिवासी समाज के प्रति सम्मान भी दिखाया, प्रतिबद्धता भी दिखाई। आज जातिवाद का जहर फैलाने के लिए भरपूर प्रयास हो रहा है।

आरक्षण पर पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आज जातिवाद के जहर फैलान के लिए भरपूर प्रयास हो रहा है। लेकिन तीन-तीन दशक दोनों सदन के ओबीसी एमपी और सभी दलों के ओबीसी एमपी सरकारों से मांग करते रहे थे कि ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए, ठुकरा दिया गया।

इनकार किया गया क्योंकि शायद उस समय उनके राजनीति को ये सूट नहीं करता था। हम सबने मिलकर तीन-तीन दशक से मेरे ओबीसी समाज ने जिस बात की मांग की थी हमने आकर इस आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए इनका मान-सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। देश में जब-जब आरक्षण का विषय आया, उसको एक तंदुरुस्त तरीके से सत्य को स्वीकार करते हुए करने का प्रयास नहीं हुआ।

प्रवासन को लेकर नया कानून लाने की तैयारी में सरकार

> संसदीय समिति की रिपोर्ट से खुलासा

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से 104 अवैध अप्रवासी भारतीयों को वापस भेजने को लेकर इस समय विपक्ष सरकार के खिलाफ हमलावर है। इस बीच, सरकार ने बताया है कि वह सुरक्षित और व्यवस्थित प्रवासन के लिए नए कानून पर काम कर रही है। प्रवासन पर प्रस्तावित कानून विदेशी गतिशीलता सुविधा और कल्याण विधेयक, 2024 के बारे में सरकार ने यह जानकारी दी है। यह विधेयक विदेश में रोजगार के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन को बढ़ावा देगा। इस नए विधेयक के जरिए 1983 के प्रवासन अधिनियम को बदला जाएगा। बता दें कि यह बात कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय समिति की रिपोर्ट से सामने आई है। इस रिपोर्ट को सोमवार को संसद में पेश किया गया।

अपनी रिपोर्ट में संसदीय पैनल ने यह भी कहा कि इस विधेयक में उन राज्यों में पीओई (प्रवासियों के संरक्षक) कार्यालयों की स्थापना करने का भी प्रावधान किया गया है, जहां ऐसे कार्यालय वर्तमान में मौजूद नहीं हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक मुंबई, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कोचीन, तिरुवनंतपुरम, जयपुर, रायबरेली, पटना, बेंगलुरू, गुवाहाटी और रांची में स्थित प्रोटेक्टर ऑफ इमिग्रेंट्स (पीओई) के 14 कार्यालय हैं। पीओई की पहुंच का विस्तार करने के लिए, मंत्रालय ने पटना, बेंगलुरू और गुवाहाटी में अतिरिक्त पीओई कार्यालय स्थापित किए हैं, जो पूरी तरह कार्यात्मक हैं।

2027 में लॉन्च किया जाएगा चंद्रयान-4

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने चंद्रयान-4 को लॉन्च करने की तैयारी कर ली है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने चंद्रयान मिशन-4 को 2027 में लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन के जरिये चंद्रमा की चट्टानों के नमूने पृथ्वी पर लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-4 में उच्च क्षमता के एलवीएम 3 रॉकेट दो अलग-अलग प्रक्षेपण के बाद पांच अलग-अलग घटकों को लेकर कक्षा में जाएंगे। इनको पृथ्वी की कक्षा में इकट्ठा किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चंद्रयान-4 मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की सतह से नमूने इकट्ठे करके उनको पृथ्वी पर वापस लाना है। गगनयान मिशन को अगले साल लॉन्च किया जाएगा। इसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को विशेष यान से अंतरिक्ष की पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि साल 2026 में भारत समुद्रयान का भी प्रक्षेपण करेगा। इसमें समुद्र तल में खोज करने के लिए तीन वैज्ञानिक एक पनडुब्बी के जरिये छह हजार मीटर की गहराई में जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि गगनयान अंतरिक्ष मिशन सहित भारत के ऐतिहासिक मिशनों की समयसीमा को तय करेगी। पीएम मोदी ने भी स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में समुद्रयान मिशन के बारे में बताया था। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि समुद्रयान के जरिये महत्वपूर्ण खनिजों, दुर्लभ धातुओं और अज्ञात समुद्री जैव विविधताओं की जानकारी जुटाई जाएगी। गगनयान परियोजना का मानव रहित मिशन भी इसी साल भेजा जाएगा। इसमें रोबोट व्योम मित्र शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसरो की स्थापना 1969 में की गई थी।

निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार न हो : जयशंकर

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से निर्वासित किए गए भारतीय नागरिकों पर राज्यसभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बयान दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए। हम अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वापस लौटने वाले निर्वासितों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार न हो।

जयशंकर ने कहा, सदन इस बात की सराहना करेगा कि हमारा ध्यान अवैध आव्रजन उद्योग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई पर है। ऐसा होना भी चाहिए। निर्वासितों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कानून प्रवर्तन एजेंसियां एजेंटों और ऐसी एजेंसियों के खिलाफ आवश्यक, निवारक और अनुकरणीय कार्रवाई करेंगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो वे अपने नागरिकों को वापस लें। यह नीति केवल एक देश पर लागू नहीं है। निर्वासन की प्रक्रिया कोई नई नहीं है, यह कई वर्षों से है।

जयशंकर ने कहा, अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वापस लौटने वाले प्रत्येक व्यक्ति (अमेरिका से निर्वासित भारतीय) के साथ बैठें और पता लगाएं कि वे अमेरिका कैसे गए, एजेंट कौन था और हम कैसे सावधानी बरतें ताकि यह फिर न हो। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, हम जानते हैं कि कल 104 लोग वापस आए हैं।

भारत की गरिमा का अपमान : शशि थरूर

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय के निर्वासन को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। इसी बीच गुरुवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे भारत का अपमान बताते हुए कहा कि जिस तरह से अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को निर्वासित किया गया है, वह भारत और भारतीयों की गरिमा का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को अमेरिका को एक संदेश जारी करने की जरूरत है, जिससे यह साफ की हो कि उसे अपमानजनक तरीके से ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है।

बता दें कि बुधवार को 104 अवैध भारतीय अप्रवासियों को लेकर अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर पहुंचा। अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप के द्वारा निर्वासित भारतीय का ये पहला खेफ था। इस खेप में आने वाले निर्वासितों ने ये दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उसके हाथ और पैर दोनों को बांधा दिया गया था, जो कि अमृतसर पहुंचने के बाद खोला गया। इस मामले पर तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमें इस तरीके से विरोध करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह अधिकार है कि वह अवैध अप्रवासियों को अपने देश से निकाल सके, लेकिन भारतीय नागरिकों को इस तरह से सैन्य विमान में हथकड़ी लगाकर भेजना भारत की अस्मिता और गरिमा का अपमान है। उन्होंने कहा कि आप लोगों को नागरिक विमान में भेजे और सामान्य रूप से भेजे, हम उन्हें स्वीकार करेंगे यदि वे हमारे नागरिक हैं लेकिन आप ऐसा नहीं कर सकते। साथ ही कांग्रेस सांसद ने इस मुद्दे पर एक उदाहरण दिया कि कोलंबिया ने भी इस तरह के मामलों में नागरिक विमान से संदिग्ध अप्रवासियों को भेजने का विरोध किया था। थरूर ने आगे कहा कि हमें इस तरह के अपमानजनक तरीके से अप्रवासियों को भेजने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

यूजीसी के नए ड्रॉफ्ट के खिलाफ विपक्ष एकजुट

आरएसएस का इरादा एक विचार, एक इतिहास और एक भाषा थोपने का है : राहुल

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए मसौदा नियमों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि भाजपा देशभर में आरएसएस का एजेंडा चलाना चाहती है। वे एक विचार, एक इतिहास और एक भाषा थोपना चाहते है।

राहुल ने कहा, आरएसएस का मकसद देश की अलग-अलग संस्कृतियों और इतिहासों को खत्म करना है। वे संविधान पर हमला करके अपने विचार को थोपना चाहते हैं। राहुल का कहना है कि हर राज्य की अपनी भाषा, संस्कृति और इतिहास है। इन्हीं से मिलकर भारत बना है। तमिल लोगों का अपना इतिहास और परंपरा है। ऐसे नियम लाना तमिल समेत हर राज्य का अपमान है, जहां आरएसएस अपनी हुकूमत चलाना चाहता है। कांग्रेस ने यूजीसी के नए नियमों को तानाशाही और संविधान विरोध बताया और इन्हें तुरंत वापस लेने की मांग की। दरअसल, डीएमके ने दिल्ली के जंतर मंतर में यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसमें प्रदर्शन में राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए।

यूसीसी के नए नियमों पर विपक्षी नेताओं के बयान :

अखिलेश यादव : आरएसएस और भाजपा राज्य सरकारों की ताकत छीनना चाहते हैं। वे राजनेताओं को उद्योगपतियों का सेवक बनाना चाहते हैं। मैं नई शिक्षा नीति का विरोध करता हूं।

जयराम रमेश : संविधान का संघवाद का सिद्धांत पवित्र है और शिक्षा की क्वालिटी को बेहतर बनाना केंद्र के शिक्षा मंत्रालय का मकसद होना चाहिए। लेकिन वे अपने विचार देश में थोपना चाहते हैं। गैर-भाजपा सरकारों वाले राज्य यूजीसी के नए ड्रॉफ्ट का विरोध कर रहे हैं। इनमें कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं। उनका कहना है कि मसौदा नियमों को वापस लिया जाना चाहिए। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर ने कहा कि यह पहली बार है कि सभी समान विचारधारा वाले राज्य, अपने हितों की रक्षा के लिए, संघवाद को बनाए रखने के लिए एकत्र हुए हैं।

विधानसभा में बोलते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि यह विधानसभा मानती है कि हाल ही में यूजीसी के मसौदा नियमों को वापस लिया जाना चाहिए। ये संघवाद के विचार पर हमला है और ये तमिलनाडु की उच्च शिक्षा प्रणाली को प्रभावित करते हैं।

यूजीसी ने 6 जनवरी को यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में वाइस चांसलर, टीचर्स और अकैडमिक स्टाफ भर्ती को लेकर ड्रॉफ्ट रेगुलेशंस जारी किए थे।

तमिलनाडु में सरकार-राज्यपाल विवाद मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने तय किए सवाल

एल्गार परिषद मामले में टाली सुनवाई

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल आरएन रवि के बीच चल रहे विवाद को लेकर दायर याचिका पर फैसला सुनाने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने अपना रुख साफ किया है। कोर्ट ने मामले में आठ सवाल तैयार किए हैं। इसमें सवालों में पॉकेट वीटो की अवधारणा, राज्यपाल के अधिकार और विवेक जैसे मुद्दे को लेकर विचार देने के लिए कहा गया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी की दलीलें सुनीं।

कोर्ट ने पहला सवाल पूछा कि जब कोई राज्य विधान सभा किसी विधेयक को पारित कर उसे राज्यपाल के पास स्वीकृति के लिए भेजती है और राज्यपाल स्वीकृति रोक लेता है, लेकिन विधेयक को पुनः पारित कर पुनः प्रस्तुत किया जाता है- तो क्या राज्यपाल को उसे एक बार फिर रोकने का अधिकार है? दूसरा यह कि क्या राष्ट्रपति के समक्ष विधेयक प्रस्तुत करने का राज्यपाल का विवेकाधिकार विशिष्ट मामलों तक सीमित है या यह कुछ निर्धारित विषयों से परे भी है? पीठ ने कहा कि वह उन मामलों पर भी विचार करेगी कि जिनके कारण राज्यपाल ने विधेयक को मंजूरी देने के बजाय राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्णय लिया।

एक अन्य प्रश्न में पीठ ने कहा कि पॉकेट वीटो की अवधारणा क्या है और क्या यह भारत के सांविधानिक ढांचे में स्थान पाती है? पीठ जांचेगी कि संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या कैसे की जाए, जो राज्यपाल को राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने या रोकने का अधिकार देता है। राज्यपाल पुनर्विचार के लिए विधेयक को विधानमंडल को वापस भी भेज सकते हैं या उसमें बदलाव का सुझाव दे सकते हैं। पीठ ने पूछा कि जब कोई विधेयक राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

पिनाका रॉकेट लॉन्चर के लिए रक्षा मंत्रालय ने बनाई बड़ी रणनीति

10 हजार करोड़ के एमओयू की तैयारी

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। देश के दुश्मनों को युद्ध क्षेत्र में करारा जवाब देने के लिए भारतीय सेना तैयार है। भारतीय सेना के प्रस्ताव के बाद रक्षा मंत्रालय ने सोलर इंडस्ट्रीज नागपुर और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड के साथ पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर हथियार प्रणालियों के लिए गोला-बारूद के लिए 10,200 करोड़ रुपये से अधिक के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की तैयारी की है। पिछले सप्ताह सुरक्षा कैबिनेट समिति ने गोला-बारूद खरीदने के भारतीय सेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

इससे पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 13 जनवरी को अपने वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि पिनाका की दो अलग-अलग श्रेणी के हिसाब से दो अनुबंध किए जाने हैं। एक अनुबंध 5,700 करोड़ रुपये और दूसरा 4,500 करोड़ रुपये का है और सरकार से जल्द ही इन्हें मंजूरी मिलने की उम्मीद है। पिनाका पहले से ही निर्यात क्षेत्र में एक बड़ी सफलता की कहानी बन चुका है क्योंकि इसे आर्मेनिया खरीद चुका है जबकि फ्रांस सहित कई यूरोपीय देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। सीसीएस ने जिस हथियार प्रणाली के लिए मंजूरी दी है उसके रॉकेट की मारक क्षमता 45 किमी है। यह पाकिस्तान और चीन दोनों ही सीमाओं के लिए प्रभावी है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन पिनाका प्रणाली के लिए 120 किमी तक मारक क्षमता वाले रॉकेट विकसित करने के अंतिम चरण में है। सेना प्रमुख ने कहा था कि जैसे ही हमें पिनाका रॉकेट्स में लंबी रेंज मिलने लगेगी तो हम अन्य वैकल्पिक लंबी दूरी के हथियारों को छोड़कर इसी सिस्टम पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

75 किमी से अधिक है मारक क्षमता :

यह रॉकेट सिस्टम कई वैरिएंट में उपलब्ध है और 75 किलोमीटर और उससे भी अधिक दूरी तक लक्ष्य को भेद सकता है। इससे पहले आर्मेनिया इसे खरीदने के लिए ऑर्डर दे चुका है और कई अन्य देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। पिनाका एमबीआरएल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है और इसका उत्पादन सोलर इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा और ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड कंपनीज आदि मिलकर कर रहे हैं।

तिरुपति मंदिर से 1 हजार कर्मचारियों को हटाने की मांग

भाजपा का दावा-ये सभी गैर हिंदू, मंदिर कमेटी मेंबर्स 14 फरवरी को सीएम से मिलेंगे

तिरुपति, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश भाजपा ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) से 1 हजार गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाने की मांग की। आंध्र प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता और टीटीडी के सदस्य भानु प्रकाश रेड्डी ने कहा, बोर्ड के प्रतिनिधि 14 फरवरी को मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू से मिलेंगे और गैर-हिंदुओं को मंदिरों की सेवाओं से हटाने का निवेदन करेंगे।

दूसरी तरफ वाईएसआरसीपी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने इस मुद्दे पर बयान देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा- मुझे इसके बारे में डिटेल से पता नहीं है। इससे पहले टीटीडी ने बुधवार को मंदिर के 18 कर्मचारियों को हटाने की जानकारी दी थी। इन सभी को टीटीडी के नियमों के खिलाफ जाकर काम करने का दोषी पाया गया है।

ट्रस्ट ने सभी 18 कर्मचारियों के सामने दो शर्तें रखी हैं, या तो सभी किसी दूसरे सरकारी विभाग में ट्रांसफर ले लें या फिर वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) ले लें। ऐसा मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए किया जा रहा है।

यह कार्रवाई टीटीडी अध्यक्ष बीआर नायुडू के निर्देश पर की गई। संस्थान में काम के दौरान गैर-हिंदू धार्मिक प्रथा फॉलो करने वाले 18 कर्मचारियों के खिलाफ एक्शन लिया गया है। ये सभी टीटीडी में काम करने के बावजूद गैर-हिंदू धार्मिक परंपराओं को फॉलो कर रहे हैं। अब इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

फोर्ट विलियम अब विजय दुर्ग जॉर्ज गेट का नाम शिवाजी गेट

भारतीय सेना ने बदले कई संरचनाओं के नाम

कोलकाता, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कोलकाता स्थित भारतीय सेना की पूर्वी कमान के मुख्यालय का नाम बदल गया है। अब उसे फोर्ट विलियम नहीं बल्कि विजय दुर्ग कहा जाएगा। इसके साथ ही विजय दुर्ग के भीतर कुछ अन्य ऐतिहासिक संरचनाओं के नाम भी बदले गए हैं। इसकी पुष्टि रक्षा मंत्रालय पूर्वी कमान के प्रमुख जनसंपर्क अधिकारी विंग कमांडर हिमांशु तिवारी ने की।

तिवारी ने कहा कि फोर्ट विलियम का नाम बदल कर विजय दुर्ग कर दिया गया है। इसके साथ ही किचनर हाउस का नाम बदलकर मानेकशॉ हाउस कर दिया गया है, जबकि साउथ गेट, जिसे पहले सेंट जॉर्ज गेट कहा जाता था, अब उसका नाम बदल कर शिवाजी गेट कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में विजय दुर्ग करीब 177 एकड़ में फैला हुआ है और यह 1757 में सिराज-उद-दौला की सेना द्वारा नष्ट किए गए मूल किले का स्थान लेता है।

ब्रिटिश शासन ने 1758 में इस नए किले का निर्माण शुरू किया और इसका पहला चरण 1781 में पूरा हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि पुराने किले की हार से सबक लेते हुए, अंग्रेजों ने इस नए किले को और मजबूत सुरक्षा उपायों के साथ बनाया। इसे आठ दरवाजों के साथ अष्टकोणीय आकार में डिजाइन किया गया था, जिसमें चारों ओर खाई (मोट) बनाई गई थी। इनमें से तीन दरवाजे हुगली नदी की ओर थे, जबकि अन्य खुले मैदान की ओर थे, जिसे उस समय ग्लेसिस कहा जाता था और आज इसे कोलकाता मैदान के नाम से जाना जाता है।

किचनर हाउस, जिसका नाम अब मानेकशॉ हाउस हो गया है, 1771 में फोर्ट असॉल्ट कंपनी के ब्लॉकहाउस के रूप में बनाया गया था। बाद में 1784 में इसे ब्रिटिश भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ के निवास में बदल दिया गया। इसका नाम ब्रिटिश फील्ड मार्शल होराशियो हर्बर्ट किचनर के नाम पर रखा गया था, जो 1902 से 1910 तक यहां रहा था। अब इसका नाम फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के नाम पर रखा गया है। जिन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना का नेतृत्व किया था। इसके साथ ही सेंट जॉर्ज गेट का नाम बदल कर शिवाजी गेट कर दिया गया है।

नशीली दवाओं और हेरोइन की तस्करी का भंडाफोड़

आईजोल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मिजोरम में दो अलग-अलग अभियानों में मेथामफेटामाइन और हेरोइन की तस्करी के आरोप में म्यांमार के तीन नागरिक और एक असम निवासी को पकड़ा गया है। आबकारी विभाग के प्रवक्ता पीटर जोहामिंगाथांगा ने बताया कि मेथामफेटामाइन की 20200 गोलियां आबकारी अधिकारी और असम राइफल्स द्वारा जोटे तियाऊ गांव में चले अभियान में जब्त की गईं। इस दौरान म्यांमार निवासी सुमलामथांग और जामगईनहो को पकड़ा गया। वे पड़ोसी देश से इसकी तस्करी कर रहे थे। एक दूसरे अभियान में आबकारी अधिकारियों ने 246 ग्राम हेरोइन आइजोल के निकट खातला से पकड़ी। इस मामले में म्यांमार के कपचीना और असम के नमानुद्दीन को पकड़ा गया। दो वाहन भी जब्त किए गए।

ओडिशा में नदी में डूबे स्कूली छात्र, मौत

बालियांता, 6 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के खोरधा जिले के बालियांता ब्लॉक के अंतर्गत रंगा बाजार के पास कुआखाई नदी में देवी सरस्वती की मूर्ति विसर्जन के दौरान दो स्कूली छात्रों की डूबकर मौत हो गई। सीएम मोहन चरण माझी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राज्य सरकार ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से प्रत्येक परिवार के लिए 4 लाख रुपये की मुआवजा राशि की घोषणा की है।

फिर पकड़ा गया रेत से भरा ट्रैक्टर, बुढार पुलिस ने की कार्रवाई, चालक और मालिक के खिलाफ केस दर्ज

शहडोल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। शहडोल जिले के बुढार थाना क्षेत्र के रूंगटा चौराहे से रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को पुलिस ने जब्त कर चालक और मालिक पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। जिले में आए दिन रेत चोरी हो रही है और अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस कार्रवाई भी कर रही है। इसके बाद भी इस पर लगाम नहीं लग पा रही है। एक दिन पहले, बुधवार को ब्यौहारी पुलिस ने रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को जब्त किया था। जानकारी के अनुसार, बुढार थाना क्षेत्र के रुंगटा चौराहे से पुलिस ने एक ट्रैक्टर जब्त किया है, जिसमें रेत भरी हुई थी। पुलिस ने रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर के चालक अर्जुन केवट को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने बताया कि वाहन का मालिक मोहम्मद महफूज अली है। पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 65 जेड ए 1766 को जब्त कर चालक और मालिक पर खनिज अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'हिंदू समाज विश्व का गुरु बनेगा, इसमें कोई दो राय नहीं'

केरल में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

कोच्चि, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने दो दिवसीय केरल दौरे पर पथानामथिट्टा हिंदू धर्म सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हिंदू समाज विश्व का गुरु बनेगा। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को अपना जीवन चलने के लिए हिंदू एकता की आवश्यकता है, उसमें से शक्ति उत्पन्न होगी, यह बताने के लिए और कोई तर्क देने की आवश्यकता नहीं है। विश्व में एक नियम है ,जो समाज संगठित है उस समाज का उत्कर्ष होता है, जो समाज विभक्त है, संगठित नहीं है, उस समाज का पतन होता है, इतिहास और वर्तमान दोनों इसके साक्षी है।

हिंदू एक स्वभाव का नाम

मोहन भागवत ने कहा कि शक्तिमान होने से बाकी विश्व को भी खतरा भी हो सकता है, क्योंकि शक्ति तो शक्ति है ,उसको दिशा देने वाला मनुष्य होता है, उस शक्ति का उपयोग करने वाला होता है ,उसकी बुद्धि कैसी है, उस पर निर्भर है, दुष्ट लोग विद्या का उपयोग विवाद बढ़ने के लिए करते हैं, हम अपने चारों ओर देखते हैं तो ध्यान में आता है धन का उपयोग अपना मत बढ़ाने के लिए करते हैं, शक्ति का उपयोग दूसरों को पीड़ा देने के लिए करते हैं, लेकिन साधु लोगों का इससे उल्टा होता है, अच्छे लोग विद्या का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लिए करते हैं, धन का उपयोग दान करने के लिए करते हैं, शक्ति का उपयोग दूर्बल की रक्षा के लिए करते हैं।

उन्होंने कहा कि हिंदू एकता विश्व के लिए उपकारी होगी,यह कैसे होगा, इसमें कोई शंका करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हिंदू एक स्वभाव का नाम है, हिंदू में एक अनेक मत, पंथ, संप्रदाय है अनेक भाषाएं हो गई, विशाल देश अपना है जिसमें हिंदू रहता है।

हिंदू शक्ति का उपयोग विश्व कल्याण के लिए होगा

उन्होंने आगे कहा, 'भूगोल अलग-अलग है, वातावरण अलग-अलग है, खान पान ,रहने की जगह भी अलग-अलग प्रकार की है, रेगिस्तान में रहने वाले लोग हैं, पर्वत की चोटी पर रहने वाले लोग हैं, समुद्र के किनारे रहने वाले लोग हैं, मैदान में रहने वाले लोग हैं, शहरों में रहने वाले लोग हैं, जंगलों में रहने वाले हैं, गांव में रहने वाले हैं सब प्रकार है, परंतु यह होने के बाद भी सबका एक स्वभाव है, उस स्वभाव का नाम हिंदू है, यदि स्वभाव का वर्णन करना है तो हम कह सकते हैं, हिंदू समाज धर्म प्राण है, इसलिए शक्ति का उपयोग विश्व कल्याण के लिये ही होगा।

एकता अंदर का सत्य है

उन्होंने कहा कि दुनिया के सारे कलह दो बातों के कारण है, एक है स्वार्थ, दूसरा है भेद, मनुष्य एक दूसरे को एकता की भाव से, समदृष्टि से देखा नहीं है, वह दिखता अलग है, इसलिए जो अपने से अलग दिखता है ,उसे अपने से अलग मानता है, वास्तव में यह जो विविधताएं हैं, मनुष्य की भौतिक जीवन की विविधता हो, अथवा अनेक मत संप्रदायों का दिखने वाला अलग-अलग स्वरूप हो, अलग-अलग तत्व ज्ञान हो ,अलग-अलग ग्रंथ हो ,अलग-अलग गुरु हो, ये देश,काल, स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो जाते हैं। हमको यह समझना चाहिए हम कौन हैं, हम हिंदू हैं, यानी हिंदू स्वभाव वाले हैं, अलग-अलग दिखते हैं, लेकिन एक ही धर्म को मानने वाले हैं, क्योंकि धर्म तो एक ही है, वही मानव धर्म है, वही सनातन धर्म है, वही हिंदू धर्म कहलाता है, उसको मानने वाले हम लोग हैं, हमारे पास सत्य है, विविधता ऊपर की बात है,।

विधायक ने 17 मौतों पर सीबीआई जांच की मांग की , रहस्य से पर्दा उठाना आवश्यक

जम्मू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राजोरी के बड्डाल गांव में अज्ञात बीमारी से 13 बच्चों समेत 17 लोगों की मौत के कारण का पता दो माह बाद भी नहीं चल पाया है। इसे लेकर स्थानीय लोगों में डर और खौफ के साथ रोष भी है। वहीं, बुद्धल के विधायक जावेद इकबाल ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।विधायक ने बताया कि बड्डाल में अज्ञात बीमारी से मौतों के बाद जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, पुणे, दिल्ली समेत अन्य राज्यों से विशेष टीमें आकर जांच कर चुकी हैं, एसआईटी का गठन भी किया गया, लेकिन अब तक सच सामने नहीं आया। अब सरकार को चाहिए कि यह मामला सीबीआई के हवाले किया जाए। उन्होंने कहा कि साइंटिफिक जांच हो या दूसरी कोई भी बड्डाल में मौतो का कारण अब तक कुछ सामने नहीं आया है। सरकार को चाहिए कि इस मामले को सीबीआई के हवाले करे। अब तक हमें सिर्फ यही बताया है कि यह मौतें न्यूरोटॉक्सिन या किसी दूसरे टॉक्सिन से हुई हैं और यह सच सामने आना चाहिए कि यह टॉक्सिन या न्यूरोटॉक्सिन किसने दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि हो सकता है यह किसी बढ़ी ताकत का हाथ हो।

वार्ड नंबर सात में फिर हुई चोरी की वारदात, नगद रुपये के साथ सोने और चांदी के जेवरात ले गए चोर

शहडोल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। शहडोल जिले के बुढार थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 में एक बार फिर चोरी की बड़ी वारदात हो गई। घर के दूसरे कमरे में परिवार के सदस्य मौजूद थे, तभी चोर एक कमरे में घुसा और वहां रखी पेटी को बाहर ले गया। पेटी में रखे नगद रुपए और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गया। घटना बीती रात की है, जिसका खुलासा गुरुवार सुबह हुआ। चोरी की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने डॉग स्क्वाड को भी मौके पर बुलवाया है। जानकारी के अनुसार, बुढार थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 में रहने वाले श्रवण भट्ट के घर यह चोरी की वारदात हुई। श्रवण भट्ट कलरी के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि घर के सभी लोग दूसरे कमरे में मौजूद थे। बीती रात परिवार का एक सदस्य रेलवे स्टेशन अपने रिश्तेदार को लेने गया था। उसने घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और रेलवे स्टेशन चला गया। इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

एक कप चाय पर सुलझाओ केस

केंद्र सरकार के वकील से सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा?

चेन्नई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी को एक चाय पर मसला सुलझाने की सलाह दी है। दरअसल, तमिलनाडु के राज्यपाल वर्सेज राज्य सरकार केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वेंकटरमणी से कहा कि आप चाय पर बैठकर मसले को सुलझा लें, नहीं तो फिर हम अपना फैसला सुनाएंगे। कोर्ट ने आगे कहा कि यह काम आप सिर्फ 24 घंटे के भीतर कर लें तो बेहतर रहेगा। 2023 में तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई। राज्य सरकार का कहना था कि राज्यपाल विधेयक पर बैठ जाते हैं, जिसके कारण जनहित में फैसला नहीं हो पा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्यपाल को नोटिस जारी किया था। इसके बावजूद मसला सुलझ नहीं पाया। इस मसले पर सुनवाई हुई। राज्य सरकार का कहना था कि कई विधेयक सालों से राजभवन में लंबित है। अगर विधेयक गलत है तो राज्यपाल उस पर नोट लगाकर विधानसभा को क्यों नहीं भेजते? विधेयक को रोकना अनुचित है।

सुनवाई के दौरान क्या-क्या हुआ?

राज्य सरकार की तरफ से मुकुल रोहतगी पेश हुए। रोहतगी ने सुनवाई के दौरान कहा कि पंजाब मामले में कोर्ट ने राज्यपाल को विधेयक न रोकने की सलाह दी थी, लेकिन तमिलनाडु का केस लंबे वक्त से पेंडिंग है, जिससे आम लोगों का सीधा नुकसान हो रहा है। तमिलनाडु सरकार का कहना था कि उच्च शिक्षा के प्रमुख मुद्दे और कुलपतियों की खोज के लिए कमेटी गठन का मुद्दा राज्यपाल की वजह से अटका है। राज्यपाल कैदियों की रिहाई से संबंधित बिल को भी मंजूरी नहीं दे रहे हैं। रोहतगी का कहना था कि राज्यपाल एक बार किसी बिल को वापस विधानसभा में भेज सकते हैं। इसके बाद उस बिल को अगर सदन फिर पेश करती है तो उसे मंजूरी देना अनिवार्य है। रोहतगी ने कहा कि बिल अगर इतना ही असंवैधानिक है तो राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास सीधे क्यों नहीं भेज देते? मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर। महादेवन की बेंच ने कहा कि हम यह जानना चाहेंगे। वहीं वेंकटरमणी ने कहा कि राजभवन में विधेयक लंबित नहीं है। हमने उन विधेयकों को वापस किया, जिसे स्वीकृत नहीं किया जा सकता है। इस पर जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि आप चाय पर इस मसले को क्यों नहीं सुलझा लेते? वहीं एक अन्य मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वो तमिलनाडु के राज्यपाल को हटाने का आदेश नहीं दे सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की नियुक्ति करने और हटाने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को है, तो हम संविधान विरूद्ध काम कैसे कर सकते हैं? तमिलनाडु में लंबे वक्त से राज्यपाल वर्सेज राज्य सरकार का मामला देखा जा रहा है। मार्च 2024 में तो सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई थी। तत्कालीन चीफ जस्टिस ने तमिलनाडु के राज्यपाल को लेकर कहा था कि उनके आचरण पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। 2021 में आरएन रवि को तमिलनाडु का राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

सूरत में सीवरेज लाइन में गिरा 2 साल का बच्चा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

सूरत, 6 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत के वरियाव इलाके में सीवरेज लाइन में एक दो साल का बच्चा गिर गया है। बच्चे की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। मौके पर अग्निशमन विभाग मौजूद है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बसंत पारीख ने बताया कि मैनहोल चैंबर का ढक्कन किसी भारी वाहन की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया था। 2 साल का एक बच्चा इसमें गिर गया है। उन्होंने बताया कि हमने करीब 100-150 मीटर के क्षेत्र की जांच की है। बच्चे को ढूंढने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। यहां 60-70 कर्मचारी तैनात हैं। फिलहाल 18 घंटे से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन अब तक बच्चे को नहीं निकाला जा सका है। बताया जा रहा है कि बच्चा अपनी मां के साथ बाजार गया था, तभी वह रोड पर खुले गटर में अचानक गिर गया। ये घटना शाम को घटित हुई। इसके बाद बच्चे को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पिछले 18 घंटे से बच्चे को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर एसडी धोबी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हमें बुधवार शाम को फोन पर सूचना मिली थी कि एक बच्चा खुले गटर में गिर गया है। इसके दमकल की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को बचाने के लिए रेस्क्यू शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि यहां दो ड्रेनेज लाइन है, जिसमें से एक बारिश और दूसरी ड्रेनेज लाइन है।

जिस जगह बच्चा गिरा है, वहां से करीबन 700 मीटर से अधिक की दूरी पर स्थित सभी मैनहोल को खुलवाया गया और इसके बाद जवानों की टीम को उसमें उतारा गया था, लेकिन सर्च अभियान के दौरान बच्चे का कुछ पता नहीं चल पाया है। शाम से जारी सर्च ऑपरेशन गुरुवार सुबह भी जारी रहा है। बच्चे का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर के मुताबिक, ड्रेनेज की लाइन किसी अन्य लाइन से जुड़ी हुई है, इसलिए अब पानी के प्रेशर का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि बच्चे को निकाला जा सके।

'मुसलमानों के मन से डर को निकालने के लिए बीजेपी को वोट दिया', एआईआईए के अध्यक्ष साजिद रशीदी का दावा

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा 2025 के लिए 5 फरवरी को मतदान हुआ। मतगणना 8 फरवरी को होगी। इस बीच ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष साजिद रशीदी ने दावा किया है कि उन्होंने भाजपा को अपना वोट दिया है। उनके दावे का एक वीडियो सामने आया है। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन एआईआईए के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने कहा, मैंने दिल्ली चुनाव में भाजपा को वोट दिया है और अपना वीडियो वायरल किया है क्योंकि भाजपा के नाम पर मुसलमानों में डर पैदा किया जा रहा है और विपक्षी दल कहते हैं कि मुसलमान भाजपा को वोट न दें। मुसलमानों के दिमाग में यह बात बैठा दी गई है कि भाजपा को हराओ, नहीं तो अगर वे सत्ता में आए तो मुसलमानों के अधिकार छीन लिए जाएंगे। मैंने मुसलमानों के मन से उस डर को निकालने के लिए (भाजपा को) वोट दिया है। अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार बनती है तो मैं मुसलमानों को दिखाऊंगा कि मुसलमानों के कौन से अधिकार छीने गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे धमकियां मिल रही हैं और आरोप लगाया जा रहा है कि मैं भाजपा के हाथों बिक गया हूं। ऐसा कुछ नहीं है, मैं भाजपा के किसी नेता से भी नहीं मिला हूं। मेरे खिलाफ मामले दर्ज हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य मुसलमानों के दिल और दिमाग से डर को निकालना है।

'केरोसिन से ठीक हो जाएगी तुम्हारी मां', हकीम के कहने पर बेटे ने मां को पिलाया मिट्टी का तेल; हुई मौत

भोपाल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बेटे ने मां को इलाज के नाम पर केरोसिन पीला दिया। केरोसिन के पेट के अंदर जाते ही मां तड़प उठी जिसे इलाज के लिए तुरंत इलाज के लिए ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। जांच में सामने आया है कि बेटे ने किसी ने कहा था कि केरोसिन पिलाने से तुम्हारी मां ठीक हो जाएगी। भोपाल के कमला नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले उमेश बमनेरे की 48 वर्षीय मां मंगला लकवे का शिकार हो गईं थी। काफी इलाज के बाद भी वह ठीक नहीं हो रही थी। ऐसे में किसी हकीम की सलाह पर बेटे ने उन्हें यह कहते हुए केरोसिन दे दिया कि इसे पीने से लकवा ठीक हो जाएगा। केरोसिन पीने से उनका लकवा तो ठीक नहीं हुआ बल्कि केरोसिन के पेट में जाते ही उनकी हालत और बिगड़ गई जो संभली ही नहीं। कमला नगर थाना पुलिस के मुताबिक, 28 जनवरी को कबाड़ी का काम करने वाले उमेश की मां को लकवा मारा था। उमेश ने अपनी मां का इलाज के लिए गौतम नगर क्षेत्र के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन वहां उन्हें आराम नहीं मिल रहा था।

डेडबॉडी संग शारीरिक संबंध अपराध है या नहीं! जानें सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

बेंगलूरू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट का लाश के साथ शारीरिक संबंध बनाने के अपराध पर बड़ा फैसला आया है। पहले हत्या फिर शव के साथ यौन संबंध बनाने के मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा गया है। हाई कोर्ट ने उस शख्स को रेप के आरोप से बरी कर दिया था जिसने हत्या के बाद उसके साथ यौन संबंध बनाया था। मर्डर की सजा उसे काटनी होगी, इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत नेक्रोफिलिया यानी शव के साथ शारीरिक संबंध बनाना अपराध नहीं माना जाता है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने अपराधी को मर्डर कर उसके शव के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में सजा सुनाई थी। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अहसानुद्दीन अमानतुल्लाह और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच कर्नाटक हाई कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस केस में कर्नाटक सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट के जनरल अमन पंवार ने तर्क दिया है कि आईपीसी की धारा 375(सी) के तहत 'शरीर' शब्द को डेड बॉडी का ही हिस्सा माना जाना चाहिए। जनरल अमन पंवार ने कहा कि जिस प्रकार एक महिला से उसकी सहमति के बिना शारीरिक संबंध बनाना रेप की कैटेगरी में आता है। उसी प्रकार एक लाश भी ऐसा करने की इजाजत नहीं देती, ऐसे में तो इसे भी रेप की कैटेगरी में ही आना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया और कहा कि नेक्रोफिलिया (मृत शरीर) भारतीय दंड संहिता के तहत कोई क्राइम नहीं है। ऐसी खबरें कई बार आई हैं कि अस्पतालों और मुर्दाघरों में मृत महिलाओं के साथ शारीरिक संबंध बनाए जाते हैं। इन मामलों में माना जाता है कि जो लोग ऐसा काम करते हैं वो एक मनो-यौन विकार से ग्रस्त होते हैं। लेकिन अब कहा जा रहा है कि शव की भी खासकर महिला की गरिमा बनाए रखने के लिए ऐसे कृत्यों को अपराध की श्रेणी में रखना चाहिए।

डीजे-लाउड स्पीकर के ध्वनि प्रदूषण पर प्रतिबंध:परीक्षा के पहले कलेक्टर ने जारी किए आदेश, किराए से देने वालों पर भी कार्रवाई

इंदौर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। आगामी परीक्षाओं के मद्देनजर कलेक्टर ने डीजे-लाउड स्पीकर पर पर प्रतिबंध लगा दिया है। फरवरी माह में सभी बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी, जो अप्रैल तक चलेंगी। इसके चलते इंदौर में डीजे और लाउड स्पीकर ध्वनि प्रदूषण नहीं कर सकेंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने गुरुवार को धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि जुलूस या आयोजन में मीडियम साइज के अधिकतम दो डीजे बॉक्स या लाउड स्पीकर बजा सकेंगे। लेकिन इसके लिए भी सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेना होगी। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे-लाउड स्पीकर प्रतिबंधित रहेंगे। कलेक्टर ने गुरुवार को इस संबंध में तीन पेज का आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने जारी आदेश में बताया कि बाई और स्कूटर पर प्रेशर हॉर्न भी प्रतिबंधित रहेगा।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र 10 से 24 मार्च तक

सिर्फ नौ दिन होंगी बैठकें राज्यपाल की स्वीकृति के बाद अधिसूचना जारी

भोपाल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मप्र विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च से शुरू होगा। 24 मार्च तक चलने वाले सत्र में सिर्फ नौ दिन बैठकें होंगी। इसके अलावा बाकी छह दिन अवकाश रहेगा। राज्यपाल मंगूभाई पटेल की स्वीकृति के बाद बजट सत्र की अधिसूचना जारी कर दी गई है। विधानसभा सचिवालय बजट सत्र की तैयारियों में जुट गया है। विधानसभा का बजट सत्र 24-25 फरवरी को आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के चलते 10 मार्च से प्रारंभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का शुभारंभ करने 24 फरवरी को भोपाल आने वाले हैं। इसलिए मोहन सरकार ने समिट के बाद बजट सत्र बुलाने का फैसला किया है। विधानसभा में मोहन यादव सरकार का यह पहला पूर्ण बजट होगा जिसकी शुरुआत राज्यपाल मंगूभाई पटेल के अभिभाषण के साथ होगी। इसी दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता प्रस्ताव भी आएगा। इसके बाद 11 से 13 मार्च तक सदन में बैठकें और विधेयकों पर चर्चा होगी। 14 मार्च को होली अवकाश के चलते 16 मार्च तक सदन की कार्यवाही स्थगित रहेगी। इसके बाद 17 और 18 मार्च को सदन चलेगा और 19 मार्च को रंगपंचमी पर अवकाश रहेगा। इसके बाद 20 और 21 मार्च को सदन की कार्यवाही चलेगी। 22 और 23 मार्च को अवकाश होगा। सदन की कार्यवाही का अंतिम दिन 24 मार्च तय किया गया है। विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने के एक माह पहले राज्यपाल की अनुमति के बाद अधिसूचना जारी की गई है। इसमें विधायकों द्वारा किए जाने वाले ऑनलाइन और ऑफलाइन सवालों के साथ ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा और अन्य सूचनाओं के बारे में समय तय किया जाएगा। इधर सत्र की तैयारियों के बीच विधानसभा में लंबित आश्वासनों के जवाब मांगने और विभागों की ओर से जानकारी भेजने का काम तेज हो गया है। सत्र बुलाए जाने को लेकर जारी अधिसूचना में कहा गया है कि विधानसभा सचिवालय में अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 19 फरवरी तथा अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 6 मार्च तक ली जाएंगी। स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण, नियम 267 - क के अधीन सूचनाएं विधानसभा में 4 मार्च से कार्यालय में सुबह 11 बजे से दोपहर बाद 4 बजे तक ली जाएंगी।

2 बेटियां हुईं तो फोन पर दिया तीन तलाक, ससुराल पहुंची पत्नी तो सौतन ने किया स्वागत, एफआईआर दर्ज

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी की अगुआई वाली सरकार ने 2019 में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए तीन तलाक खत्म कर दिया था। संविधान में संसोधन के जरिए इसे अपराध की श्रेणी में रखा गया। इस पहल का उद्देश्य महिला अधिकारों की रक्षा करना और महिलाओं को शोषण से बचाना था। हालांकि, तीन तलाक खत्म होने के छह साल बाद भी इससे जुड़े मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला मुंबई के घाटकोपर इलाके का है। यहां मुस्लिम पति ने तीन बार तलाक बोलकर फोन पर ही रिश्ता खत्म कर दिया। इसके बाद दूसरी शादी भी कर ली। जब पत्नी को दूसरी शादी के बारे में पता चला तो उसने घाटकोपर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के एक शख्स के खिलाफ फोन पर अपनी पत्नी को 'तीन तलाक' देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। कानूनी तौर पर हुए संशोधन के बाद ऐसा करना अपराध है। पुलिस को दिए गए बयान में पीड़िता ने बताया है, कि पिछले साल जून के महीने में फोन पर उसके पति ने तीन बार तलाक बोलकर रिश्ता खत्म किया था। महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी पति के भाई और उसकी पत्नी को भी इस मामले में सह आरोपी बनाया गया है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह अपने पिता के मुंबई स्थित निवास स्थान पर अपने पति के साथ रहती थी। कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन दोनों के बीच विवाद हो गया और पति गांव चला गया। लड़की के परिवार वालों ने समझाया तो वापस आया। जब महिला ने अपनी पहली संतान एक बेटी को जन्म दिया तो पति-पत्नी का रिश्ता एक बार फिर खराब हो गया। इसके बाद आए दिन उनके बीच किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता था। इसी बीच साल 2023 में उन्हें दूसरी बेटी पैदा हुई, जिसके बाद आरोपी शाहबाज के भाई और भाभी ने उसे दूसरी शादी के लिए प्रेरित किया। पति ने 12 जून 2024 को फोन के माध्यम से पीड़ित महिला को तलाक दिया। महिला ने बताया कि जब उसके पिता शाहबाज से मिलने के लिए उसके घर गए तो उन्हें पता चला कि उसने दूसरी शादी कर ली है। घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला ने मुंबई के घाटकोपर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई,

मर्चेंट नेवी के लापता कर्मचारी का शव मुंबई के समुद्र में मिला, राजस्थान के रहने वाले थे सुनील

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई के समुद्र में एक मर्चेंट नेवी कर्मचारी का शव मिला है। कोलाबा पुलिस ने ससून डॉक्स के पास समुद्र में एक शव मिलने के संबंध में एडीआर दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक युवक की पहचान सुनील पचार (23) के रूप में हुई है और वह मूल रूप से राजस्थान का रहने वाले थे। सुनील पचार दो दिनों से नाव से लापता थे। नाव चालक दल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, सुनील पचार रात में नाव के डेक पर सोए हुए थे। वह सुबह बोट के डेक पर दिखाई नहीं दिए थे। नाव पर हर जगह तलाश करने के बाद भी पचार को न पाकर, नाव चालक दल ने पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। जानकारी के अनुसार, सुनील पचार नवंबर 2024 से नाव पर काम कर रहे थे। वह 3 फरवरी की सुबह से लापता थे। इस बीच, 5 फरवरी को दोपहर करीब 1 बजे स्थानीय लोगों ने ससून डॉक के पास पचार का शव देखा और पुलिस से संपर्क किया। सुनील पचार के शव को पोस्टमार्टम के लिए सेंट जॉर्ज अस्पताल भेज दिया गया है और पुलिस ने कहा कि पचार की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा। सुनील के पिता ने बताया कि मौत से कुछ समय पहले ही उनके बेटे ने उन्हें वीडियो कॉल करके बातचीत की थी।

सुविचार: जीते जी मरना सीख लो तो मृत्यु के भय से छूट जायेंगे

वाई.एस. जगन ने वादों को लेकर सरकार को घेरा

अमरावती, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व सीएम वाई.एस. जगन ने एक बार फिर एनडीए गठबंधन सरकार की आलोचना की है। आज वाईएसआरसीपी केंद्रीय कार्यालय में बोलते हुए उन्होंने सनसनीखेज टिप्पणी की और सवाल किया कि सीएम चंद्रबाबू विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादों को कब लागू करेंगे। उन्होंने पूछा, उन्हें सत्ता में आए नौ महीने हो गए हैं। गठबंधन सरकार ने राज्य के लोगों के लिए अब तक क्या किया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में केवल दो ही दल हैं। सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दल, उन्होंने कहा कि विपक्षी दल को उसके पास कितनी विधायक सीटें हैं, उसके आधार पर विपक्ष का दर्जा दिया जाना चाहिए। अगर मुझे विपक्ष के नेता का दर्जा दिया जाता, तो मुझे सीएम चंद्रबाबू की तरह बराबर समय दिया जाना चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए, मुझे राज्य सरकार ने यह दर्जा देने से इनकार कर दिया।

दिनदहाड़े युवक की हत्या

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार दोपहर चंद्रायनगुट्टा में कुछ लोगों ने दिनदहाड़े 30 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी। शहबाज नाम के इस व्यक्ति पर अज्ञात लोगों ने घातक हथियारों से हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में ले जाया गया। पुलिस को संदेह है कि पीड़ित की पहले से दुश्मनी चल रही थी, उसी ने उसकी हत्या की है।

कांग्रेस विधायक स्थानीय निकाय चुनावों में जीत सुनिश्चित करें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और एआईसीसी तेलंगाना मामलों के प्रभारी दीपादास मुंशी ने कांग्रेस विधायकों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में जीत हासिल करने के लिए नवनियुक्त और स्थापित दोनों नेता प्रभावी ढंग से सहयोग करें।

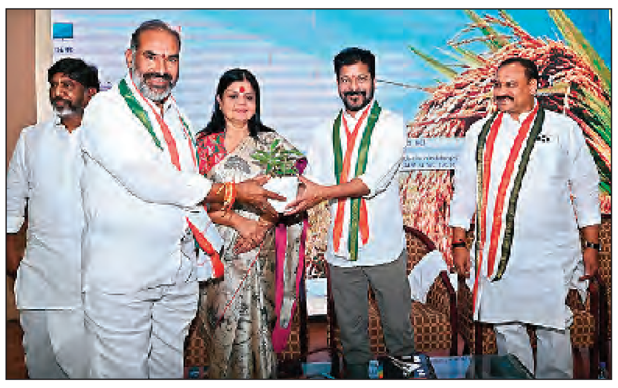

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय निकायों में पार्टी की सफलता अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के सभी नेताओं के समन्वित प्रयासों पर निर्भर करती है। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में कांग्रेस विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक की, जो तीन घंटे से अधिक समय तक चली। चर्चा के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीसी जाति जनगणना कामारेड्डी घोषणा के अनुरूप की गई थी, जबकि विरोधी दल इस मामले को लेकर अनावश्यक रूप से आपत्ति जता रहे हैं। यह सलाह दी गई कि प्रत्येक विधायक को बीसी जनगणना सर्वेक्षण के जवाब में निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर जवाबी पहल शुरू करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और तेलंगाना में इसे लागू करने की तत्परता व्यक्त की। मीडिया से बातचीत में, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने घोषणा की कि जाति जनगणना से संबंधित एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक बैठक सूर्यपेट में होगी, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को निमंत्रण दिया गया है। इसी तरह, अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण को संबोधित करने वाली एक और सार्वजनिक बैठक मेदक में आयोजित की जाएगी, और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। महेश कुमार गौड़ ने आगे कहा, हमने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पार्टी द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया है। इसके अलावा, विधायकों ने अपने दृष्टिकोण साझा किए हैं, और उनकी चिंताओं को संबोधित किया गया है।

उन्होंने बीआरएस और भाजपा पर जाति जनगणना के संबंध में पिछड़ा वर्ग समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगाया। टीपीसीसी प्रमुख ने दावा किया कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा ने भाजपा के साथ कथित भ्रष्ट समझौते के लिए दिल्ली की यात्रा की।

सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने कैबिनेट बैठक की

अमरावती, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने आज गुरुवार को अमरावती में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। यह भी पता चला है कि सीएम ने इस अवसर पर उच्च अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। सीएम ने अधिकारियों को नीरू-चेट्टू योजना के लिए रखे गए 900 करोड़ रुपये का भुगतान करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि 2019 से पहले के घरों का बकाया भी चुकाया जाना चाहिए। सीएम चंद्रबाबू ने याद दिलाया कि बकाया भुगतान के लिए कई कार्यकर्ता और नेता उनके चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने जिला प्रभारी मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे जिलों का दौरा करते समय बकाया भुगतान के मुद्दे पर ध्यान दें। इस सम्मेलन में राजस्व पर लंबी चर्चा हुई। चंद्रबाबू ने मंत्रियों और अधिकारियों को फर्जी

पासबुक और पंजीकरण पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में दावोस दौरे के दौरान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों से परियोजनाओं की आधारशिला रखने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से अनंतपुर जिले में सीमा शुल्क विभाग का एक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कारण अधिकारियों को समय-समय पर अपडेट होने का अवसर भी मिलेगा। नायुडू ने स्पष्ट किया कि बिजली शुल्क में एक पैसा भी बढ़ोतरी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि डीआरसी की बैठकें नियमित रूप से होनी चाहिए।

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से जुबली हिल्स आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की।

कांग्रेस में स्थिति की गंभीरता को दर्शाती सीएलपी की बैठक

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधायकों और मंत्रियों, वफादारों और दलबदलू विधायकों के बीच आंतरिक मतभेदों के चलते, एमसीआरएचआरडी में चल रही कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक, स्थिति की गंभीरता को दर्शाती है। इसके अलावा, पार्टी आलाकमान द्वारा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ को बुलाकर पार्टी मामलों की स्थिति पर प्रकाश डाला गया। हाल ही में, नेताओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों, पार्टी नेतृत्व और सरकार के बीच की खाई बढ़ती जा रही है।

10 विधायकों की गुप्त बैठक, कांग्रेस एमएलसी तीनमार मल्लन्ना द्वारा जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट को जलाना, पटनचेरू निर्वाचन क्षेत्र की राजनीतिक समस्याओं पर टीपीसीसी द्वारा दो सदस्यीय समिति का गठन तथा खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की तस्वीर अपने घर पर लगाने के पार्टी के आदेश के खिलाफ असहमति व्यक्त करना, पार्टी के भीतर सुलगते असंतोष के कुछ उदाहरण मात्र हैं। इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेता सीएलपी बैठक में भाग ले रहे हैं। हालांकि, पार्टी नेताओं का दावा है कि सीएलपी बैठक का मुख्य उद्देश्य जाति सर्वेक्षण और एससी वर्गीकरण पर पार्टी हाईकमान को रिपोर्ट सौंपना था, लेकिन यह स्पष्ट है कि पार्टी नेतृत्व उपरोक्त मुद्दों को लेकर अधिक चिंतित है। बैठक के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य देर शाम को एक बार फिर नई दिल्ली के लिए उड़ान भर रहे हैं।

टीआरआईसीएआर की बैठक में ट्राइकार वार्षिक योजना को मंजूरी

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अनुसूचित जनजाति आर्थिक सहकारी निगम (टीआरआईसीएआर) की 9वीं बोर्ड बैठक की मानद अध्यक्ष डॉ. बेलैया नाइक तेजावत ने अध्यक्षता की। इस बैठक में ट्राइकार द्वारा (28350) आदिवासी लाभार्थियों के लिए विभिन्न आय विकास कार्यक्रम शुरू करने और इच्छुक उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 360 करोड़ रुपये की ट्राइकार वार्षिक योजना को मंजूरी दी गई। इस अवसर पर डॉ. बेलैया नाइक ने कहा कि ट्राईकार के माध्यम से आदिवासियों के विकास के लिए विभिन्न नवीन योजनाएं

जैसे सीएमएसटीईआई, इंदिरा गिरि जल विकास, कौशल विकास प्रशिक्षण और अन्य योजनाएं पारदर्शी रूप से लागू की जा रही हैं। बैठक में सचिव और आयुक्त जनजातीय कल्याण डॉ.ए. सारथ, आईएएस और वित्त, पंचायत राज और ग्रामीण विकास, उद्योग, कृषि, एग्रोस सहकारी विभाग और वाईएसटीआईएफडीसी ने भाग लिया। (एनएसटीएफडीसी) के अधिकारी बोर्ड सदस्य के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में ट्राईकार के महाप्रबंधक के. शंकर राव ने भाग लिया।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय का दौरा किया

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के संकाय प्रभारी मेजर जनरल समर्थ नागर के नेतृत्व में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज सचिवालय का दौरा किया और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन के तहत राज्य के अध्ययन दौरे पर है। विशेष मुख्य सचिव गृह रवि गुप्ता, सचिव शिक्षा योगिता राणा और संयुक्त सचिव कृषि उदय कुमार ने संवाद सत्र के दौरान राज्य सरकार की पहलों के बारे में बताया। निदेशक प्रोटोकॉल एस वेंकट राव भी मौजूद थे।

अज्ञात हमलावरों ने महिला और उसके बेटे पर किया हमला

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के मेट्टुगुडा में गुरुवार को अज्ञात लोगों ने एक महिला और उसके बेटे पर धारदार हथियारों से हमला किया। ऐसा संदेह है कि यह हमला किसी पुरानी दुश्मनी के कारण हुआ है। जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने, जो पीड़ितों के परिचित बताए जा रहे हैं, पहले के. रेणुका (55) और उनके बेटे के. यशवंत (35) के साथ बहस की, जो एक निजी कर्मचारी हैं। इसके बाद उन्होंने मां-बेटे पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए।

हैदराबाद विश्वविद्यालय ने की प्रवेश की घोषणा

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के दूरस्थ एवं आभासी शिक्षण केंद्र (सीडीवीएल) ने गुरुवार को मिश्रित मोड के माध्यम से पेश किए जाने वाले विभिन्न एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए। इन कार्यक्रमों में बिजनेस मैनेजमेंट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, साइबर लॉ, फोरेंसिक साइंस, लाइब्रेरी ऑटोमेशन नेटवर्किंग, कम्युनिकेटिव इंग्लिश, इंफेक्शन प्रिवेंशन कंट्रोल, कम्युनिटी आई हेल्थ और एनआईआरडी, आईएफसीएआई, एलवीपीईआई और टीमलीज एडटेक के साथ संयुक्त रूप से पेश किए जाने वाले अन्य कौशल उन्नयन पाठ्यक्रम शामिल हैं। यूजीसी, एआईसीटीई और डीईसी संयुक्त समिति द्वारा अनुमोदित ये कार्यक्रम स्नातकों के लाभ के लिए पीजी स्तर पर ऐड-ऑन पाठ्यक्रम के रूप में पेश किए जा रहे हैं।

हैदराबाद मंडल ने 71वीं डीआरयूसीसी बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मंडल की 71वीं मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) बैठक गुरुवार को डीआरएम कॉन्फ्रेंस हॉल, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई ने की। बैठक के दौरान अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक एम.ए. रहमान और अन्य शाखा अधिकारी भी मौजूद थे। 17 मनोनीत सदस्यों में से 12 सदस्य बैठक में शामिल हुए। लोकेश विश्नोई ने चालू वित्त वर्ष में जनवरी, 2025 तक हैदराबाद मंडल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने हैदराबाद मंडल में की गई विभिन्न विकास गतिविधियों के बारे में भी सदस्यों को विस्तार से बताया, जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत

चयनित स्टेशनों पर चल रहे कार्य शामिल हैं। इसके अलावा, चेयरमैन ने सदस्यों को यात्री सुविधा कार्यों और चल रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। सदस्यों ने मंडल द्वारा की गई विकास गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया और विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए किए गए प्रयासों और अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत चयनित स्टेशनों पर चल रहे कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने नई ट्रेनों की शुरूआत, ट्रेनों के ठहराव, विशेष ट्रेनों के संचालन, यात्री ट्रेनों की बहाली, विभिन्न स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर आदि के प्रावधान के बारे में कई अभ्यावेदन दिए। चेयरमैन ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि उनके सुझावों/अभ्यावेदनों की जांच दिशा-निर्देशों/मानदंडों के भीतर की जाएगी और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक का समापन सहायक वाणिज्य प्रबंधक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

CLASSIFIEDS

WANTED

Wanted Female junior and senior beauticians. walk in interviews. Shivani herbal beauty parlour, first floor, Ashoka Scintilla ,above Mebaz , opposite Malabar showroom, Himayat Nagar Main Road. Ph - 9948925111,9948926111.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज़म कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम – मिनी रत्न श्रेणी-I)
दक्षिण मध्य क्षेत्र
IRCTC

अनुभवी होटल प्रबंधन / आतिथ्य पेशेवरों और योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) / लागत और प्रबंधन लेखाकार (सीएमए) के लिए वॉक-इन इंटरव्यू

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी लिमिटेड), साउथ सेंट्रल जोन अनुबंध के आधार पर "हॉस्पिटैलिटी मॉनिटर" के साथ-साथ "योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) / कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए)" की सेवाएं लेना चाहता है। पात्रता मानदंड, पद, वॉक-इन इंटरव्यू तिथि/स्थान और नियुक्ति के अन्य नियम और शर्तों के लिए https://www.irctc.com देखें।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
(T.A. No. 1439)
ISO 9001 : 2015 CERTIFIED BANK
www.agrasenbank.in
info@agrasenbank.in
अग्रसेन बैंक
Estd. 1998

NOTICE

Notice is hereby given that the 2nd General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the Financial Year 2024-2025, will be held on Sunday, 23rd February, 2025 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, T.G. at 11:00 A.M to transact the following items of the Agenda:

1. To review the membership and attendance of the Committee Members for the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
2. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
3. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
4. To approve transfer of surplus /additional balance in Bad and Doubtful Debt Reserve to the General Reserve Fund/Profit and Loss account as per the guidelines of the Reserve Bank of India.
5. To ratify the transfer of balance in the Dividend Equalisation Fund to the General Reserve Fund as per the guidelines of the Reserve Bank of India.
6. To review all overdue loans and loans covered under legal action.
7. To approve "Write off" of Bad and doubtful loans classified as NPA.
8. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the 2nd General Body Meeting, on the date, time and place herein mentioned above

Place : Hyderabad
Date : 07/02/2025

By order of the Board of Directors
Sd/-
C.V. Rao
General Manager /CEO

NOTE
1. All documents referred to in the Notice are open for inspection at the Registered Office of the Bank on all working days between 11.00 A.M to 4.00 PM from 10-02-2025 to 21-02-2025 with prior notice.
2. In the absence of the requisite Quorum within half an hour of the time specified for holding the 2nd General Body Meeting, the meeting shall stand adjourned to 12.00 Noon on the same day and the same agenda of the meeting shall be transacted at the same venue.

कांटी थाने में तोड़फोड़ का वीडियो वायरल, हाजत में युवक की मौत के बाद मचा बवाल

मुजफ्फरपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना के हाजत में लूट कांड में पकड़े गये आरोपी का शव गुरुवार सुबह फंदे से लटका मिला। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान कांटी थाना क्षेत्र के कलवारी गांव निवासी शिवम झा के रूप में की गई है। सूचना मिलते ही ग्रामीण एसपी विद्यासागर, डीएसपी पश्चिमी अभिषेक आनंद सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। युवक का शव मफलर से बने फंदे से लटका हुआ था।

वीडियोग्राफी करा कर फंदे से नीचे उतारा गया। इसी बीच पुलिस कस्टडी में युवक की मौत की सूचना पर सैकड़ों की संख्या में लोग थाना पहुंच गये। परिजन हत्या का आरोप लगा कर हंगामा करने लगे। वहां उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। लेकिन कुछ उपद्रवियों ने थाना परिसर में तोड़फोड़ कर दिया। जिसका वीडियो आप देख सकते हैं।

'चुनाव आयोग मर गया है

सफेद कपड़ा भेंट करना पड़ेगा', अखिलेश यादव का विवादित बयान

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर लगे आरोपों पर कहा, यह भाजपा का चुनाव लड़ने का तरीका है। चुनाव आयोग मर गया है, सफेद कपड़ा हमें भेंट करना पड़ेगा। अखिलेश यादव ने दावा किया था कि पुलिस मतदाताओं के पहचान पत्र की जांच कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में अखिलेश ने चुनाव आयोग से इसमें शामिल लोगों को हटाने के लिए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग को इस खबर से जुड़ी तस्वीरों का तत्काल संज्ञान लेना चाहिए कि अयोध्या पुलिस मिल्कीपुर में मतदाताओं के पहचान पत्र की जांच कर रही है, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। मतदाताओं में भय पैदा कर मतदान को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने का यह लोकतांत्रिक अपराध है। ऐसे लोगों को तत्काल हटाया जाना चाहिए और दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, अयोध्या पुलिस ने समाजवादी पार्टी प्रमुख के आरोप का जवाब देते हुए कहा कि बूथ एजेंटों के पहचान पत्र की जांच की जा रही है, मतदाताओं के नहीं। साथ ही पूर्व सीएम से झूठे बयान न देने के लिए कहा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अयोध्या पुलिस ने कहा कि पुलिस एक उम्मीदवार के बूथ एजेंट की पहचान पत्र की जांच कर रही है, मतदाताओं की नहीं। उन्होंने कहा, ऊपर दी गई फोटो बूथ एजेंट के पहचान पत्र की है, फोटो में दिख रहा व्यक्ति एक प्रत्याशी का बूथ एजेंट है, जिसकी पुष्टि उसके पहचान पत्र को देखकर की गई है। कृपया भ्रामक ट्वीट न करें। इससे पहले मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अजीत प्रसाद ने मतदान प्रक्रिया और कुछ तत्वों द्वारा कथित हस्तक्षेप के बारे में बात की।

चंद्रशेखर आजाद ने भी भाजपा पर लगाए आरोप

उधर, नगीना सांसद और आज़ाद समाज पार्टीके अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद ने कहा, मिल्कीपुर में भाजपा ने लोकतंत्र का गला घोंटा है। जिस तरह से सरकारी मशीनरी सत्ता के आगे झुक गई है, वोटों को प्रभावित करने, मतदान में देरी करने, लोगों को धमकाने, वोट न डालने देने का पाप, जो उत्तर प्रदेश सरकार ने किया है, वह अपराध है।

सत्ता में रहकर उन्हें लगता है कि वे कभी नहीं जाएंगे लेकिन जिस तरह से वे लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं, आने वाले समय में जनता उन्हें जवाब देगी। इतना सब होने के बाद भी मिल्कीपुर में हो सकता है कि नतीजे भाजपा को सबक सिखा दें।

ईसी के खिलाफ अखिलेश यादव के बयान पर बोलीं डिंपल यादव- आंखें मूंद कर बैठा है चुनाव आयोग

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर उपचुनाव के बाद भारत निर्वाचन आयोग को लेकर विवादित टिप्पणी की है। सपा चीफ ने कहा कि चुनाव आयोग मर गया है। हम उसे सफेद कपड़ा भेंट करना चाहते हैं। उनके इस बयान पर एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी ने सवाल उठाए और माफी की मांग की तो वहीं मैनपुरी से सांसद और अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव ने उनका बचाव किया मैनपुरी सांसद ने कहा कि चुनाव आयोग ने आंखें मूंद ली हैं। इसलिए प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। जिस तरह से मिल्कीपुर में कल चुनाव हुआ और

कई शिकायत की गईं लेकिन आयोग आंखें मूंद कर बैठा रहा। फर्जी वोटिंग कराई गई और बूथ कैप्चरिंग हुई। विजुअल्स और रिकॉर्डिंग्स है। उसके बाद भी अगर चुनाव आयोग कुछ नहीं कर रहा है तो सवाल उठेंगे ही। डिंपल ने आरोप लगाया कि जबसे बीजेपी सरकार आई है तब से लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म किया जा रहा है। ऐसा ही करना है तो आप चुनाव करा रही क्यों रहे हैं, खुद ही घोषित कर लीजिए। यह पूछे जाने पर कि जब लोकसभा में सीटें आईं तब सवाल नहीं उठा, डिंपल ने कहा कि नहीं।।।। हम बहुत लड़े। जीत का सर्टिफिकेट लेने के लिए हमारे कार्यकर्ताओं को लड़ना पड़ा। चुनाव आयोग पर सवाल उठाने के बाद अखिलेश ने कहा- चुनाव आयोग को जो काम करना चाहिए चुनाव आयोग वो काम नहीं कर रहा है।मेरे हाथ में वो सूची नहीं है अधिकारियों की। मैंने कई मौकों पर आपके साथियों के माध्यम से कहने की कोशिश की है कि मिल्कीपुर का चुनाव विशेष और अलग परिस्थितियों में होने वाला है।

ब्रेन स्ट्रोक के कारण राम मंदिर के मुख्य महंत सत्येंद्र दास की हालत गंभीर

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर-अयोध्या के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। 'ब्रेन स्ट्रोक' के कारण वह अभी संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में भर्ती हैं, लेकिन उनमें सुधार के कुछ लक्षण दिखाई दे रहे हैं। अस्पताल ने यह जानकारी दी। 85 वर्षीय सत्येंद्र दास की 'ब्रेन स्ट्रोक' के कारण तबीयत बिगड़ जाने के बाद उन्हें लखनऊ के एसजीपीजीआई में रविवार को भर्ती कराया गया था। एसजीपीजीआई ने एक बयान में कहा, श्री सत्येंद्र दास जी को स्ट्रोक हुआ है। उन्हें मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर है और वे फिलहाल न्यूरोलॉजी आईसीयू में हैं। उनमें सुधार के कुछ लक्षण दिखाई दे रहे हैं। दोबारा किए गए सीटी स्कैन में पिछले स्कैन की तुलना में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं दिखा, जो यह बताता है कि उनके स्वास्थ्य की स्थिति में गिरावट नहीं है। वृद्धावस्था के कारण उन्हें अन्य बीमारियां भी हैं। लेकिन, उनकी हालत स्थिर है और उन पर डॉक्टरों द्वारा निगरानी रखी जा रही है।

ध्वस्तीकरण से पहले शुरू हुई अवैध अपार्टमेंटों की नपाई, 83 अपार्टमेंटों के लिए एलडीए ने जारी की नोटिस

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। जिन 83 अवैध अपार्टमेंटों को गिराए जाने के लिए एलडीए ने करीब एक सप्ताह पहले नोटिस जारी किए हैं, उनकी नपाई का काम बुधवार से शुरू हुआ है। न्यू हैदराबाद की कालाकांकर कॉलोनी में बने एक अपार्टमेंट सहित शहर के कई अन्य अपार्टमेंटों की नपाई की गई है। नपाई से ये पता किया जा रहा है कि कितना निर्माण अवैध है जिसे ध्वस्त किया जाना है। 83 अवैध अपार्टमेंट शहर के अलग- अलग इलाकों में बने हैं। एलडीए से इनके मानचित्र पास नहीं हैं। पूर्व में भी एलडीए इनके ध्वस्तीकरण के आदेश जारी कर चुका है। किसी का आदेश साल 2002 का है तो किसी का 2010 और 2012 का। एलडीए ने उस समय आदेश पर अमल नहीं किया।

जेल में रहेंगे या बाहर आएंगे अनंत सिंह ?

जमानत की अर्जी को कोर्ट ने खारिज किया

मोकामा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह अभी जेल में ही रहेंगे। कोर्ट ने उनकी जमानत की अर्जी को खारिज कर दिया है। नियमित जमानत अर्जी पर बीते बुधवार को एमपी-एमएलए के विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई थी। इसके बाद जज ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद अब आज (गुरुवार) इस मामले का फैसला सुनाया गया है।

24 जनवरी को अनंत सिंह ने किया था सरेंडर

अनंत सिंह के समर्थकों और सोनू-मोनू गैंग के बीच हुई फायरिंग का ये पूरा मामला है। इस मामले में कुल पांच एफआईआर दर्ज की गई है। सोनू जेल में है जबकि मोनू अब भी फरार है। इस पूरे मामले में अनंत सिंह ने 24 जनवरी को बाढ़ सिविल कोर्ट में सरेंडर किया था। पिछले महीने 30 जनवरी को नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी। उस दौरान कोर्ट ने पुलिस से केस डायरी देने को कहा था। पुलिस उस दिन कोर्ट में केस डायरी पेश नहीं कर पाई थी। अब दोबारा सुनवाई हुई तो अनंत सिंह को झटका लगा है। फिलहाल उन्हें जेल में ही रहना होगा। 30 जनवरी को जब सुनवाई हुई थी तब कोर्ट की तरफ से कहा गया था कि बिना केस डायरी देखे जमानत नहीं दी जा सकती है। बता दें कि अनंत सिंह पटना के बेऊर जेल में बंद हैं।

फायरिंग का ये पूरा मामला ?

22 जनवरी को मोकामा के नौरंगा गांव में अनंत सिंह के समर्थकों एवं सोनू-मोनू गैंग के बीच गोलीबारी हुई थी। मामला सोनू-मोनू के ईंट भट्टा पर काम करने वाले मुकेश से जुड़ा है। मुकेश पर 60 लाख रुपये के गबन का आरोप है। यह बात सामने आई थी कि पैसा नहीं देने पर सोनू-मोनू ने उसके घर पर ताला लगा दिया था। इसके बाद अनंत सिंह ने मामले में हस्तक्षेप किया था। अनंत सिंह ने गांव पहुंचकर घर का ताला खुलवाया था। उसके बाद सोनू-मोनू के घर पहुंचे थे। इसी बीच दोनों के गिरोह के बीच गोलीबारी हुई थी।

मिल्कीपुर में दरोगा की धमकी के बाद सपा नेता लापता

अयोध्या, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के मिल्कीपुर में दरोगा के खिलाफ पोस्ट लिखने के बाद से सपा नेता लापता हो गया है। आरोप है कि उसे दरोगा ने फोन पर धमकाया।

कहा- शराब बांटते हो, अखिलेश यादव भी तुम्हें नहीं बचा पाएंगे। मिट्टी में मिला दूंगा। सपा नेता प्रदीप यादव ने अपने फेसबुक अकाउंट पर बुधवार दोपहर डेढ़ बजे दरोगा के धमकाने का ऑडियो पोस्ट किया। लिखा है- दरोगा ने मेरी मृत मां को गाली दी। अब जीने का कोई मतलब नहीं। मेरी मौत के जिम्मेदार एसओ देवेंद्र पांडेय होंगे। पोस्ट लिखने के बाद से गायब हैं। एसओ देवेंद्र पांडेय ने कहा कि यह ऑडियो मेरा नहीं हैं। यह जानकारी मिलते ही सपा ने अयोध्या पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

अबॉर्शन के दौरान मौत, झोलाछाप डॉक्टर शव लेकर फरार

बेगूसराय, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बेगूसराय में रात अबॉर्शन के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान छोटी मौजी निवासी रामविनय साह की पत्नी सोनी देवी (25) के रूप में हुई है। पति ने बताया कि सोनी की मौत हो जाने के बाद भी बेहतर इलाज का बहाना कर आरोपी डॉक्टर जबरन शव को एक गाड़ी में लेकर फरार हो गया। 6 घंटे बाद महिला की लाश बेगूसराय में एक प्राइवेट हॉस्पिटल से मिली। डॉ. अशोक ने शहर के एक अस्पताल में उसे भर्ती कराया और फरार हो गया। घटना बखरी थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार वार्ड नंबर-21 स्थित मजार गली के एक निजी क्लिनिक की है। मृतक महिला छोटी मौजी निवासी रामविनय साह की पत्नी सोनी देवी है। पुलिस को सूचना मिली कि डॉक्टर, लाश के साथ फरार है। परिजनों की मदद से शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वहीं घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा मचाया। दरअसल, सोनी देवी को सुबह 11 बजे अबॉर्शन के लिए मजार गली स्थित डॉ। अशोक तांती के क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। मृतका के पति रामविनय साह ने कहा कि सोनी डेढ़ महीने की गर्भवती थी। सोनी को जब गर्भवती होने का पता चला तो उसने 15 दिन पहले गर्भपात की दवा खा ली। इसके बाद ब्लडिंग हुई तो लगा कि सब कुछ ठीक हो गया, लेकिन फिर भी ब्लडिंग हो ही रहा था। रामविनय ने गांव में ही घूम-घूम कर इलाज करने वाले नीतीश कुमार से संपर्क किया तो उसने बखरी में इलाज कराने की सलाह दी। परिजन सोनी को लेकर बखरी आएं, जहां अल्ट्रासाउंड कराया गया। अल्ट्रासाउंड में पता चला कि अंदर कुछ गंदगी है, जिसे डॉक्टर से साफ करा देना बेहतर समझा।

मस्जिद में दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या अब 7 महीने बाद बेटी भी हुई लापता

आगरा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। ताज पूर्वी गेट के पास लकड़हारा मस्जिद में सात महीने पहले दुष्कर्म के बाद हुई महिला की हत्या का पर्दाफाश पुलिस नहीं कर सकी है। महिला के परिवार की किशोरी गायब हो गई। वह चार सप्ताह से बेसुराग है। स्वजन पुलिस के चक्कर काट रहे हैं। उनका आरोप है कि किशोरी के गायब होने के पीछे बस्ती की एक युवती का हाथ है। वह पुलिस को भी इसकी जानकारी दे चुके हैं, लेकिन वह गंभीरता से नहीं ले रही है। ताजमहल पूर्वी गेट के पास स्थित लकड़हारा मस्जिद में 19 मई 2024 को 42 वर्षीय महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। महिला का अर्धनग्न शव मस्जिद परिसर में मिला था। महिला के भाई ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था।पुलिस सात महीने बाद भी हत्याकांड की गुत्थी नहीं सुलझा सकी है। शक के दायरे में आरोपित की फोरेंसिक विज्ञानी की मदद से प्रोफाइल तैयार कराया है। जिसमें ताजगंज का युवक शक के दायरे में है। मृतका के भाई ने बताया कि बहन के हत्यारे का अभी तक पता नहीं चल सका है। वह सात महीने से बहन के हत्यारे को सलाखों के पीछे देखने की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी दौरान उनकी 17 वर्षीय बेटी गायब हो गई है। वह 10 जनवरी की दोपहर तीन बजे अपनी तबीयत खराब बता घर से दवा लेने निकली थी। जिसके बाद घर नहीं लौटी तो तलाश शुरू कर दी। पता नहीं चलने पर ताजगंज थाने में उसकी रिपोर्ट दर्ज करा दी। इस दौरान अपने स्तर से छानबीन करने पर पता चला कि बस्ती की रहने वाली एक युवती उसे अपने साथ ले गई है। युवती हिमाचल प्रदेश की रहने वाली है।

भदैनी हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई: एक लाख का इनामी विक्की गिरफ्तार

वाराणसी, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बीते साल का चर्चित मामला यानी पांच लोगों के सामूहिक हत्याकांड मामले में भेलुपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हत्या के आरोपी एक लाख के इनामी विशाल गुप्ता उर्फ विक्की को गिरफ्तार किया गया है। विशाल पर अपने चाचा समेत परिवार के पांच लोगों की हत्या का आरोप है। गिरफ्तारी को लेकर पुलिस आयुक्त दोपहर तीन बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये विस्तृत जानकारी देंगे। भेलूपुर थाना क्षेत्र के भदैनी निवासी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की पत्नी नीतू, बेटी गौरांगी और बेटों नमनेंद्र व सुबेंद्र का शव पांच नवंबर 2024 की सुबह उनके घर में मिला था।

कागजों में शिव-पार्वती को दिखाया 'मृत', पुजारी ने अपने नाम कराई प्राचीन मंदिर की जमीन; करोड़ों में है कीमत

सोनभद्र, 6 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि को लेकर जहां पूरा देश अपने-अपने अंदाज से मनाने के लिए उसकी तैयारियों में जुटा हुआ है तो वहीं यूपी के सोनभद्र में प्राचीन शिव पार्वती मंदिर के पुजारी द्वारा भगवान को ही मृतक घोषित करके जमीन अपने नाम करा लेने का मामला सामने आया है। भगवान शिव और माता पार्वती के नाम से बने ट्रस्ट (शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति) की जमीन को मंदिर के ही पुजारी ने भगवान शिव और माता पार्वती को मृत दिखाकर जमीन को अपने नाम कर लिया और उस जमीन पर अपने लोगों द्वारा दुकान खोलकर अतिक्रमण कर लिया। सोनभद्र के घोरावल थाना क्षेत्र अंतर्गत शिव द्वार मंदिर की अपनी पौराणिक कथाएं, मान्यताएं हैं तो वहीं यहां के पुजारी के मन में लालच आ गया।

उसने भगवान को मृत दिखाकर जमीन हड़पने की साजिश रच डाली। जब इस मामले की जानकारी समिति को हुई तो समिति में हड़कंप मच गया। समिति के लोगों के द्वारा मामले की शिकायत जिला अधिकारी से की गई। वहीं, जिला अधिकारी द्वारा मामले में जांच कर जल्द कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया गया लेकिन जब मीडिया ने इस मामले पर जानकारी लेनी चाही तो जिला अधिकारी ने मामले की पूरी जानकारी न होने की बात कहकर मीडिया से बात करने से मना कर दिया। जानकारों की माने तो यह मंदिर 11वीं सदी का है। इसमें भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति स्थापित है। पर्यटन के लिहाज से भी यह मंदिर महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां श्रावण मास में एक माह के लिए मेला लगने के साथ ही शिवरात्रि, बसंत पंचमी जैसे अवसरों पर मेला लगता है।

राणा शुगर मिल में इनकम टैक्स की छापेमारी, अधिकारियों से पूछताछ, सुरक्षाकर्मियों का कड़ा पहरा

शाहबाद, (रामपुर) 6 फरवरी (एजेंसियां)। शाहबाद के करीमगंज गांव स्थित राणा शुगर मिल पर तड़के इनकम टैक्स की छापेमार कार्रवाई हुई। बताया जा रहा है कि राणा शुगर मिल परिसर में करीब छह गाड़ियों में सवार अधिकारी मय पैरामिलिट्री फोर्स के साथ के छापेमारी की है। मिल के कई बड़े पदाधिकारियों को इनकम टैक्स अधिकारियों ने पूछताछ के लिए बैठा रखा है। वहीं, मिल परिसर में सभी के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। फिलहाल बाहरी व्यक्तियों का मिल परिसर में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, मिल परिसर में जगह-जगह पैरामिलिट्री फोर्स के जवान सुरक्षा के लिहाज से मुस्तैद हैं। फिलहाल अंदर क्या कार्रवाई चल रही है, इसकी जानकारी अभी बाहर नहीं आ पा रही है।

आगरा में बुलडोजर एक्शन की तैयारी, हटाए जाएंगे अवैध कब्जे

एडीए उपाध्यक्ष ने जारी किए आदेश

आगरा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। एडीए कालिंदी विहार में भूखंडों पर हुए अवैध कब्जे को हटाएगा। यहां भविष्य के उपयोग के लिए छोड़ी गई भूमि का नियोजन करते हुए उसकी बिक्री की जाएगी। प्रवर्तन व नियोजन अनुभाग से एडीए उपाध्यक्ष एम. अरून्मोली ने सात दिन में योजना मांगी है। दो जगह चलते मिले अवैध निर्माण पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। एडीए उपाध्यक्ष एम। अरून्मोली ने दोपहर कालिंदी विहार योजना में सेक्टर ए व एच के रिक्त भूखंडों का निरीक्षण किया। वर्ष 1989 में एडीए ने कालिंदी विहार योजना लांच की थी। उस समय भविष्य की जरूरतों को देखते हुए कई भूखंड रिक्त छोड़े गए थे। इनमें चार हजार वर्ग मीटर का भूखंड सबसे बड़ा है। अन्य भूखंड भी हैं। रिक्त भूखंडों पर लोगों न अस्थायी कब्जा कर रखा है। किसी ने सामान रख लिया है तो कोई भैंस पाल रहा है एडीए उपाध्यक्ष ने भूखंडों पर हुए अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए। इनका नियोजित विकास करते हुए बिक्री का प्रस्ताव दिया जाएगा। इसी तरह यहां कुछ भूखंडों के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। एडीए उपाध्यक्ष ने संभावना तलाशने के निर्देश दिए कि इन भूखंडों को छोटा कर बिक्री की जा सकती है या नहीं? निरीक्षण में दो स्थानों पर अवैध निर्माण चलता हुआ मिला। प्रभारी प्रवर्तन को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश एडीए उपाध्यक्ष ने दिए। एडीए सचिव श्रद्धा शांडिल्यायन, मुख्य अभियंता केके बंसल, अधिशासी अभियंता आरआरपी सिंह, नगर नियोजक प्रोभात कमार पाल मौजूद रहे। एडीए के प्रर्वतन दल ने बुधवार को हरीपर्वत वार्ड प्रथम में तीन हजार वर्ग मीटर भूमि में विकसित की जा रही अवैध कालोनी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। सुरेश अग्रवाल व मनोज अग्रवाल की ओर से मनोहरपुर, बल्केश्वर रोड पर विकसित की जा रही अवैध कालोनी को पूर्व में ध्वस्त किया गया था। यहां सड़क डालकर दोबारा विकास कार्य शुरू कर दिए गए थे। मथुरा जिले के महावन नगर पंचायत के वार्ड नंबर तीन स्थित काजीपाड़ा के समीप सरकारी जमीन पर कालोनाइजरों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। लगभग ढाई बीघा सरकारी जमीन (जो कस्बे की विभिन्न नालियों के पानी की निकासी के लिए इस्तेमाल होती थी) पर मिट्टी डालकर कब्जा कर लिया गया है। इस कब्जे के कारण आसपास के मुहल्लों की नालियों का पानी अब ठहरने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों को गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि काजीपाड़ा, नई बस्ती, बस स्टैंड मुहल्ला, कुम्हार पाड़ा, व्यापारिन मुहल्ला और कसाई पाड़ा जैसे इलाकों की नालियों का पानी इसी जगह पर एकत्रित होता था। अब कालोनाइजरों द्वारा मिट्टी का भराव कर पानी की निकासी बाधित कर दी गई है।

बहराइच में तेंदुए का आतंक तीन लोगों पर किया हमला डर के साए में लोग

बहराइच, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के निशानगाड़ा रेंज में गुरुवार को गन्ने के खेत से निकलकर आबादी में एक तेंदुआ घुस आया। इस दौरान तेंदुए ने तीन ग्रामीणों पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुटी रही। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के बाद वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है। आपको बता दें कि निशानगाड़ा रेंज के भट्ठा बरगदहा ग्राम पंचायत कारीकोट में गांव निवासी श्रीकिशन के खेत में कुछ ग्रामीणों ने तेंदुए को चहलकदमी करते हुए देखा। जानकारी के बाद देखते ही देखते गांव में सैकड़ों लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। भीड़ को देखकर तेंदुआ गन्ने के खेत से निकल कर गांव निवासी संदीप के घर में घुस गया। घटना के बाद से गांव में अफरा तफरी का माहौल हो गया।

मैं भी जैन हूं

भरोसा करो और सोने में निवेश का झांसा देकर महिला ने कारोबारी से ठग लिए 44.50 लाख

मेरठ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। फेसबुक के माध्यम से संपर्क कर महिला ने सोने में निवेश पर बड़े मुनाफे का झांसा देकर कारोबारी से 44.50 लाख रुपये ठग लिए। एसपी क्राइम अवनीश कुमार का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ठगी की रकम फ्रीज कराने के लिए बैंकों को रिपोर्ट भेजी गई है। आरोपियों के बारे में पता लगाया जा रहा है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के शिवाजी रोड सरस्वती एनक्लेव निवासी कारोबारी मनोज जैन ने बताया कि कुछ दिन पहले फेसबुक पर निकिता जैन नाम की महिला का मेसेज आया था। इसके बाद उनकी महिला से बातचीत होने लगी। महिला ने उनके कामकाज की जानकारी ली और अपना व्हाट्सएप नंबर दिया। इसके बाद उनसे कहा कि एक कंपनी के जरिए सोने में निवेश पर बड़ा मुनाफा होगा। महिला ने उन्हें कंपनी की वेबसाइट का लिंक व्हाट्सएप पर भेजा और अकाउंट बनाने को कहा। लिंक ओपन नहीं हुआ तो महिला ने एक रेफरेंस कोड दिया। इस कोड को डालकर बीर्च गोल्ड कैपिटल नाम की कंपनी की वेबसाइट खुली। महिला के कहने पर उन्होंने निवेश करने से मना कर दिया। इस पर महिला ने कहा कि यह वेबसाइट पूरी तरह सुरक्षित है। मैं आपको गाइड करूंगी। साथ ही मैं भी इस वेबसाइट पर निवेश करूंगी। मुझ पर विश्वास करो, मैं भी जैन हूं। आपका पैसा कहीं नहीं जाएगा। महिला ने पीड़ित से कहा कि आप पहले 50 हजार रुपये का निवेश करो। इसके बाद महिला ने उनका अकाउंट बनाया और कहा कि मैं आपको मेसेज बनाकर भेजूंगी, उस मेसेज को आप कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर भेज देना।

निजी सुरक्षाकर्मी पुलिस, सेना या अर्धसैनिक बलों जैसी वर्दी न पहनें : डॉ. विनीत

साइबराबाद पुलिस ने निजी प्रतिष्ठानों के साथ सुरक्षा समन्वय पर बैठक की

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने माधापुर डीसीपी डॉ. विनीत की देखरेख में आज साइबराबाद सीपी ऑफिस मेन कॉन्फ्रेंस हॉल में एक समन्वय बैठक की। बैठक में पब, बार और रेस्तरां, होटल, लॉज, मनोरंजन प्रतिष्ठानों, इवेंट मैनेजर और निजी सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों को सुरक्षा समन्वय बढ़ाने और कानूनी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक साथ लाया गया।

बैठक के दौरान, डीसीपी डॉ. विनीत ने सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए कानून प्रवर्तन की सहायता करने में निजी सुरक्षा एजेंसियों और इवेंट मैनेजरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने व्यावसायिकता और वैध संचालन के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए निजी सुरक्षा एजेंसियों (विनियमन) अधिनियम 2005 का सख्ती से पालन करने के महत्व पर प्रकाश डाला। सुरक्षा और अपराध की रोकथाम को बढ़ाने के लिए प्रमुख अनुपालन उपायों पर चर्चा की गई। निजी सुरक्षा एजेंसियों को याद दिलाया गया कि वैध संचालन के लिए खुफिया महानिदेशक, तेलंगाना द्वारा जारी एक वैध पीएसएआरए लाइसेंस अनिवार्य है। एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि सुरक्षाकर्मी पुलिस, सेना या अर्धसैनिक बलों जैसी वर्दी न पहनें, ताकि दुरूपयोग या सार्वजनिक भ्रम को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त, इस बात पर जोर दिया गया कि सभी सुरक्षा गार्डों को कानून प्रवर्तन द्वारा आसान सत्यापन के लिए हर समय आधिकारिक फोटो पहचान पत्र रखना चाहिए। प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सभी स्थलों को प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों के साथ नियमित सुरक्षा जांच करने का निर्देश दिया गया। सुरक्षा टीमों को किसी भी संभावित खतरे को रोकने और ग्राहकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना चाहिए। पब और अन्य नाइटलाइफ़ प्रतिष्ठानों को समय पर बंद करने पर जोर दिया गया, यह सुनिश्चित करते हुए कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यवसाय अनुमत घंटों के भीतर संचालित हों।

प्रतिष्ठानों को भीड़ को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं पर प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिया गया। निजी प्रतिष्ठानों को भी किसी भी आपराधिक घटना की तुरंत रिपोर्ट करने और संदिग्धों के बारे में जानकारी कानून प्रवर्तन के साथ साझा करने की सलाह दी गई ताकि त्वरित प्रतिक्रिया और प्रभावी अपराध रोकथाम की सुविधा मिल सके। इसके अतिरिक्त, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नज़र रखने पर जोर दिया गया, प्रतिष्ठानों को अपने परिसर के भीतर किसी भी गैरकानूनी गतिविधियों की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए पुलिस के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए रखने का निर्देश दिया गया। साइबराबाद पुलिस ने सभी निजी सुरक्षा एजेंसियों और इवेंट मैनेजरों से कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया, ताकि जनता के लिए सुरक्षित और अच्छी तरह से निगरानी वाला माहौल सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में माधापुर एडीसीपी जयराम, माधापुर एसीपी चौधरी श्रीकांत, माधापुर जोन एलएंडओ इंस्पेक्टर और विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों, इवेंट मैनेजरों और सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

भारी मात्रा में फर्जी प्रमाणपत्र के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दबीरपुरा पुलिस और एसईज़ेड टास्क फोर्स, हैदराबाद ने न्यू रोड चंचलगुडा, हैदराबाद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गिरफ्तार आरोपियों में अब्दुल कादिर उर्फ कादिर निवासी शाहअलीबंडा, हैदराबाद, मोहम्मद शकील उर्फ शकील, निवासी फरहात नगर, दबीरपुरा, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। जबकि अन्य आरोपी संजय शर्मा उर्फ साहिल शर्मा, निवासी कानपुर, उत्तर प्रदेश फरार है। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद के अनुसार जी. नागन्ना, पुलिस उपनिरीक्षक, थाना दबीरपुरा, हैदराबाद और टास्क फोर्स टीम, दक्षिण पूर्व क्षेत्र ने विश्वसनीय सूचना पर दोनों आरोपियों को उस समय पकड़ा जब वे दो पहिया बाइक पर न्यू रोड चंचलगुडा से याकूतपुरा की ओर जा रहे थे। आरोपी याकूतपुरा और अन्य क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र प्रदान कर रहे थे, जिनके पास कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं है और विदेश में नौकरी के नाम पर उनसे भारी मात्रा में वसूली कर रहे थे। आरोपियों के पास से विभिन्न विश्वविद्यालयों 91 फर्जी प्रमाण पत्र बरामद हुए। जांच में पता चला कि वे जरूरतमंद व्यक्तियों को फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र देकर आसानी से कमाई करने के आदी थे। इसके लिए उन्होंने संजय शर्मा उर्फ साहिल शर्मा, निवासी कानपुर, उत्तर प्रदेश राज्य से जान-पहचान की। वे जरूरतमंद छात्रों/अभ्यर्थियों का विवरण और राशि एकत्र करते थे और उसे व्हाट्सएप के माध्यम से संजय शर्मा उर्फ साहिल शर्मा को भेजते थे। बाद में, संजय शर्मा उर्फ साहिल शर्मा आवश्यक प्रमाण पत्र और हार्ड कॉपी तैयार करके कूरियर के माध्यम से अब्दुल कादिर को भेजते थे, जिसे अब्दुल कादिर और मोहम्मद शकील जरूरतमंद व्यक्तियों को सौंप देते थे।

तेलंगाना को 176.5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन सहायता प्राप्त

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग द्वारा स्थापित "राज्यों को विशेष वित्तीय निवेश सहायता 2024-2025 योजना" के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक सफलतापूर्वक पहुंचने के लिए केंद्र द्वारा 176.5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन सहायता प्रदान की गई है। तेलंगाना ने क्रमशः माइलस्टोन 1 और माइलस्टोन 2 के तहत 125 करोड़ रुपये और 51.5 करोड़ रुपये के लिए अर्हता प्राप्त की है। राज्य ने मोटर वाहन करों पर रियायत के संबंध में 50 करोड़ रुपये की पात्रता हासिल की है। माइलस्टोन 2 श्रेणी के अंतर्गत, तेलंगाना सरकार ने 15 वर्ष से अधिक पुराने परिवहन वाहनों को नष्ट करने की योजना प्रस्तावित की है, जिसके लिए 75 करोड़ रुपये की पात्रता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, तेलंगाना ने 21 प्राथमिकता वाले जिलों के लिए 31.5 करोड़ रुपये और गैर-प्राथमिकता वाले जिलों के लिए 20 करोड़ रुपये की पात्रता प्राप्त की है, जिसके परिणामस्वरूप कुल प्रोत्साहन राशि 50.5 करोड़ रुपये हो गई है।

निजी कंपनियों के माध्यम से कोयला निकालने की योजना वापस लें : कुनामनेनी

कोत्तागुडेम, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव और विधायक कुनामनेनी सांबशिव राव ने आज मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारें निजी कंपनियों की मदद से कोयला उत्पादन की अपनी योजना बंद करें। उन्होंने कोत्तागुडेम बाबू कैंप के रजब अली भवन में सिंगरेनी मान्यता प्राप्त एसोसिएशन एआईटीयूसी के प्रतिनिधियों के साथ एक मीडिया कॉन्फ्रेंस की। इस अवसर पर बोलते हुए, कुनामनेनी ने कहा कि सिंगरेनी कंपनी कोयला खदानों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय निजी व्यवसायों पर अधिक ध्यान दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंगरेनी में अवैध गतिविधियां बढ़ गई हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राजनीतिक हस्तक्षेप बहुत बढ़ गया है और कहा कि सिंगरेनी को सेवानिवृत्त कंपनी श्रमिकों के लिए अपने घर बनाने की योजना को लागू करना चाहिए। कुनामनेनी सांबशिव राव ने मांग की कि सरकार सिंगरेनी कंपनी को बकाया हजारों करोड़ रुपये का भुगतान करे ताकि कंपनी की सुरक्षा और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि कोत्तागुडेम और येलंडु नई खदानों में कोयले को निजी क्षेत्र को सौंपने का कदम अवैध है और बीआरएस सरकार कंपनी के निजीकरण की ओर अधिक झुकी हुई है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि सिंगरेनी कंपनी सभी काम खुद ही करे।

अपहरणकर्ताओं की मदद करने के आरोप में डीएसपी निलंबित

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक ने 2023 में मोकिला गांव से एक रियल एस्टेट एजेंट के अपहरण में कुछ लोगों के साथ मिलीभगत करने और मदद करने के आरोप में डीएसपी रैंक के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया है।

नवंबर 2023 में दर्ज मामले में डीएसपी को आरोपी बताया गया है। साइबर क्राइम यूनिट के साथ काम करने वाले डीएसपी ने कथित तौर पर तेलंगाना पुलिस के ऐप की जांच करने के बाद एक व्यक्ति के ठिकाने के बारे में जानकारी दी थी।

तीन करोड़ रुपये के 1016 चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद

> बरामद मोबाइल फोन असली मालिकों को सौंपे गए

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने जी सुधीर बाबू पुलिस आयुक्त, राचकोंडा के मार्गदर्शन में सीसीएस और आईटी सेल में विशेष टीमों का गठन किया, ताकि सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्ट्री (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके खोए/चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए जा सकें। विशेष टीमों ने एक महीने के अंतराल में 3.0 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 1016 मोबाइल फोन बरामद किए। इस वर्ष अब तक राचकोंडा पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल का उपयोग करके उपरोक्त बरामदगी सहित लगभग 1400 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आज पुलिस आयुक्त राचकोंडा ने बरामद मोबाइल फोन को उनके असली मालिकों को सौंप दिया और उनसे बातचीत की तथा इस संबंध में पुलिस की कार्यप्रणाली पर उनकी प्रतिक्रिया ली। पुलिस आयुक्त ने लोगों को मोबाइल फोन में संग्रहीत मूल्यवान जानकारी को सुरक्षित रखने की सलाह भी दी।

असली मालिकों ने पुलिस आयुक्त राचकोंडा के हाथों से अपने मोबाइल डिवाइस प्राप्त करने पर हार्दिक आभार महसूस किया तथा इस संबंध में पुलिस के काम की प्रशंसा की। पुलिस आयुक्त राचकोंडा ने इस संबंध में वी. अरविंद बाबू डीसीपी क्राइम, करुणा सागर एसीपी क्राइम, विशेष टीम सीसीएस तथा आईटी सेल अधिकारियों के प्रयासों की भी सराहना की तथा टीमों को आगे भी प्रयास जारी रखने के निर्देश दिए। प्रत्येक सीसीएस में इंस्पेक्टर, एसआई, एएसआई, एचसी, पीसी सहित सीईआईआर पोर्टल प्रभारियों की विशेष टीमें बनाई गई, जिसमें करुणा सागर, एसीपी क्राइम को नोडल अधिकारी बनाया गया, जिन्होंने विशेष टीमों के काम की निगरानी की। सीपी राचकोंडा सुधीर बाबू ने जनता को सलाह देते हुए कहा कि चोरी के मोबाइल फोन खरीदना और बेचना एक अपराध है। किसी भी डीलर से मोबाइल डिवाइस खरीदने और बेचने से पहले जांच लें। मोबाइल डिवाइस उपयोगकर्ता को व्यक्तिगत डेटा संग्रहीत करना चाहिए। यात्रा करते समय और भीड़भाड़ वाले इलाकों में घूमते समय मोबाइल फोन की उचित सुरक्षा करें। अपराधी चोरी के मोबाइल का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों और साइबर अपराधों के लिए कर सकते हैं। मजबूत सुरक्षा पासवर्ड का उपयोग करें और फाइंड माई डिवाइस सेटिंग को सक्रिय करें। डेटा हानि से बचने के लिए समय-समय पर डिवाइस डेटा का बैकअप लें। निकटतम पुलिस स्टेशन पर या देश भर में उपलब्ध सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से फोन खोने या चोरी होने की तुरंत रिपोर्ट करें।

राचकोंडा को सड़क सुरक्षा जागरूकता में पहला स्थान

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के मद्देनजर, पुलिस आयुक्त, राचकोंडा और डीसीपी सड़क सुरक्षा विंग के निर्देशानुसार, यातायात विंग और एल एंड ओ ज़ोन ने राचकोंडा आयुक्तालय के आसपास के क्षेत्र में 1494 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के दौरान एल एंड ओ विंग ने 708, यातायात विंग ने 378 और टीटीआई ने 408 जागरूकता सत्र आयोजित किए। इन जागरूकता सत्रों के माध्यम से, राचकोंडा में कुल मिलाकर लगभग 2,24,100 लोगों तक सड़क सुरक्षा जागरूकता संदेश पहुंचाया गया है। इन सत्रों और प्रयासों के माध्यम से राचकोंडा ने नागरिकों में सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता लाने के लिए तेलंगाना राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया। सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से, राचकोंडा पुलिस ने सड़क सुरक्षा के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए आधुनिक पहल की है। ड्राइवरों, पैदल यात्रियों, छात्रों, आरटीसी ड्राइवरों, लॉरी ड्राइवरों, ऑटो चालकों, बस स्टैंड आदि को जागरूकता कार्यक्रमों का हिस्सा बनाया गया और छात्रों, पत्रकारों ने अपने-अपने तरीकों से जागरूकता कार्यक्रमों को व्यापक रूप से फैलाने में सक्रिय रूप से भाग लिया। छात्रों में सड़क सुरक्षा मानदंडों के बारे में जागरूकता लाने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता सत्र आयोजित किए गए हैं। राचकोंडा के टीटीआई और ई-चालान विंग ने राचकोंडा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका/भागीदारी की है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के उपलक्ष्य में अध्यक्ष जी सुधीर बाबू, पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में राचकोंडा सुरक्षा परिषद (आरकेएससी) के सहयोग से राचकोंडा आयुक्तालय द्वारा एक मेगा कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सड़क दुर्घटना मृतकों के परिवार, छात्र, ड्राइवर आदि ने भाग लिया।

बीआरएस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक समूह ने आज केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की और यूजीसी के मसौदा नियमों पर चर्चा की तथा उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। बाद में, दल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की तथा उनसे राष्ट्रीय राजमार्ग 365बी को सूर्यपेट-सिरसिला रोड से कोरुतला तक विस्तारित करने का आग्रह किया। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी नियमों के नाम पर राज्यों के अधिकारों को छीना जा रहा है। नए नियमों से छात्रों को नुकसान होगा। हमने अपने विचार बताने के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की है। यह संविधान की भावना के विरुद्ध है कि केंद्र राज्य के राज्यपालों के माध्यम से राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित खोज समितियों की जिम्मेदारी को नियंत्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, इस तरह से कार्य करना संघवाद की भावना को कमजोर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्य के राज्यपालों के माध्यम से विश्वविद्यालयों को अपने कब्जे में लेना चाहता है और कहा कि नए नियमों से एससी, एसटी और बीसी छात्रों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा, यूजीसी नियमों पर आपत्तियों पर छह पन्नों की रिपोर्ट केंद्रीय मंत्री को सौंपी गई है। हमने मंत्री से नियमों में संशोधन करने का अनुरोध किया है। हमने उनसे कहा है कि वे संघवाद की भावना के खिलाफ कोई फैसला न लें। केटीआर ने यह भी कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से राष्ट्रीय राजमार्ग 365बी का विस्तार करने का अनुरोध किया है। पार्टी के दलबदलू विधायकों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले सभी विधायकों को बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम अयोग्यता याचिकाओं पर वकीलों से बातचीत कर रहे हैं।

चिंतन दिवस समारोह की शुरूआत के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम

> स्काउट और गाइड ने यातायात को नियंत्रित किया

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केवी पिकेट ने चिंतन दिवस समारोह की शुरूआत के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए। प्रिंसिपल रूपिंदर सिंह ने स्काउट्स एवं गाइड्स को संबोधित किया तथा इस महान आंदोलन के महत्व, मानवता, भाईचारे, अनुशासन के बारे में बताया तथा छात्रों को इस तरह की कई और गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. मधुसूदन (एलएलटी) ने कार्यक्रम का समन्वय किया। बजीनिया सुंदर राज, एलके सूरा, सूर्यनारायण, आशीष तथा सोनिया एसएडजी शिक्षक थे जिन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया। शिक्षकों ने बताया कि स्काउट्स एवं गाइड्स आंदोलन युवा लोगों में नेतृत्व, जिम्मेदारी तथा सामुदायिक सेवा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के एक भाग के रूप में, हमने बीपी छह अभ्यास के साथ स्कूल के मैदान में प्रार्थना के साथ शुरूआत की। हमने पोलो मैदान के पास विरासत स्मारक की ओर लकड़ी, शिल्प चिह्न के माध्यम से लंबी पैदल यात्रा, गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की। स्काउट और गाइड ने रास्ते में यातायात को नियंत्रित किया। स्काउट और गाइड छात्रों ने उपलब्ध संसाधनों से भोजन पकाया जिससे उन्होंने श्रम की गरिमा और प्रकृति और उसके संसाधनों का महत्व सीखा। वृक्षारोपण, सामुदायिक दोपहर का भोजन, गांठें और अग्रणी ने उन्हें एक नया कौशल सीखने में मदद की। शिल्पकला, एक गीत सत्र, प्राथमिक चिकित्सा और इसका उपयोग जिसने उन्हें जीवन रक्षक कौशल से लैस होने में मदद की, सफाई, पौधों को पानी देना और केक आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य टीम वर्क, रचनात्मकता और समाज और प्रकृति के प्रति कर्तव्य की भावना पैदा करना था।

फैकल्टी सदस्य की हृदयाघात से मौत

मंचेरियल, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज के एक फैकल्टी सदस्य की गुरुवार को यहां शटल खेलते समय हृदयाघात से मौत हो गई। आइज़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के प्रमुख बंदम बापू रेड्डी (50) सुबह करीब 8 बजे शहर के कॉलेज रोड स्थित एक मैदान में अपने दोस्तों के साथ शटल खेलते समय बेहोश हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

आशीर्वाद सक्सेना एशियाई रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य साइकिलिंग एसोसिएशन के एक होनहार पेशेवर साइकिल चालक आशीर्वाद सक्सेना को 9 से 16 फरवरी, 2025 तक थाईलैंड के फिट्सानुलोक में आयोजित होने वाली 44वीं एशियाई रोड साइकिलिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए भारतीय साइकिलिंग टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। इस टूर्नामेंट में महाद्वीप के लगभग 500 उत्कृष्ट साइकिल चालक शामिल होंगे, जिनमें पेशेवर राष्ट्रीय टीमें, यू23 और यू18 युवा टीमें और मास्टर श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने वाले वरिष्ठ एथलीट शामिल हैं।

आशीर्वाद सक्सेना हैदराबाद के एक अंतर्राष्ट्रीय साइकिल चालक हैं। वह भारतीय दल के सदस्यों में से एक हैं, जो भारतीय टीम के कोच वीएन सिंह के प्रशिक्षु थे। उन्होंने हाल ही में 38वें राष्ट्रीय खेलों में कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने रोड राइडर के रूप में उस इवेंट में अच्छा प्रदर्शन किया। तेलंगाना साइक्लिंग एसोसिएशन और तेलंगाना खेल प्राधिकरण समिति की ओर से, सदस्य आशीर्वाद को उनके चयन पर बधाई देते हैं। वह राज्य के एक होनहार साइकिल चालक हैं। तेलंगाना साइक्लिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष और तेलंगाना ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव मल्ला रेड्डी और महासचिव बी. विजय कांत राव, सीएफआई एथलीट समिति के अध्यक्ष मैक्सवेल ट्रेवर और आयोजन सचिव के. दत्तात्रेय ने आशीर्वाद की इस उपलब्धि की सराहना की।

राचकोंडा कमिश्नरेट की सीमा में 1051 बच्चों को बचाया गया

> राचकोंडा आयुक्तालय चला रहा है ऑपरेशन स्माइल-XI कार्यक्रम

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय ने ऑपरेशन स्माइल-XI के दौरान (464) एफआईआर और (410) जीडी प्रविष्टियां दर्ज कीं और (1051) बाल श्रमिकों (983 लड़के, 139 लड़कियां) को बचाया गया। राचकोंडा बच्चों को बचाने में राज्य में पहले स्थान पर रहा है।

जनवरी-2025 के महीने के लिए ऑपरेशन स्माइल के माध्यम से राचकोंडा पुलिस पूरे राचकोंडा आयुक्तालय में ऑपरेशन के दौरान लापता बच्चों का पता लगाने, संभावित बाल श्रमिकों और खतरनाक व्यवसायों में किशोरों की पहचान करने के लिए ऑपरेशन स्माइल-XI कार्यक्रम चला रही है। इस ऑपरेशन स्माइल-XI के भाग के रूप में, राचकोंडा कमिश्नरेट में डिवीजनवार कुल (9) टीमें बनाई गईं, जिनमें प्रत्येक डिवीजन में 1-एसआई और 4-पीसी (1-डब्ल्यूपीसी सहित) के साथ-साथ एएचटीयू टीम, शी टीम, विशेष शाखा टीम के सदस्य शामिल थे और 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक बच्चों को बचाने के लिए ऑपरेशन चलाएंगी। इस प्रकार टीमों ने विभिन्न उद्योगों, कंपनियों और अन्य प्रतिष्ठानों पर बचाव अभियान चलाया और बच्चे को संबंधित सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश किया। इस अवधि के दौरान, राचकोंडा कमिश्नरेट की सीमा में कुल (1051) बच्चों को बचाया गया। इस अवधि में (464) मामलों में एफआईआर दर्ज की गई तथा प्रबंधन/नियोक्ता के विरुद्ध सुसंगत धाराओं अर्थात आईपीसी, बाल किशोर श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम-1986 (सीएलपीआर), किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत जीडी प्रविष्टि (410) की गई, जिन्होंने नाबालिग बच्चों को विभिन्न कार्यों में लगाया था, जिसमें (1051) प्रतिवादियों को गिरफ्तार किया गया तथा बच्चों को विभिन्न कार्य स्थलों से छुड़ाया गया, इस प्रकार प्रबंधन/नियोक्ता को अनौपचारिक राशि का भुगतान करके (9) घंटे से अधिक समय तक बाल श्रम के साथ सेवा का उपयोग करते हैं। लेकिन, नियमित स्थानीय श्रमिक इसे स्वीकार नहीं करते हैं। इसके बाद, कंपनियों के मालिक अन्य राज्यों से बाल श्रमिकों सहित श्रमिकों को लाते थे और उन्हें श्रम कार्य में शोषण करते थे, जो अमानवीय और श्रम कानूनों के विपरीत है। बचाव अभियान और गिरफ्तारियां श्री जी सुधीर बाबू, पुलिस आयुक्त, राचकोंडा की देखरेख में श्रीमती टी. उषा रानी, डीसीपी महिला सुरक्षा विंग, राचकोंडा के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में एस. देवेंद्र, पुलिस निरीक्षक, एएचटीयू राचकोंडा और उनकी टीम, शी टीम्स, डिवीजनल ऑपरेशन स्माइल-XI टीमों, स्थानीय पुलिस स्टेशनों द्वारा जिला बाल परिवीक्षा इकाई, श्रम विभाग, बचपन बचाओ आंदोलन और चाइल्ड लाइन सदस्यों की सहायता से की गई।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 7 फरवरी - 2025

अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त हुए ट्रम्प

राजेश कुमार पासी

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने से पहले भारत में खुशी मनाई जा रही थी लेकिन उनकी प्रवासी नीति भारत में एक बड़े वर्ग को चिंतित कर रही है। ट्रंप को लेकर पूरी दुनिया में एक डर है कि वो कब क्या करेंगे, किसी को पता नहीं है । उनकी नीति अमेरिका प्रथम की है, इसलिए उन्हें जो अमेरिका के हित में लगता है, वो उस काम को बिना किसी झिझक के करते हैं । ट्रंप अवैध प्रवासियों को अमेरिका के लिए बड़ा खतरा मानते हैं क्योंकि उनका मानना है कि ये लोग न केवल अमेरिका वासियों की नौकरियां खा रहे हैं बल्कि ये लोग देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं । डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए कटिबद्ध दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प जो पहला कानून लेकर आये हैं, उसका नाम लाकेन रिले एक्ट है । यह कानून अमेरिका के एक राज्य जॉर्जिया की एक 22 वर्षीय नर्सिंग स्टूडेंट लाकेन रिले के नाम पर बनाया गया है जो 22 फरवरी, 2024 को एक अवैध प्रवासी के हमले में मारी गई थी। इस हत्या के बाद अमेरिकी जनता में बहुत गुस्सा पैदा हो गया था जिसके कारण अमेरिकी अदालत ने उसके हत्यारे को बिना पैरोल के उम्रकैद की सजा सुनाई है। अमेरिका में यह धारणा पैदा हो गई है कि अवैध प्रवासी गलत तरीके से उनके देश में प्रवेश करते हैं और फिर उनको मारते हैं। यही कारण है कि इस कानून का समर्थन विपक्ष के कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस हत्या को अपना चुनावी मुद्दा भी बनाया हुआ था। वास्तव में हत्यारा अमेरिका में घुसपैठ के बाद पकड़ा गया था लेकिन अमेरिकी कानून के कारण उसे छोड़ दिया गया इसलिये यह कहा जा रहा है कि अगर उसे छोड़ा नहीं गया होता तो आज लाकेन रिले जिंदा होती । यह कानून कहता है कि अगर कोई अवैध प्रवासी किसी भी किस्म का जुर्म करता है तो उसे तत्काल गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया जाएगा । सिर्फ शिकायत के आधार पर ही अवैध प्रवासी को बिना मुकदमा चलाये जेल भेजने का अधिकार फेडरल पुलिस को दे दिया गया है। राज्य के कानून अधिकारी को यह अधिकार दिया गया है कि अगर फेडरल पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्यवाही नहीं करती है तो वो उसकी शिकायत कर सकता है। जो अवैध प्रवासी उनसे संबंधित देशों को भेजे जा रहे हैं, ये कानून उनसे अलग है। अवैध प्रवासियों को उनके मूल देशों को भेजना तो कार्यकारी आदेशों से भी हो रहा था लेकिन ये कानून उन अवैध प्रवासियों के लिए लाया गया है जिन्हें ट्रम्प वापिस नहीं भेजना चाहते । डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि अगर ऐसे अपराधियों को वापिस भेजा गया तो वो दोबारा अमेरिका में घुसकर उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं । ये कानून सामान्य अवैध प्रवासियों के लिए नहीं लाया गया है बल्कि ऐसे अवैध प्रवासियों के लिए लाया गया है जिनके खिलाफ गंभीर अपराधों में मामले दर्ज हैं । ऐसे प्रवासियों को उनके देश न भेजकर क्यूबा की ग्वांतानामो की बदनाम जेल में भेजा जाएगा । इस जेल को दुनिया की सबसे खतरनाक जेल माना जाता है। इस जेल में भेजे जाने वाले आरोपियों का जीवन नरक बनने वाला है क्योंकि ये जेल इसके लिए ही जानी जाती है । ऐसा लगता है कि अमेरिका इन लोगों को जीवन भर उसे नरक में सड़ने के लिए डालने वाला है ।सवाल उठता है कि जो अमेरिका पूरी दुनिया में लोकतंत्र का झंडा उठाकर घूमता है, वो बिना अपराध साबित हुए और बिना मुकदमा चलाये लोगों को ऐसी भयानक जेल में क्यों डालना चाहता है । इससे साबित होता है कि अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों के लिए लोकतांत्रिक सिद्धांतों को ताक पर रखने वाला है । अब उसे न तो लोकतंत्र की चिंता है और न ही मानवाधिकारों की चिंता है । 5 फरवरी को अमेरिकी वायुसेना का विमान 104 भारतीयों को लेकर अमृतसर में उतर चुका है, इसके अलावा 101 और भारतीय भी आने वाले हैं । अवैध प्रवासियों को कमर्शियल वायुसेवा की जगह हथकड़ियां लगाकर सैनिक विमान से भेजा गया है। ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप यह संदेश देना चाहते हैं कि यह अवैध प्रवासी उनके देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं इसलिये वो पांच गुणा ज्यादा खर्च करके सैनिक विमानों का इस्तेमाल कर रहे हैं। अजीब बात है कि लोकतंत्र और मानवाधिकारों की बात करने वाला अमेरिका अवैध प्रवासियों के साथ यह तमाशा कर रहा है । अवैध प्रवासियों पर काम करने वाली अमेरिकी एजेंसी ने 15 लाख अवैध प्रवासियों की एक लिस्ट बनाई है जिसमें 18000 भारतीय शामिल हैं । अमेरिका इन सभी अवैध प्रवासियों को भारत भेजने वाला है । अन्य देशों के अवैध प्रवासियों को भी भेजा जा रहा है । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत अवैध प्रवासियों को वापिस लेने को तैयार है । उन्होंने इस मुद्दे पर भारत का रुख स्थिर और सैद्धांतिक बताया है । उनका कहना है कि भारत अवैध प्रवासन का कड़ा विरोध करता है, यह देशों की छवि के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इससे अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है । अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में अवैध प्रवासियों में भारतीयों की संख्या 7 लाख से ज्यादा है । इसमें दो तरह के अवैध प्रवासी शामिल हैं, पहले वो जो बिना किसी दस्तावेज गलत तरीके से अमेरिका गए हैं, दूसरे वो हैं, जो वैध दस्तावेजों के साथ अमेरिका गए थे लेकिन वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद नागरिकता न मिलने पर अवैध प्रवासी बन चुके हैं । जो भारतीय वैध दस्तावेजों के तहत अमेरिका गये थे, उनको रियायत देने के लिए भारत सरकार अमेरिका से बात कर सकती है लेकिन जो गलत तरीके से गये हैं, उन्हें वापिस लेना भारत की मजबूरी होगी ।

जब भारत खुद सैद्धांतिक रूप से अवैध प्रवासियों के खिलाफ है तो वो ऐसे प्रवासियों को वापिस लेने से मना नहीं कर सकता । भारत अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की समस्या से जूझ रहा है । इसमें भारत के लिए भी संदेश छिपा है कि वो अपने राष्ट्र हितों को देखते हुए बिना किसी के दबाव में आये भारत में घुसपैठ करके आये हुए बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को देश से बाहर निकाले । देखा जाये तो ऐसी कार्यवाहियों पर शोर मचाने वाला अमेरिका खुद भारत को रास्ता दिखा रहा है । वैध या अवैध तरीके से गये प्रवासी भारतीय अमेरिका की जरूरत भी हैं लेकिन भारत को बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की कोई जरूरत नहीं है । वैसे देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप कोई नया काम नहीं कर रहे हैं बल्कि हर साल लगभग दो लाख अवैध प्रवासियों को अमेरिका उनके देश वापिस भेजता है । डोनाल्ड ट्रंप का अभियान बड़ा दिखाई दे रहा है क्योंकि वो इस समस्या से पूरी तरह छुटकारा पा लेना चाहते हैं । बराक ओबामा ने अपने कार्यकाल के दौरान हर साल दो लाख से ज्यादा अवैध प्रवासियों को स्वदेश भेजा था और डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने पिछले कार्यकाल में लगभग इतने ही लोगों को वापिस भेजा है । जो बाइडेन के कार्यकाल में लगभग एक लाख लोगों को हर साल वापिस भेजा गया है । डोनाल्ड ट्रंप की मुहिम से लगता है कि वो भारी संख्या में अवैध प्रवासियों को स्वदेश भेजने वाले हैं और इसमें लाखों की संख्या में भारतीय शामिल हो सकते हैं । भारत के लिए यह एक बड़ी समस्या बनने वाली है क्योंकि वैध या अवैध तरीके से गये युवा अमेरिका जाने के लिए 30-40 लाख रुपये खर्च करते हैं ।

कई युवाओं के परिवारों ने कर्ज लेकर उन्हें अमेरिका भेजा हुआ है । भारत सरकार इसके खिलाफ लगातार काम करती रही है लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं है । डंकी रूट से जाने पर कई लोग रास्ते में ही मर जाते हैं लेकिन अमेरिका जाने का फितूर इस कदर सवार है कि कई लाख भारतीय अवैध तरीकों से विदेश जा रहे हैं । अब लगता है कि ट्रंप की मुहिम के कारण ऐसे लोगों को समझ आयेगी और वो वैध तरीके से विदेश जाने की कोशिश करेंगे । ट्रंप ने अवैध प्रवासियों को काम देने वाली कंपनियों को सख्त चेतावनी दी है कि वो ऐसे लोगों को काम पर न रखें । इस चेतावनी के बाद अवैध प्रवासियों के लिए अमेरिका में रहना मुश्किल होने वाला है । अमेरिका वापिस भेजे या न भेजे, इन लोगों को अपने देश वापिस आना ही होगा अन्यथा उनके लिए वहां जीना मुश्किल हो जाएगा । विदेशों में काम करने के लिए जाना कोई गलत नहीं है लेकिन इसके लिए गलत तरीके अपनाना बेशक गलत है । आज डोनाल्ड ट्रंप अवैध प्रवासियों को अपने देश से निकाल रहे हैं, कल दूसरे देश भी ऐसा कर सकते हैं, इसलिए विदेश जाने वाले युवाओं को सोच समझ कर कदम उठाने की जरूरत है ।

वापसी का यह कौन सा तरीका?

ट्रंप के कार्यभार संभालने के बाद अमेरिका से गैरकानूनी भारतीय प्रवासियों को जिस तरह से वापस भेजा है, उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ट्रंप प्रशासन ने जानबूझकर वापसी के लिए सैन्य विमान का इस्तेमाल किया। विमान अमृतसर उतरा इसलिए नहीं कि सभी लोग पंजाब के थे। वास्तव में, ये लोग कम से कम पांच राज्यों से थे। 104 लोगों में 33 गुजरात से, 33 हरियाणा से, 30 पंजाब से और बाकी यूपी, महाराष्ट्र आदि राज्यों से थे। ज्यादातर लोग भारत के संपन्न राज्यों से हैं। ऐसे में सवाल है कि इनमें ही आखिर अमेरिका जाने की इतनी बेचैनी क्यों थी? डंकी रूट्स से जान जोखिम में डाल और तगडा पैसा खर्च करने के पीछे क्या वजह है? जाहिर है संपन्न राज्य पंजाब से कई लोग सिर्फ आर्थिक सुरक्षा के लिए डंकी रूट्स से नहीं जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया था कि उनकी सरकार रोजगार देकर 'रिवर्स माइग्रेशन' सुनिश्चित करेगी। ट्रंप की नीतियों ने कुछ और 'रिवर्स माइग्रेशन' को मजबूर किया है। पिछले एक दशक में व्यापारी परिवारों की युवा पीढ़ी कानूनी रूप से विदेश गई है। यह सिर्फ स्टूडेंट वीजा के ज़रिए 'ब्रेन ड्रेन' नहीं है, बल्कि उद्यमशीलता की भावना और पूंजी का भी पलायन है। कनाडा पंजाबियों का पसंदीदा देश है और स्टूडेंट वीजा सालों से पसंदीदा रास्ता रहा है, जैसे अमेरिका लंबे समय से गुजरातियों के लिए पसंद का देश रहा है। अवैध अप्रवासन पर नजर रखने वाली भारतीय एजेंसियों का अनुमान है कि अक्टूबर 2023 और सितंबर 2024 के बीच मेक्सिको और कनाडा के रास्ते अमेरिका में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़े गए 90,415 भारतीयों में से आधे गुजरात के थे। पिछले साल कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या सीमित कर दी, जिससे पंजाबियों को झटका लगा। अब, अमेरिका उन लोगों को वापस भेज रहा है जो अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं या जिनके दस्तावेजों की समय सीमा समाप्त हो गई है। अमृतसर पहुंचे 30 पंजाबियों में से 14 दोआब क्षेत्र के हैं, जो प्रवास का मूल केंद्र है। विभाजन के बाद, खेत कम और आर्थिक तंगी ने दोआब से पलायन को मजबूर किया। खासकर जालंधर, होशियारपुर और कपूरथला के लोग विदेश गए। 1950-60 के दशक में यूके उनका एक प्रमुख गंतव्य था। इससे एनआरआई नेटवर्क और दोआब में पैसे भेजने से प्रेरित विकास हुआ। 1980-90 के दशक की अशांति में सिख युवाओं ने बड़ी संख्या में पलायन किया। उन्होंने पुलिस द्वारा उत्पीड़न का हवाला देते हुए शरण मांगी। पिछले एक दशक में असली बदलाव शहरी पंजाब से प्रवास में आया है, जिसमें हिंदुओं का दबदबा है। देश से बाहर जाने वाले व्यावसायिक समुदायों और सफेदपोश पेशेवरों का एक चलन बन गया है। इसके अतिरिक्त, दलित समुदायों के आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति और पंजाब में अच्छी तरह से बसे अन्य राज्यों के प्रवासी भी पलायन का हिस्सा हैं। नौकरी की कमी और बेहतर भविष्य की आकांक्षा ने पलायन को बढ़ावा दिया है। ऐसे में अमेरिका के सैन्य विमान का आगमन अब तक का सबसे कठोर संदेश माना जा रहा है।

भारतीय संस्कार बनाम पश्चिमी जीवन शैली

संजीव ठाकुर

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरा वादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था । धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे-धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता,बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा,नवाब धीरे-धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए,और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे,तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रूचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था। पश्चिमी संस्कृति का वृहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकर्ताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकर्ताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धारणाओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा,बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरुआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन-सहन खानपान, वेशभूषा,विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे-धीरे भारतीय रहन-सहन रीति-रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया। ड्रेसिंग सेंस, खान पान,बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था।

देश के अंदर विभिन्न अलग-अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी।

नई योजना से किसान हो जाएगा धन-धान्य से पूर्ण

प्रियंका सौरभ

भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर बहुत अधिक निर्भर करती है लेकिन यह बाज़ार की अक्षमताओं, खंडित भूमि जोतों और ऋण तक सीमित पहुँच जैसी संरचनात्मक समस्याओं का सामना करती है। किसानों की वित्तीय स्थिरता को मज़बूत करने के लिए सबसे हालिया बजट में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण सीमा में वृद्धि जैसी पहल शामिल की गई थी। कृषि बाजारों में अक्षमताओं को दूर करने में की गई प्रगति की डिग्री उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह पहल टिकाऊ खेती के तरीकों और बेहतर खेती के तरीकों के माध्यम से कृषि उत्पादकता और जलवायु लचीलापन में सुधार करना चाहती है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों ने तुलनीय कार्यक्रमों के तहत लागू ड्रिप सिंचाई और एआई-संचालित मृदा विश्लेषण जैसी सटीक खेती के तरीकों की बदौलत उत्पादकता में वृद्धि देखी है।ऋण सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया गया है जिससे किसानों को उर्वरक, बीज और समकालीन कृषि उपकरणों पर ख़र्च करने के लिए अधिक पैसा मिल रहा है। उच्च ऋण सीमा ने पंजाब और हरियाणा के छोटे किसानों के लिए मशीनी उपकरण खरीदना संभव बना दिया है, जिससे उत्पादकता बढ़ी है और मैनुअल श्रम पर निर्भरता कम हुई है। बजट में कम उत्पादकता वाले 100 जिलों को लक्षित किया गया है और बेहतर सिंचाई प्रणाली, उच्च उपज वाले बीज और बेहतर भंडारण बुनियादी ढांचे सहित उपज और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र-विशिष्ट उपाय पेश किए गए हैं। सिंचाई और मृदा प्रबंधन में सुधार करके, गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में इसी तरह की जिला-केंद्रित रणनीति के परिणामस्वरूप कपास की उपज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उच्च उपज वाले बीजों पर राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य बीज की गुणवत्ता को बढ़ाना और अनियमित मौसम पैटर्न और मिट्टी की गिरावट के कारण होने वाली फ़सल की विफलताओं को कम करना है। हाल के वर्षों में, उत्तर प्रदेश ने जलवायु-लचीली गेहूँ की किस्मों को पेश करके तेज तापमान परिवर्तन के दौरान उपज के नुक़सान को कम किया है। बजट में प्रत्यक्ष सब्सिडी की तुलना में वित्तीय सहायता को अधिक प्राथमिकता दी गई है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किसानों को सामान्य सब्सिडी के बजाय फसल-विशिष्ट और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर अनुरूप सहायता मिले। डिजिटल सलाहकार सेवाओं और मृदा स्वास्थ्य निगरानी के माध्यम से धान किसानों के लिए लक्षित सहायता के परिणामस्वरूप तेलंगाना में फ़सल की पैदावार और बाज़ार की कीमतों में सुधार हुआ है। बेहतर सिंचाई और उच्च उपज वाले बीजों पर ध्यान केंद्रित करने से प्रति एकड़ उत्पादन में वृद्धि होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में वृद्धि होगी। एक तुलनीय कार्यक्रम के तहत, मध्य प्रदेश ने संकर मक्का किस्मों को अपनाया, जिससे तीन वर्षों में उत्पादन में वृद्धि हुई। छोटे और सीमांत किसानों को बड़ी ऋण राशि प्राप्त करने में सक्षम बनाकर, बढ़ी हुई केसीसी ऋण सीमा ने उन गैर-लाइसेंस प्राप्त साहूकारों पर उनकी निर्भरता को कम कर दिया है जो अत्यधिक ब्याज दरें लगाते हैं। किसानों को जल-कुशल और जलवायु-स्मार्ट खेती तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके, धन-धान्य कृषि योजना अनियमित मानसून और जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों को कम करती है।वर्षा में गिरावट के बावजूद राजस्थान के किसान सूखा-प्रतिरोधी बाजरा किस्मों को बढ़ावा देकर उत्पादन बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। बेहतर बुनियादी ढाँचा और ऋण तक आसान पहुँच किसानों को अत्याधुनिक तकनीक में निवेश करने की अनुमति देती है, जो फ़सल के बाद के नुक़सान को कम करती है और बाज़ार की कीमतों को बढ़ाती है। वित्तीय कठिनाइयों वाले जिलों में ऋण में सुधार और केंद्रित हस्तक्षेपों को लागू करने पर ज़ोर देने से वित्तीय कठिनाई कम होगी और कर्ज़ के बोझ से किसानों की आत्महत्या की संख्या कम होगी। महाराष्ट्र के विदर्भ में ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम ने किसानों को उनकी आय स्थिर करने में सहायता की, जिसके परिणामस्वरूप अंततः ऋण-सम्बंधी संकट के मामलों में कमी आई। केसीसी ऋण सीमा में वृद्धि के कारण किसानों को अधिक वित्तीय लचीलापन मिला है जिससे अनौपचारिक साहूकारों पर उनकी निर्भरता कम हो गई है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए, जो भारत की कृषि आबादी का लगभग 86% हिस्सा हैं, आधिकारिक ऋण प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। वे इस उपाय का उपयोग उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी और बीजों में निवेश को वित्तपोषित करने के लिए कर सकते हैं।धन-धान्य कृषि योजना जलवायु-लचीली खेती और उच्च उपज वाले बीजों को प्रोत्साहित करती है जो जलवायु परिवर्तन के सामने खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। सूखा-प्रतिरोधी और उच्च उपज वाले बीजों की उपलब्धता पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में उत्पादन को स्थिर कर सकती है जहाँ अप्रत्याशित मानसून पैदावार को प्रभावित करता है। अनावश्यक ख़र्च को कम करना और अधिक प्रभावी संसाधन आवंटन को बढ़ावा देना सामान्य सब्सिडी के बजाय लक्षित ऋण सहायता पर ध्यान केंद्रित करने का लक्ष्य है।

अत्यधिक उर्वरक सब्सिडी के विपरीत, जो इनपुट बाज़ार को विकृत करती है, पीएम-किसान के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण ने किसानों की आय सुरक्षा को बढ़ाया है। अधिक ऋण उपलब्ध होने से, किसान सिंचाई प्रणाली, भंडारण सुविधाएँ और आधुनिक उपकरण खरीद सकते हैं, जो कटाई के बाद के नुक़सान को कम करता है और उत्पादन को बढ़ाता है। सीमांत किसानों को सशक्त बनाकर, बढ़ी हुई वित्तीय सहायता उनके लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और बेहतर तकनीकों को अपनाना संभव बनाती है। ओडिशा में बाजरा मिशन जो छोटे किसानों को बाजरा उगाने में मदद करता है, इस बात का उदाहरण है कि कैसे लक्षित ऋण जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीली फसलों के उत्पादन को बढ़ा सकता है। किसानों के पास गारंटीकृत मूल्य निर्धारण तंत्र का अभाव है, जिससे वे बाज़ार के उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं, भले ही ऋण उपलब्धता में सुधार हुआ हो। 2023 में, कर्नाटक के टमाटर किसानों ने बम्पर फ़सल पैदा करने के बावजूद बहुत सारा पैसा खो दिया क्योंकि अधिक आपूर्ति के कारण कीमतें गिर गईं। कृषि में अकुशल आपूर्ति शृंखला और विपणन, जिसके कारण किसानों को अपनी उपज के लिए कम क़ीमत मिलती है, को केवल ऋण सहायता से ठीक नहीं किया जा सकता है। आय विविधीकरण को बढ़ाए बिना ऋण सीमा बढ़ाने से किसानों के ऋण चक्र में फंसने का जोखिम है, खासकर जलवायु झटकों के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में।

ताली और ताने: एक चौराहे की व्यंग्य सभा

डॉ. सुरेश मिश्रा

गाँव के चौराहे पर 'शहरी विकास योजना' की चर्चा के नाम पर एक भव्य सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्ष महोदय अपने फोल्डिंग कुर्सी पर विराजमान थे, जबकि बाकी जनता खड़े-खड़े ताली बजाने में व्यस्त थी। दोस्तों, अध्यक्ष ने माइक संभालते हुए कहा, हमारा गाँव अब विकास की ओर अग्रसर है। पीछे से किसी ने व्यंग्य में फुसफुसाया, हाँ, विकास की ओर तो जा रहे हैं, पर पैर में जूते कहाँ हैं? सभा में पहली पंक्ति में बैठे रामलाल, जो चाय की दुकान के मालिक थे, अपनी बहादुरी के किस्से सुनाने में व्यस्त थे। भाई, मैंने तो दिल्ली जाकर देखा, वहाँ की लड़कियाँ जीन्स पहनती हैं। हमारे गाँव में तो अब भी घूँघट में ही दुनिया बसी है। उनकी बात सुनकर सामने बैठा नत्थू हँस पड़ा, अरे भाई, दिल्ली की लड़कियाँ तो इतनी समझदार हैं कि अंग दिखाने और छिपाने दोनों में पारंगत हैं। तुम तो चाय बेचते रहो। चाय की दुकान पर दूसरा मुद्दा था, जानवरों के नाम पर होने वाले ताने। मुनिया ने बड़े गुस्से से कहा, अगर कोई मुझे कुत्ता कहे तो मैं उसे थप्पड़ मार दूँगी, लेकिन शेरनी कहे तो गर्व महसूस होगा। चमेली ने तुरंत जवाब दिया, अरे मुनिया, तू ये क्यों भूलती है कि शेरनी भी जानवर ही है? तारीफ चाहिए, सच्चाई से डर लगता है। दूसरी तरफ, ठाकुर साहब अपनी नई गाड़ी लेकर गाँव में घूम रहे थे। उनके हाथ में हीरे जड़ी अंगूठी चमक रही थी।

गाड़ी रोककर उन्होंने जेब से छोटा सा दर्पण निकाला और खुद को निहारने लगे। ठाकुर साहब, हीरा धारण किया है, फिर बार-बार दर्पण क्यों देखते हैं? रामलाल ने पूछ लिया। ठाकुर साहब हँसते हुए बोले, हीरा तो दूसरों को दिखाने के लिए है, लेकिन अपनी शक्ल देखने के लिए दर्पण चाहिए। शांता, जो शादी के बाद गाँव लौटी थी, अपनी सहेली से कह रही थी, पिता की गरीबी सह ली, पर पति की गरीबी बर्दाश्त नहीं होती। हर दिन उधार का रोना लेकर आते हैं। उसकी सहेली ने मुस्कुराते हुए कहा, बहन, यही तो हमारी संस्कृति है। शादी के बाद औरतों का अधिकार है कि पति की गरीबी पर व्यंग्य करें। सभा के पीछे एक शराब की दुकान पर लंबी लाइन लगी थी। वहीं पास में एक खंडहर पड़ा था, जहाँ कभी अस्पताल हुआ करता था। नत्थू ने रामलाल से कहा, अगर इस खंडहर को फिर से अस्पताल में बदल दिया जाए, तो गाँव का जीवन बदल जाएगा। रामलाल ने चाय का कप उठाते हुए कहा, तू सही कहता है। लेकिन लोग डॉक्टर को भगवान मानते हैं और शराब को दोस्त। दोस्त को कौन छोड़ता है? अध्यक्ष महोदय ने सभा के अंत में घोषणा की, हम गाँव में पाँच नई शराब की दुकानें खोलेंगे। जनता ने जोरदार तालियाँ बजाईं। पीछे से किसी ने चुटकी ली, और अस्पताल का क्या? अध्यक्ष ने मुस्कुराते हुए कहा, अस्पताल की जरूरत तभी पड़ती है, जब शराब नहीं होती।

बच्चों को दें संबल,मार्गदर्शन एवं आत्मविश्वास

डॉ घनश्याम 'बादल'

एक बार फिर से सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं सर पर हैं। हर साल फरवरी मार्च परीक्षाकाल बनकर आते हैं । परीक्षाओं का मतलब ही है साल भर में जो आपने पढ़ा, लिखा है उसका मूल्यांकन होता है । इस मूल्यांकन के आधार पर ही बच्चों का परिणाम घोषित किया जाता है और यह परिणाम बच्चों के करियर और जीवन दोनों को एक दिशा देता है । कहने को तो परीक्षा में केवल बच्चे शामिल होते हैं क्योंकि वे ही पढ़ते लिखते हैं और उनका ही मूल्यांकन किया जाता है लेकिन इसका दूसरा पहलू बहुत रोचक एवं महत्वपूर्ण है। दरअसल परीक्षा केवल परीक्षार्थीयों का ही नहीं वरन माता- पिता व शिक्षकों का भी कड़ा इम्तिहान लेती है आजकल । अतः आज ज़रूरत है कि अपने बच्चे की खातिर माता-पिता भी कुछ बातों का ध्यान रखें । अपने बच्चों के अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए कुछ बातों का खास ध्यान रखा जाना बहुत ज़रूरी है जिससे परीक्षाएं बच्चों के लिए एक हौव्वा बनकर न आए। समय पर दें पाठ्य सामग्री : माता-पिता का पहला फर्ज है बच्चों को समय पर कॉर्स की पुस्तकें, सहायक पुस्तकें, सैम्पल पेपर एवं अन्य सामग्री समय पर उपलब्ध कराएं। देरी का मतलब है अध्ययन में व्यवधान । आज का युग डिजिटल योग है इसलिए केवल पुस्तकों से काम नहीं चलता बल्कि उन्हें डिजिटल सामग्री भी उपलब्ध कराने में संकोच न करें और हां यदि आपके बच्चों पर शक है तो उन पर निगाह जरूर रखें क्योंकि डिजिटल सामग्री के बहाने बच्चे कई बार अधिक समय खराब कर देते हैं। हिम्मत बढ़ाएं, सकारात्मक बनेः जब बच्चों का परीक्षा काल चल रहा होता है तो वह अंडर स्ट्रेस आ जाते हैं यानी उनके मन पर परीक्षा का एक दबाव हावी हो जाता है और इसमें और भी बढ़ोतरी कर देते हैं मां बाप के सपने एवं उनकी बार-बार की टोकाटाकी तथा नकारात्मक टिप्पणियां ,इसलिए बेहतर हो कि बच्चों के साथ मधुर व्यवहार करें, समय-समय पर उसकी हिम्मत बढ़ाएं और सकारात्मक व मजबूत पक्षों से परिचित कराएं । कमियों पर लताड़ने की बजाय आगे बढ़कर उसकी मदद करें। मदद करें :परीक्षा के समय उसे घर के कामों में न उलझाएं बल्कि पढ़ने का पूरा मौका दें। यदि आपकी किसी विषय या टॉपिक विशेष कर खास पकड़ है तो बच्चे को ज़रूरत के अनुसार मदद दें। वक्त-वक्त पर उसके नोट्स आदि पर नज़र डालें । और बजाय उसे किताबों या नोट्स से रटने के यदि हो सके तो मनोरंजक तरीके से या एक्टिविटी मेथड से सीखने में मदद करें। उसकी विशेषताओं को सराहें। फैसिलिटेट करें बच्चे के बैठने,पढ़ने, उचित प्रकाश तथा खाने-पीने और मनोरंजन का भी ध्यान रखें। यदि ट्यूशन की जरूरत हो तो उसकी भी व्यवस्था करें। अच्छा हो-ट्यूटर ही घर पर आएं ट्यूटर का चुनाव उसके ज्ञान, योग्यता एवं बच्चे की जरूरत के अनुसार किया जाना चाहिए। समय-समय पर ट्यूटर से बात करके बच्चे की प्रगति की जानकारी लेते रहें। खान पान का ध्यान रखें :परीक्षा का मतलब सजा नहीं है अतः बच्चे को स्कूल या घर के कमरे में ही कैद करके न रखें । उसकी सेहत व दिमाग की ताज़गी के लिए सुबह शाम घूमने दे या स्वयं घुमाने ले जाएं । मनोरंजन एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उसे थोड़े समय के लिए हल्के-फुल्के खेल भी खेलने दें। उसे पौष्टिक एवं सुपाच्य भोजन दें । अधिक से अधिक तरल पदार्थ जैसे दूध लस्सी जूस एवं नारियल पानी आदिउपलब्ध करवाएं तथा इस बात का भी ध्यान रखें कि बच्चा न तो भूखा रहे और न ही अत्यधिक खाए। अधिक खा लेने पर उसे आलस्य एवं नींद सताएगी । बाजार के चटपटे मसालेदार भोजन जैसे फास्ट फूड एवं नूडल्स आदि से दूर रखें । फल एवं ड्राई फ्रूट्स जरूर दें।

टाइम मैनेजमेंट और कॉन्फिडेंस : बच्चे के सोने का समय निश्चित करें और उसे प्रेरित करें कि नियत समय से पहले ही वह अपना निर्धारित अध्ययन कार्य पूरा कर ले। जैसे-जैसे परीक्षा निकट आए, वैसे-वैसे उसे लक्ष्य केन्द्रित बिंदुवार अध्ययन को प्रेरित करें व प्रश्न के निर्धारित अंक भार के अनुसार समय विभाजन करना सिखाएं। सबसे महत्वपूर्ण है बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएं, निराशा से बचाएं । प्रेशर नहीं बनाएं : बात-बात पर बच्चों को झिड़के नहीं , मार पीट तो कतई नहीं। उस पर अधिकतम अंक लाने का तनाव न लादें, दबाव न बनाएं। याद रहे हर बच्चे की अपना क्षमता है। उस पर दिन-रात रटने-पढ़ने का दबाव न डालें। उसे दिन-रात परीक्षा की भयावहता के भाषण न दें। एक परीक्षा के आधार पर उसे 'डू' और 'डाई की तरफ कदापि न ले जाएं। प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाएं:आज परीक्षा परिणाम बच्चों ही नहीं मां-बाप की भी प्रतिष्ठा का पैमाना भी बन गई है, अपनी प्रतिष्ठा और बच्चे के भविष्य तथा सपनों की पूर्ति के लिए थोड़ा सा समय, प्रेरणा, उत्साहवर्द्धन और मार्गदर्शन अपने बच्चे को दीजिए और फिर देखिए किस आसानी से वह परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण करता है।

रातों-रात बदल सकती है किस्मत...

अगर कुंडली में दिख रहा है ये संकेत

कई जातक की कुंडली में शुभ योग बनता है तो प्रभाव भी जातक के ऊपर सकारात्मक होता है। तो कई जातक के कुंडली में अशुभ योग बनता है तो प्रभाव भी नकारात्मक होता है।

वहीं एक ऐसा योग है जो कुंडली में बनने से व्यक्ति रातों-रात धनवान हो सकता है। साथ ही कुंडली में बनने वाले उस राजयोग से जातक को भौतिक सुख के साथ-साथ सत्ता सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। हम बात कर रहे हैं लक्ष्मीराजयोग की। इस राजयोग से व्यक्ति कंगाल से अमीर बन जाता है।

क्या कहते है ज्योतिषाचार्य

कुंडली मे कई शुभ और अशुभ योग बनता है। कई शुभ योग मे से एक है गजलक्ष्मी राजयोग। यह योग जब व्यक्ति के कुंडली मे बनता है, तो व्यक्ति की किस्मत बदल जाती है। जब कुंडली मे देव गुरु वृहस्पति और ऐश्वर्या के कारक शुक्र आमने-सामने हो या एक दूसरे के केंद्र के भाव में हो। इसके साथ ही जातक के कुंडली के पहले चौथे, सातवें या दशवें भाव में हो तो जातक के कुंडली मे गजलक्ष्मी राजयोग बनता है।

कुंडली मे गजलक्ष्मी बनने के फायदे

जब किसी व्यक्ति के कुंडली में लक्ष्मी राजयोग का निर्माण होता है तो व्यक्ति के जीवन मे सकरात्मक प्रभाव दिखने लगता है। व्यक्ति के पास काफी जमीन-जायदाद हो जाते हैं। व्यक्ति सामाजिक जीवन में पद प्रतिष्ठा वाले हो जाते हैं। भौतिक सुख के साथ सत्ता सुख की भी प्राप्ति हो जाती है। व्यक्ति कंगाल से धनवान हो जाता है।

जब इंद्र के श्राप से मृत्युलोक पहुंच गई नृत्यांगना

माघ शुक्ल एकादशी तिथि को जया एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस साल यह व्रत 8 फरवरी को रखा जाएगा। ऐसी मान्यताएं हैं कि जया एकादशी के दिन श्री हरि विष्णु की विधिवत पूजा से पिशाच योनि का भय खत्म हो जाता है। साथ ही, ब्रह्महत्या के पाप से भी मुक्ति मिल जाती है। जया एकादशी पर व्रत-पूजन से मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। आइए आज आपको इस व्रत की पौराणिक कथा बताते हैं।

जया एकादशी की तिथि

माघ शुक्ल एकादशी तिथि 7 फरवरी रात 9 बजकर 26 मिनट से शुरू होगी और 8 फरवरी रात 8 बजकर 15 मिनट पर इसका समापन होगा। इसलिए यह व्रत 8 फरवरी को रखा जाएगा। वहीं व्रत का पारण 9 फरवरी की सुबह किया जाएगा।

जया एकादशी की व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में नंदन वन में उत्सव मनाया जा रहा था। इसमें सभी देवी-देवता व ऋषि-मुनि आए थे। संगीत व नृत्य से पूरे नगर में खुशियां बिखरी थीं। वहां माल्यवान नाम का एक गंधर्व गायक और पुष्यवती नाम की एक नृत्यांगना नृत्य कर रही थी। इस दौरान दोनों एक-दूसरे पर मोहित हो गए और अपनी मर्यादा भूल गए। इस कारण उत्सव फीका पड़ने लगा। यह देख इंद्र देव क्रोधित हो गए और उन्होंने दोनों को स्वर्ग लोक से निकालकर मृत्यु लोक यानी पृथ्वी पर जाने का श्राप दे दिया।

बाद में दोनों को अपनी भूल का एहसास हुआ। वे अपने पिशाच जीवन से मुक्ति पाना चाहते थे। संयोगवश एक बार माघ शुक्ल की एकादशी पर दोनों भूखे पेट पीपल के पेड़ के नीचे बैठे रहे। रातभर अपनी गलती का पश्चाताप करते रहे। आगे गलती न दोहराने का प्रण भी लिया। कहते हैं कि सूर्योदय होते ही उन्हें पिशाची जीवन से मुक्ति मिल गई। तब उन्हें मालूम नहीं था कि उस दिन जया एकादशी भी है। जाने-अनजाने में उन्होंने जया एकादशी का व्रत कर लिया। फलस्वरूप भगवान विष्णु की कृपा से दोनों को पिशाच योनि से मुक्त मिल गई और वो पुनः मृत्युलोक से स्वर्ग लोक पहुंच गए।

जीवन में संतुलन और एकाग्रता हो तो काम के साथ-साथ भक्ति भी कर सकते हैं

संत कबीर काम करते-करते अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। कपड़ा बुनने और उपदेश देने के साथ ही वे भगवान का ध्यान भी कर लिया करते थे। वे दिनभर सभी काम बहुत संतुलित ढंग से करते थे।

एक व्यक्ति ने कबीरदास की दिनचर्या को बहुत ध्यान से कई दिनों तक देखा। एक दिन उसने कबीर जी से पूछा कि मैं कई दिनों से आपको देख रहा हूं, आप परमात्मा की भक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं, आप दिनभर कपड़े बुनते रहते हैं, लोगों को उपदेश भी देते हैं, इतना व्यस्त रहने के बाद भी आप भक्ति कब करते हैं।

कबीरदास ने उस व्यक्ति की बातें ध्यान से सुनीं। कबीर लोगों के प्रश्नों का उत्तर उदाहरण के साथ दिया करते थे। उन्होंने उस व्यक्ति से कहा कि मैं तुम्हारे प्रश्न का उत्तर दूंगा, लेकिन पहले चलो आगे चौराहे तक थोड़ा घूम आते हैं।

कबीर जी की बात उस व्यक्ति ने मान ली और दोनों साथ चल दिए। रास्ते में कबीर जी को एक महिला दिखाई दी, उस महिला ने सिर पर पानी से भरा घड़ा रखा हुआ था।

वह महिला गीत गाते हुए चल रही थी, लेकिन उसने घड़े को पकड़ा नहीं था, घड़ा सिर पर स्थिर था, वह हिल भी नहीं रहा था, इसलिए घड़े का पानी भी छलक नहीं रहा था।

कबीर जी ने उस व्यक्ति से कहा कि इस महिला को देख रहे हो? ये अपने गीत गाते हुए पानी लेकर जा रही है। इसका ध्यान अपने घड़े पर भी है, अपने गाने पर भी है और रास्ते पर भी है। बस ठीक इसी तरह मैं भी अपने सभी काम करता हूं। हर पल मेरा मन परमात्मा की भक्ति में भी लगा रहता है और मैं अन्य काम भी करते रहता हूं।

कबीर की सीख

संत कबीर की बातें सुनकर उस व्यक्ति को समझ आ गया कि जीवन में संतुलन होना बहुत जरूरी है।

कबीर ने उस व्यक्ति को आगे समझाया कि हमें जीविका चलाने के लिए काम करने की जरूरत है, लेकिन इसके साथ ही हमारा मन भक्ति में भी लगे रहना चाहिए। परमात्मा का ध्यान करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा और विपरीत समय में भी हम विचलित नहीं होंगे, भक्ति हमें कर्म करने की शक्ति देती है।

टूटी चूड़ियां फेंकने से महिलाएं हो सकती हैं परेशान!

सुहागन स्त्री टूटी हुई चूड़ी का क्या करें

महिलाएं सनातन धर्म में अपने पति की लंबी उम्र की कामना हमेशा करती है। कोई व्रत रखकर, त्यौहार मना कर तो कोई अपने मांग में सिंदूर लगाकर, हाथों में चूड़ियां और मंगलसूत्र पहनकर अपने सुहाग की रक्षा करती है। शास्त्रों नें लिखा गया है नारी सदैव ही पूज्यनीय होती है। उन्ही सोलह श्रंगार में से कांच की चूड़ी भी एक होती है। काम करते वक्त या सोने के लिए जाते हैं तो उनके हाथों की चूड़ियां अक्सर टूट जाती है। कांच का टूटना हमारे सनातन धर्म में अशुभता का संकेत हमें प्रदान करता है।

नहीं फेकनी चाहिए टूटी चूड़ी : चूड़ी पहनना महिलाओं के लिए सिर्फ फैशन ही नहीं बल्कि हिंदू महिलाओं में इसे बहुत पवित्र श्रृंगार माना जाता है। हिंदू महिलाओं को विवाह के पश्चात चूड़ी नित्य रूप से पहनने की सलाह दी जाती है। सुहागिन महिलाओं ने यदि हाथ में चूड़ियां पहन रखी है और गलती से या किसी भी कारण कोई भी चूड़ी टूट जाती है अथवा चटक जाती है तो इस बात का सदैव ही ध्यान रखना चाहिए उस चूड़ी को ऐसे ही नहीं फेकना चाहिए। चूड़ी बहुत ही पवित्र श्रृंगार माना जाता है। यदि आपकी चूड़ी टूट गई है तो उसको उठाकर किसी लाल कपड़े में रखकर किसी भी पीपल के पेड़ अथवा किसी भी पेड़ की जड़ में गाढ़ आना चाहिए। क्योंकि टूटी हुई चूड़ी से अक्सर लोग तांत्रिक प्रयोग भी करते हैं तो ऐसे में यदि आपकी चूड़ी पर कोई तांत्रिक प्रयोग करेगा तो आप और आपके पति पर उसके प्रभाव देखने को मिलेंगे।

चूड़ी और सेहत का सम्बन्ध : जिन महिलाओं की हाथों में चूड़ियां होती हैं वह खूबसूरत तो लगते ही है बल्कि उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है चूड़ी से निकलने वाली खान खान की आवाज के वाइब्रेशन से उनके सारी रिकॉर्ड मानसिकता का विकास होता है। यदि महिलाएं बिना चूड़ी के रहती है तो उनकी सेहत खराब रह सकती है। ज्योतिष के मुताबिक, हाथ में पहनी चूड़ी टूटने या चटकने पर उसे कूड़े में नहीं फेंकना चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। टूटी चूड़ी को किसी पेड़ के नीचे गाड़ देना चाहिए। इससे सुहाग की वस्तु का अपमान नहीं होता।

टूटी चूड़ी से जुड़ी कुछ और बातें: अगर किसी अविवाहित लड़की या महिला की चूड़ी टूट जाए, तो उसे फेंकने में कोई दिक्कत नहीं है। टूटी चूड़ियों को फेंकने के बजाय, उन्हें लाल कपड़े में रखकर किसी पेड़ के नीचे गाड़ देना चाहिए। ऐसा करने से टूटी हुई चूड़ी का कोई दुष्प्रभाव सुहाग पर नहीं पड़ता। टूटी चूड़ियों को गाड़ने से तांत्रिक प्रयोगों से भी बचा जा सकता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, चूड़ियों को बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि विशेष दिन पर चूड़ी पहनने का महत्व है।

जया एकादशी का व्रत करने से मिलता है ये विशेष फल

हिंदू कैलेंडर के अनुसार एक साल में 24 एकादशी होती हैं। एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की कृपा सदैव बनी रहती है। धार्मिक ग्रंथो के अनुसार एकादशी का व्रत विधि विधान से करने पर सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने के साथ अनेकों लाभ मिलते हैं। हर एकादशी का अपना अलग-अलग महत्व होता है। किसी एकादशी के व्रत को करने से जीवन में आईं समस्याएं खत्म होती हैं तो किसी एकादशी पर पुत्र प्राप्ति के योग बनते हैं।

माघ मास शुक्ल पक्ष की एकादशी का व्रत विधि विधान से करने पर विशेष लाभ होता है। इस एकादशी का व्रत करने से जीवन में आईं

सभी समस्याएं खत्म होने के साथ मरने के बाद सद्गति मिलती है जिससे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

ये माह भगवान शिव को समर्पित

माघ मास शुक्ल पक्ष की जया एकादशी का महत्व ज्योतिषी बताते हैं कि माघ मास भगवान शिव को समर्पित होता है और इस माह में जया एकादशी का व्रत करने से भगवान शिव के साथ विष्णु भगवान की भी कृपा होती है।

इस दिन है जया एकादशी

8 फरवरी 2025 को जया एकादशी का व्रत किया जाएगा। 7 फरवरी की रात 9:27 से एकादशी तिथि शुरू हो जाएगी जो 8 फरवरी की रात 8:15 तक रहेगी। उदया तिथि 8 फरवरी होने से यह व्रत 8 फरवरी को ही किया जाएगा। व्रत के दौरान चावल या चावल से बनी कोई भी खाद्य वस्तु ग्रहण करना पूर्ण रूप से वर्जित होता है। साथ ही विष्णु भगवान के स्त्रोत, मंत्र आदि का पाठ और जाप करने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है।

वो दो उधमी वानर, जो थे समुद्र पर बने रामसेतु के इंजीनियर

लगाए ऐसे पत्थर जो डूबते नहीं थे पानी में

भगवान राम जब अपनी वानर सेना लेकर लंका पर चढ़ाई करने वाले थे तो रास्ते में एक समुद्र आ गया। लंबा चौड़ा समुद्र। अब ये समस्या थी कि रावण के खिलाफ लड़ाई के लिए राम की ये विशाल सेना कैसे लंका पहुंचे। तब वानर सेना के दो उधमी वानर उनके काम आए। वह उनकी सेना के इंजीनियर बने। कैसे उन्होंने समुद्र के ऊपर ऐसा रास्ता तैयार कर डाला, जो पत्थरों से बना हुआ था। जिसके पत्थर पानी में डूबते ही नहीं थे।

दरअसल दो उधमी वानरों को ऋषि मुनियों द्वारा दिया गया एक शाप आगे जाकर वरदान बन गया। इसी के जरिए उन्होंने वो पुल बना दिया, जिस पर चढ़कर राम की सेना समुद्र पार करके लंका पहुंच सकी। वहां उन्होंने रावण की सेना को हराया। अगर ये दो नटखट वानर नहीं होते तो राम की सेना के लिए लंका तक पहुंचना मुश्किल हो जाता। क्या आपको मालूम है कि ये दोनों बंदर कौन थे और राम के संकटमोचक इंजीनियर बन गए। फिर वो क्यों ऐसा बड़ा निर्माण क्यों नहीं कर पाए।

वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता। नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे। उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था। राम की वानर सेना का जब रावण की हार के बाद युद्ध खत्म हुआ तो उन दोनों ने क्या किया। ये पुल कई किलोमीटर का था। तब इंजीनियरिंग की पढ़ाई नहीं होती थी। तब नल और नील जैसे दो वानरों ने ऐसा कैसे कर लिया। वैसे इन वानरों का पिता विश्वकर्मा को माना गया, जिन्हें देवताओं का वास्तुविद् और भवन निर्माण का विशेषज्ञ माना जाता था।

कौन थे नल और नील

दोनों वानर यानि नल और नील कौन थे। हिंदू महाकाव्य रामायण में, नील को नीला भी कहा गया है। वह राम की सेना में एक वानर सरदार थे। वह राजा सुग्रीव के अधीन वानर सेना के प्रधान सेनापति थे। श्रीराम ने जो युद्ध रावण के खिलाफ लड़ा। उसमें नील सेना का नेतृत्व कर रहे थे।

राम क्यों हो गए थे समुद्र से नाराज

वाल्मीकि रामायण में कहा गया है कि जब श्रीराम समुद्र से रास्ता देने का अनुरोध करते हैं। तो समुद्र की कोई

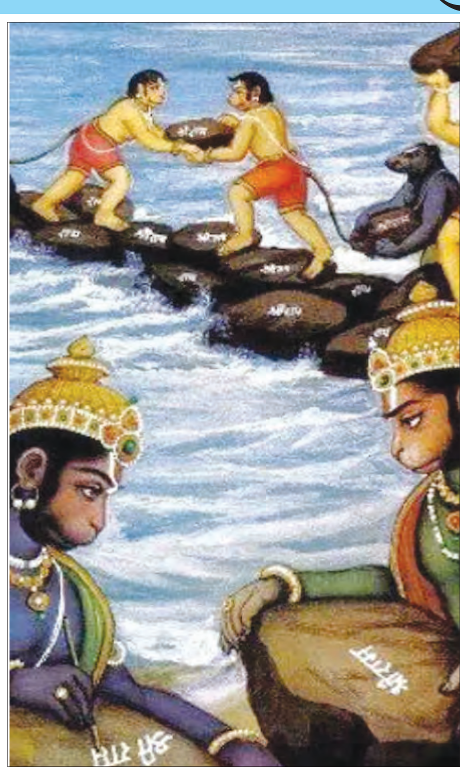

प्रतिक्रिया नहीं होती। राम हो जाते हैं। नाराज होकर समुद्र पर वाण वर्षा करते हैं। ये सूखने लगता है। तब वरुण सामने आकर कहते हैं कि आपकी सेना में दो ऐसे वानर हैं, पुल बना सकते हैं। वो इस कला में एक्सपर्ट हैं। वो अगर समुद्र पर पत्थर रखेंगे तो ये डूबेगा नहीं।

कैसे फिर नल और नील पुल बनाते हैं

नल और नील विश्वकर्मा के पुत्र होने के कारण वास्तुकार की विशेषता रखते थे। इसके बाद फिर पुल का निर्माण शुरू होता है। वानर सेना नल और नील को पत्थर देती जाती है। जिस पर श्रीराम का नाम लिखा जाता है। ये पत्थर समुद्र में डूबते नहीं। दोनों भाई तेजी से लंका तक एक पुल का निर्माण करते हैं। इस पुल को बनाने में पत्थरों के साथ भारी वृक्षों की लकड़ियों का भी इस्तेमाल होता है।

30 मील का पुल 5 दिनों में बना

नल और नील 05 दिनों में 30 मील यानि दस योजन का पुल पूरा कर देते हैं। राम और उनकी पूरी सेना इसी से लंका पहुंचती है। फिर युद्ध को जीतने के बाद इसी से वापस लौटती है। हालांकि रामायण के कुछ संस्करणों में इसका मुख्य श्रेय नल को दिया गया है और नील को मुख्य सहायक बताया गया है। लेकिन कुछ रामायणों में कहा गया है कि दोनों भाई मिलकर ये पुल तैयार कर डालते हैं।**(जारी)**

फिर से तीनों खान का दिखा प्यार, एक दूसरे को लगाया गले, फैंस ने दी शानदार प्रतिक्रियाएं

बहुत कम ही मौके होते हैं, जब शाहरूख खान, सलमान खान और आमिर खान को उनके फैंस कहीं एक साथ देख पाते हैं। इससे पहले ये तीनों खान अंबानी के घर पर हो रही शादी में एक साथ मंच पर डांस करते हुए दिखे थे।

इस वजह से साथ आए तीनों खान

7 फरवरी को आमिर खान के बेटे जुनैद खान और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर की पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म आ रही है, जिसका नाम 'लवयापा' है। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए ये तीनों खान एक जगह पर पहुंचे, जहां उन्होंने आमिर खान के बेटे जुनैद का उत्साहवर्धन किया। शाहरुख खान गाड़ी से उतरते ही आमिर खान को गले लगते हुए दिखते हैं, वहीं सलमान खान भी आमिर खान के साथ फोटो खिंचाते दिख रहे हैं। हालांकि ये तीनों खान किसी भी पल एक साथ नहीं दिखे।

सोशल मीडिया पर छा गए तीनों खान, आए शानदार कमेंट्स

तीनों खान के एक जगह पहुंचते ही सोशल मीडिया पर इन तीनों की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने लगते हैं। इसपर लोगों की कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलती हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर ने आमिर और सलमान का वीडियो पोस्ट किया तो उसपर एक यूजर कमेंट करता है, अमर-प्रेम, वहीं एक अन्य यूजर लिखता है, एक सलमान भाई हैं, जिनसे हर कोई रिश्ता बना कर रखता है।

आमिर खान और शाहरूख खान के वीडियो पर भी लोग प्रतिक्रियाएं देते हैं, जहां एक यूजर लिखता है, बहुत समय बाद इन दोनों को एक साथ देखा, वहीं एक अन्य यूजर मजाक में लिखता हैं, हम अब बुड्ढे होने चले।

दादा साहब फाल्के अवॉर्ड को बेचने का धंधा करने वाले अनिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज, बेटे पर भी कसा शिकंजा

अनिल मिश्रा और उनके बेटे अभिषेक मिश्रा पर फिल्म जगत में पितामह धुंडिराज गोविंद फाल्के उर्फ दादा साहब फाल्के के नाम पर पुरस्कार का गोरखधंधा करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मामले में बांद्रा पुलिस ने अनिल मिश्रा और अभिषेक मिश्रा पर एफआईआर दर्ज कर ली है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि अनिल मिश्रा की पत्नी पार्वती मिश्रा और बेटी श्वेता मिश्रा भी इस मामले में आरोपी बन सकते हैं।

इन धाराओं के तहत केस दर्ज

रिपोर्ट्स के अनुसार, बांद्रा पुलिस ने 5 फरवरी 2025 को अनिल और अभिषेक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस-2023) की धारा 318 (4) तथा 319 (2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। यह केस भारतीय जनता पार्टी की चित्रपट आघाड़ी यूनिट के प्रदेशाध्यक्ष समीर दीक्षित ने कराई है।

ऐसे शुरू किया अवॉर्ड बेचने का धंधा

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले अनिल मिश्रा पहले फिल्म निर्देशक अनिल शर्मा के स्पॉट बॉय थे। वह फिलहाल मालाड में रहते हैं। अनिल ने बाद में दादासाहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड नाम से संस्था बनाई और फिल्म कलाकारों को अवॉर्ड बेचने लगे। ऐसे में फ्लॉप फिल्म, फ्लॉप एक्टर को भी बेस्ट फिल्म और बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड बेचा जाने लगा। कथित तौर पर इस अवॉर्ड की खरीद-फरोख्त से अच्छी कमाई होने लगी। सरकारी और अर्द्ध सरकारी संस्थानों से स्पॉन्सरशिप के नाम पर करोड़ों रुपये आने लगे।

रजिस्टर्ड नहीं है संस्था

दरअसल, अनिल मिश्रा की संस्था दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड रजिस्टर्ड नहीं है। शब्दों को बदलकर इसका तीन बार रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए अर्जी दी गई, लेकिन सरकार ने अर्जी रिजेक्ट कर दी। वहीं, अनिल की केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की सदस्यता भी समाप्त हो गई।

धोखे से ली शो की परमिशन

रिपोर्ट्स के अनुसार, 20 फरवरी को अनिल ने बांद्रा के फाइव स्टार होटल ताज में लैंड्स इंड में अवॉर्ड शो रखा है, लेकिन जिस कंपनी(इंटरनेशनल टूरिज्म फेस्टिवल प्राइवेट लिमिटेड) के नाम से अनिल ने शो की परमिशन ली, उसे अनिल ने खुद बंद कर दिया है। ऐसे में बांद्रा पुलिस को धोखे में रखकर अनिल ने शो की परमिशन ली है। वहीं, अब उनपर केस दर्ज हो चुका है, जिसके बाद अब पुलिस शो के लिए दी गई परमिशन रद्द कर सकती है।

स्टैंडअप कॉमेडियन पर हमले के मामले में 12 लोगों पर मामला दर्ज, वीर पहाड़िया का उड़ाया था मजाक

हाल ही में महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणित मोरे ने 'स्काई फोर्स' के अभिनेता वीर पहाड़िया पर जोक किया, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी पिटाई कर दी थी। इस मामले के बाद अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए माफी भी मांगी थी। कथित तौर पर कॉमेडियन पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते वीर पहाड़िया हाल ही में रिलीज हुई एक्शन ड्रामा फिल्म 'स्काई फोर्स' में नजर आए हैं।

शिकायत दर्ज कराने नहीं पहुंचे मोरे

एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पोस्ट के बाद सोलापुर पुलिस ने मोरे को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था, लेकिन वह नहीं आए। बाद में पुलिस ने उस रेस्तरां के मालिक की शिकायत पर मामला दर्ज किया, जहां मोरे ने प्रस्तुति दी थी।

10 से 12 लोगों ने किया था हमला

इस मामले में पुलिस शिकायत के अनुसार, रविवार को प्रणित मोरे के शो के बाद वीर पहाड़िया पर किए गए उनके जोक से कुछ लोग नाराज हो गए। नाराजगी के चलते 10 से 12 लोगों ने कॉमेडियन पर हमला कर दिया। इस मामले पर एक्शन लेते हुए अब पुलिस ने 10 से 12 लोगों पर मामला दर्ज किया है।

प्रणित ने सोशल मीडिया पर दी थी जानकारी

मोरे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उनके साथ हुए कथित हमले के बारे में जानकारी साझा की थी। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिए गए बयान में कहा कि शो के बाद वे हमेशा की तरह अपने फैंस के साथ सेल्फी ले रहे थे।

जब भीड़ कम हो गई तो इस दौरान 11-12 आदमी आए, उन्होंने खुद को फैन बताया लेकिन वे उन्हें मारने के इरादे से आए थे। उन्होंने बुरी तरह लात घूसों से कॉमेडियन की पिटाई की और उन्हें घायल हालत में छोड़ कर चले गए।

रेखा ने राजकुमार संतोषी के छुए पैर , 70 साल की एक्ट्रेस का अंदाज देख दिल हार बैठे फैंस

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की 'लवयापा' की स्क्रीनिंग में रेखा छा गईं। 70 साल की रेखा ने जब झुककर खुद से छोटे राजकुमार संतोषी के पैर छुए तो सब देखते रह गए। यही नहीं, रेखा ने आमिर खान को आदाब किया और गले मिलीं। उनके अंदाज ने फैंस का भी दिल जीत लिया।

बीते जमाने की मशहूर एक्ट्रेस रेखा जहां भी जाती हैं, महफिल लूट ले जाती हैं। आमिर खान के बेटे जुनैद की फिल्म 'लवयापा' की स्पेशल स्क्रीनिंग में भी ऐसा ही हुआ। जुनैद और खुशी कपूर स्टारर इस फिल्म के लिए आमिर ने लगभग पूरे बॉलीवुड को बुलाया था। डायरेक्टर राजकुमार संतोषी से लेकर 'ही मैन' धर्मेंद्र तक पहुंचे। लेकिन जब रेखा ने एंट्री की, तो हर कोई देखता रह गया। और रेखा ने आते ही जो किया, उसने सबका दिल जीत लिया।

रेखा ने कार से उतरते ही अंदर एंट्री ली और आमिर को देखते ही जहां आदाब किया और गले मिलीं, वहीं उन्होंने राजकुमार संतोषी के पैर छूए। राजकुमार संतोषी भले ही उम्र में रेखा से छोटे हैं, पर यह एक्ट्रेस का राजकुमार संतोषी के सिनेमा में योगदान के प्रति एक ट्रिब्यूट जैसा था। 'लवयापा' की स्क्रीनिंग से रेखा के कई वीडियोज सामने आए हैं, जिन पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक वीडियो में रेखा जहां राजकुमार संतोषी के पैर छूती नजर आ रही हैं, तो दूसरे वीडियो में वह धर्मेंद्र से बात करती नजर आ रही हैं। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और अच्छी दोस्ती रही है।

रेखा बाद में आमिर की बेटी आइरा खान और दामाद नूपुर शिखरे से भी मिलीं। रेखा के साथ उनकी मैनेजर फरजाना भी थीं। इस दौरान रेखा की मांग में लगे सिंदूर ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। पर जिस तरह रेखा ने राजकुमार संतोषी के पैर छुए, उसने फैंस का दिल जीत लिया और वो एक्ट्रेस के संस्कारों और डाउन टू अर्थ नेचर की तारीफ करने लगे।

'लवयापा' की बात करें, तो यह 14 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म को अद्वैत चंदन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म के ट्रेलर को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था और अब देखना यह होगा कि जुनैद और खुशी की इस फिल्म को दर्शक कैसा रिस्पॉन्स देते हैं।

'लाइगर' में काम करने से पहले अनन्या पांडे को था यह संदेह, पिता चंकी पांडे ने साझा की वजह

जल्द ही चंकी पांडे फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे। एक हालिया दिए इंटरव्यू में चंकी पांडे ने अपनी बेटी अनन्या के एक्टिंग करियर को लेकर भी बात की। इसी इंटरव्यू में चंकी पांडे ने बताया कि जब अनन्या को फिल्म 'लाइगर' ऑफर हुई थी तो वह डाउट में थी कि यह फिल्म करे या ना करे?

अनन्या ने चंकी से बात की

चंकी पांडे हालिया इंटरव्यू में बताते हैं कि अनन्या फिल्म 'लाइगर' को करने से पहले उनके पास आई थी। उसने पूछा था कि पापा मैं इस फिल्म को करने के लिए काफी यंग हूं। वह जानना चाहती थी कि क्या इस फिल्म का करना चाहिए या नहीं? तब चंकी ने जवाब दिया था कि बड़ी कमर्शियल फिल्म है, करनी चाहिए। अब चंकी को लगता है कि अनन्या सही थी।

फ्लॉप हुई थी लाइगर

फिल्म 'लाइगर' की बात की जाए तो यह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। अनन्या के साथ इस फिल्म में साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा नजर आए थे। फिल्म की कहानी एक बॉक्सर की थी, जो स्ट्रगल करके अपने सपनों को पूरा करता है।

अक्षय कुमार की फिल्म में अनन्या नजर आएंगी

इस साल अनन्या पांडे अक्षय कुमार और आर. माधवन की फिल्म 'केसरी 2' में नजर आएंगी। यह फिल्म आजादी से पहले की कहानी है। जल्द ही यह फिल्म रिलीज होगी। पिछले साल अनन्या फिल्म 'कंट्रोल' में दिखी थीं, यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई। यह फिल्म सोशल मीडिया, एआई के बुरे प्रभावों पर बात करती है।

क्या पैन इंडिया फिल्मों में नहीं नागा की दिलचस्पी? बोले- सच्ची कहानियों का हिस्सा बनना चाहूंगा

ऐसे वक्त में जब हर छोटो-बड़ा स्टार पैन इंडिया फिल्म में काम करने को उत्साहित है, वहीं नागा चैतन्य अलग विचार रखते हैं। नागा चैतन्य का कहना है कि वे पैन इंडिया फिल्मों की बजाय अपनी जड़ों से जुड़ी और सच्ची कहानियों को चुनना पसंद करेंगे। तेलुगु सिनेमा के चर्चित एक्टर नागा चैतन्य का कहना है कि वे ऐसी सच्ची कहानियों का हिस्सा बनना चाहते हैं, जो धीरे-धीरे अलग-अलग जगहों तक पहुंचें। वे ऐसी फिल्म में काम करने को लेकर निश्चित नहीं हैं, जिन्हें पैन इंडिया प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया गया हो।

बोले- सच्चाई होगी तो फिल्म खुद दर्शकों तक पहुंचेगी

'माजिली', 'कस्टडी' और 'लव स्टोरी' जैसी तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेता नागा चैतन्य अपने आगामी फिल्म 'तंडेल' को लेकर चर्चा में हैं, जो 07 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्मों को लेकर नागा ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदार कहानियों का हिस्सा बनना चाहता हूं। आप जो कर रहे हैं, अगर उसमें सच्चाई है, वह जड़ों से जुड़ी है तो खुद-ब-खुद जगह-जगह दर्शकों तक पहुंच जाएगी।

बोले- ऐसे तरीके मैं नहीं अपना पाऊंगा

नागा चैतन्य ने कहा, 'यह पैन इंडिया जैसी चीज, दर्शकों के एक खास वर्ग के लिए फिल्में बनाना, एक खास तरह के कलाकारों का चयन करना और उसे पैन इंडिया फिल्म के रूप में पेश करने के लिए अलग-अलग चीजें करना, मुझे नहीं लगता कि मैं यह तरीका अपनाऊंगा। मैं ऐसे इमोशंस, कहानियां, यात्राएं और किरदार चुनूंगा जो यूनिवर्सल हों, जमीनी और वास्तविक हों। ऐसी कहानियां अपने आप लोगों तक पहुंचेंगी'।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म 'तंडेल' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो असल जिंदगी की घटना पर आधारित है। नागा चैतन्य के साथ फिल्म में साई पल्लवी नजर आएंगी। फिल्म की कहानी एक मछुआरे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समुद्र में खो जाता है और अनजाने में पाकिस्तानी जलक्षेत्र में चला जाता है। वहां उसे पकड़ लिया जाता है और पाकिस्तानी जेल में डाल दिया जाता है। नागा चैतन्य का कहना है कि यह फिल्म लोगों से जुड़ेगी और उन्हें पसंद आएगी।

विरासत में मिला क्रिकेट छोड़ क्यों बॉलीवुड में आए अंगद बेदी, इन फिल्मों के लिए होती है चर्चा

भारतीय क्रिकेट कप्तान रहे बिशन सिंह बेदी के बेटे अंगद बेदी का आज यानी 6 फरवरी को जन्मदिन है। अंगद बेदी को उनकी फिल्मों से फैंस पहचानते हैं। विरासत में मिला क्रिकेट छोड़ अंगद ने बॉलीवुड में अपना सिक्का आजमाने की कोशिश की है। आइए उनके जन्मदिन के खास दिन पर आपको बताते हैं उनकी निजी जिंदगी से लेकर बॉलीवुड तक के सफर के बारे में...।

खुद कही थी ये बात

अंगद बेदी ने एक इंटरव्यू में खुद कहा था कि मुझे लगता है कि काम ही सबसे ज्यादा जरूरी है। हर इंसान की एक ऐसी पर्सनालिटी बननी चाहिए कि लोग आपके काम से कनेक्ट कर सकें। मैं लाइफ में बेचारा बनकर नहीं रहना चाहता। अंगद ने बताया कि 17 साल की उम्र में उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अभिनेता बनना है, इसके बाद उन्होंने चचेरे भाी की डिफेंस कॉलोनी में एक दुकान में जाकर अमिताभ बच्चन की फिल्में देखना शुरू किया। इन्हीं फिल्मों को देखकर एक्टिंग के प्रति अंगद का रुझान और बढ़ गया।

पिता हो गए थे नाराज

एक इंटरव्यू के दौरान अंगद बेदी ने बताया कि उन्होंने बॉलीवुड में काम करने के लिए 18 साल की उम्र में बाल कटवा लिए थे, इस बात से उनके पिता इतने नाराज हो गए थे कि 20 साल तक उनसे बात ही नहीं की थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने उन दोनों की सुलह करवाई थी।

ऐसे हुई नेहा से मुलाकात

अंगद बेदी ने साल 2018 में नेहा धूपिया से शादी कर ली थी। दोनों की शादी दिल्ली में हुई। खबरों की मानें तो अंगद से शादी से पहले ही नेहा प्रेग्नेंट हो गईं थीं। नेहा और अंगद ने अपने माता-पिता को शादी के बारे में बताने के बाद 72 घंटों में शादी कर ली थी। कपल के एक बेटा और एक बेटी है। अंगद से शादी के पांच महीने बाद ही नेहा धूपिया ने बेटी को जन्म दिया था। वहीं, साल 2021 में उन्होंने अपने बेटे गुरिक सिंह धूपिया बेदी का स्वागत किया।

इन फिल्मों में नजर आए अंगद बेदी

अंगद बेदी को उनकी फिल्म 'डियर जिंदगी', 'टाइगर जिंदा है', 'घूमर', 'गुंजन सक्सेना', 'सूरमा' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। अंगद बेदी ने बहुत सी फिल्मों में काम किया, हालांकि वे अभी तक किसी फिल्म में मुख्य किरदार के रुप में काम नहीं कर पाए हैं।

'69 की उम्र ही ऐसी है, किस-किस को प्यार करूं....' उदित नारायण के किसिंग बवाल पर बोलीं उर्फी जावेद

फेमस सिंगर उदित नारायण का किसिंग विवाद अभी भी थमने का नाम नहींले रहा है. अब इस पूरे मामले पर फैशन क्वीन उर्फी जावेद का रिएक्शन सामने आया है. जिन्होंने तंज भरे लहजे में अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि उनकी उम्र ही ऐसी है. ये सब तो होगा ही. मालूम हो, हाल में ही उदित नारायण के कुछ वीडियोज खासा सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे. जिसमें वह महिला फैन को चूमते नजर आ रहे थे. जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था.

बातचीत के दौरान उर्फी जावेद ने इस विवाद पर रिएक्ट किया. उनसे पूछे गया कि आजकल एक बवाल चल रहा है कि उदित नारायण ने फीमेल फैन को किस कर दिया. तो उन्हें काफी ट्रोल किया गया. तब उर्फी ने तुरंत गाना गाना शुरू कर दिया, 'किस किस को प्यार करूं मैं....'

उर्फी जावेद ने उदित नारायण पर किया रिएक्ट

उदित नारायण के किसिंग कांड पर उर्फी जावेद ने कहा, 'किस किस को प्यार करूं मैं... अभी उनकी ऐज ही ऐसी है. वह अब 69 साल के हो गए हैं. इस उम्र में होता है ये सब. कैसे ब्लेम कर सकते हैं. पापा कहते हैं... पापा ही बड़ा नाम करेंगे...'

रविवार को सोशल मीडिया पर एक क्लिप वायरल हुई थी. जिसमें वह 'टिप टिप बरसा पानी' गाने पर परफॉर्म कर रहे थे. तभी कुछ महिलाओं का ग्रुप उनके साथ सेल्फी लेने के लिए आया. एक फीमेल ने उनके गाल पर किस की और फिर सिंगर ने महिला के होंठों पर चूमा. इसके बाद ये वीडियो वायरल हुआ और सिंगर को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा.

उदित नारायण ने दी थी सफाई

इस विवाद के बढ़ने के बाद 'हिंदुस्तान टाइम्स' के साथ बातचीत में सिंगर ने रिएक्ट किया था. उन्होंने कहा कि फैंस काफी दीवाने होते हैं. लेकिन हम ऐसे नहीं हैं. हम सभ्य लोग हैं. इसे इतना तूल नहीं देना चाहिए.

20 साल बाद इस फिल्म के सीक्वल से शाहरुख खान का धमाकेदार कमबैक, क्या फिर से बनेंगे आर्मी ऑफिसर ?

2023 में शाहरुख खान ने अपनी फिल्मों से इतना बड़ा धमाका किया कि पूरे बॉक्स ऑफिस का हाल ही बदल गया. उनकी फिल्में बम्पर हिट हुईं और कई रिकॉर्ड तोड़े, जिससे उनके फैन्स की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. लेकिन उसके बाद से उनकी कोई नई फिल्म नहीं आई है, जिससे फैन्स थोड़ा परेशान हैं. फिलहाल, वो अपनी अगली फिल्म KING पर काम कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होगी.

शाहरुख खान की 'पठान' फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया. अब ऐसी खबरें हैं कि वो इस फिल्म का सीक्वल 'पठान 2' पर काम करेंगे. फैन्स इस फिल्म के लिए बहुत एक्साइटेड हैं और इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

शाहरुख खान की 20 साल पुरानी फिल्म 'मैं हूं ना' का सीक्वल बनने की चर्चा शुरू हो गई है. 'मैं हूं ना' शाहरुख के करियर के बड़े मोमेंट्स में से एक थी. ये फिल्म न केवल एक बड़ी हिट थी, बल्कि इसने शाहरुख और उनकी पत्नी गौरी के लिए भी खास महत्व रखा क्योंकि ये उनकी प्रोड्यूस की हुई पहली फिल्म थी.

शाहरुख खान और फराह खान की जोड़ी बहुत पॉपुलर है. 20 साल पहले 'मैं हूं ना' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था और अब ये दोनों फिर से साथ आकर इसका सीक्वल बनाने का प्लान बना रहे हैं. फराह खान के पास इस सीक्वल के लिए कुछ बहुत ही रोमांचक आइडिया हैं, जिनके बारे में उन्होंने शाहरुख को बता दिया है.

शाहरुख खान इस सीक्वल को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं, लेकिन वो इस फिल्म को लेकर कोई भी जल्दबाजी नहीं करना चाहते. उनका मानना है कि 'मैं हूं ना' को लेकर फैन्स का प्यार और उत्साह बहुत ज्यादा है, इसलिए वो ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इसका सीक्वल भी उतना ही सफल हो. शाहरुख और फराह खान चाहते हैं कि इस बार फिल्म और भी शानदार बने.

फराह खान अपनी राइटिंग टीम और रेड चिलीज के साथ मिलकर स्क्रीनप्ले पर काम कर रही हैं. ये टीम फिल्म को बेहतरीन बनाने के लिए बहुत मेहनत कर रही है. शाहरुख खान की उम्मीद है कि इस बार जो फिल्म बनेगी, वो पहले से भी ज्यादा बेहतरीन और यादगार होगी.

शाहरुख खान ने फराह खान और उनकी टीम से कहा है कि वे कुछ 'एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी' लिखें ताकि 'मैं हूं ना 2' का सीक्वल पहले से भी ज्यादा अच्छा हो. शाहरुख का मानना है कि जब तक फिल्म पूरी तरह से तैयार नहीं होती, तब तक किसी भी फैसले पर हड़बड़ी नहीं की जानी चाहिए. वो चाहते हैं कि हर पहलू पर ध्यान दिया जाए.

'मैं हूं ना' शाहरुख और गौरी के लिए एक बहुत खास फिल्म है क्योंकि ये वो पहली फिल्म थी जिसे दोनों ने मिलकर प्रोड्यूस किया था. अब जब इसके सीक्वल की चर्चा हो रही है, तो उनके लिए ये प्रोजेक्ट और भी खास हो गया है. शाहरुख इस सीक्वल के जरिए लोगों को एक नई और बेहतरीन कहानी देना चाहते हैं.

शाहरुख खान के फैन्स ये जानने के लिए एक्साइटेड हैं कि क्या वो 'मैं हूं ना 2' में फिर से आर्मी ऑफिसर का किरदार निभाएंगे, जैसा कि उन्होंने पहली फिल्म में किया था. ये रोल शाहरुख की छवि का अहम हिस्सा बन चुका है और लोगों के मन में ये सवाल है कि क्या वो इस रोल में लौटेंगे.

क्या रश्मिका मंदाना लगाएंगी हिट फिल्मों की हैट्रिक ?

रश्मिका हर जगह छाई हुई है। उसकी पिछली कुछ फिल्मों ने जिस तरह बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म किया है, उससे वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी एक्ट्रैसेज में से एक बन गई है। 'एनिमल', 'पुष्पा 2' के बाद रश्मिका साल 2025 में तीन बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली है।

अभिनय की प्यास कभी नहीं बुझती क्यों कि एक किरदार निभा लेने के बाद दूसरे किरदार को निभाने की ललक कलाकारों में हमेशा बनी रहती है, लेकिन फिल्म 'पुष्पा' में श्रीवल्ली का किरदार निभाने वाली रश्मिका मंदाना को शायद यह ललक पूरी हो गई है।

अपनी अगली फिल्म 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर हैदराबाद से लंगड़ाते हुए किसी तरह मुंबई पहुंची रश्मिका ने इवेंट में एक ऐसी बात कह दी, जिसे सुनकर लोग सकते में आ गए। रश्मिका ने कहा, महारानी येसुबाई का किरदार निभाना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। मैं अभी निर्देशक से बात कर रही थी, मुझे लगता है कि इस रोल के बाद तो मैं रिटायर भी हो सकती हूं।

रश्मिका का समर्पण

कहते हैं काम ही पूजा है और अपने काम को पूजा समझने वाली रश्मिका के समर्पण को देख लोग उसके कायल हो गए हैं। पिछले दिनों वर्कआऊट के दौरान चोटिल हुई रश्मिका ने अपने फैन्स से खुद के चोटिल होने की जानकारी देने के साथ ही मेकर्स से शूट में देरी के लिए माफी भी मांगी थी।

खैर, सोशल मीडिया पर रश्मिका का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह हैदराबाद एयरपोर्ट पर फिल्म 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च के इवेंट में शामिल होने पहुंची थीं। हैदराबाद एयरपोर्ट पर व्हीलचेयर पर नजर आई रश्मिका जैसे ही अपनी कार में बैठने के लिए खड़ी हुई तो लंगड़ाने लगी।

इसके बाद टीम की गाड़ी में बैठने वाली रश्मिका के काम के प्रति समर्पण को देख ट्रेलर लॉन्च में पहुंचे लोग इम्प्रैस हो गए। एक यूजर ने लिखा, गैट वैल सून। दूसरे ने लिखा, रश्मिका जी सब जल्दी ठीक हो जाएगा। एक अन्य ने लिखा, जल्दी ठीक हो जाओ, दुआ है।

दर्द छुपा रही

एक हालिया वीडियो में कोई रश्मिका के पैर में लगे प्लास्टर पर पेंटिंग बनाता दिख रहा है। एक फोटो में उसने अपनी मैडीकल रिपोर्ट और एक में एक्स-रे रिपोर्ट दिखाई। आखिरी वीडियो में वह मुस्कुराते हुए दिख रही है। इसे शेयर करते हुए उसने लिखा, ₹इस वक्त मेरी जिंदगी। 'छावा' को प्रमोट कर रही हूं। महारानी येसुबाई का किरदार निभाकर मैं बहुत सम्मानित, धन्य और आभारी महसूस कर रही हूं। उन्होंने कभी भी अपना दर्द अपने लोगों को नहीं दिखाया और मैं भी नहीं दिखाऊंगी। हमेशा की तरह इन सबके बीचरश्मिका ने आगे कहा, मेरी लड़कियों ने इसे (पैर में लगे प्लास्टर को) बाहर से बहुत प्यारा बना दिया। लेकिन अंदर 3 फ्रैंक्कर और एक मांसपेशी फटी हुई है। (नोट- इतना प्यारा नहीं है।) 2 हफ्तों से मैंने अपना पैर जमीन पर नहीं रखा। मुझे वाकई अपने पैरों पर खड़े होने की याद आती है। कृपया अपना ख्याल रखें और जब लोग आपसे ऐसा कहें तो इसे हल्के में न लें। मैं आप सभी को प्यार और शक्ति भेज रही हूं और मैं आपके प्यार और शक्ति को बहुत प्यार से संभाल कर रख रही हूं। आप सभी को ढेर सारा प्यार।

लगाएगी हिट फिल्मों की हैट्रिक ?

रश्मिका हर जगह छाई हुई है। उसकी पिछली कुछ फिल्मों ने जिस तरह बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म किया है, उससे वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी एक्ट्रैसेज में से एक बन गई है। 'एनिमल', 'पुष्पा 2' के बाद रश्मिका साल 2025 में तीन बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली है। 'छावा' के बाद वह सलमान स्टारर फिल्म 'सिकंदर' में बतौर लीड एक्ट्रैस नजर आएगी। इसके बाद दीवाली पर आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' में भी वह काम करेगी।

एक साल में तीन बड़ी फिल्मों का हिस्सा बनी रश्मिका के लिए साल 2025 काफी बड़ा और अहम साबित हो सकता है। अगर रश्मिका की ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखा गईं तो वह फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रैसेज, जैसे दीपिका आलिया को भी पीछे छोड़ नंबर 1 एक्ट्रैस बन जाएगी। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि क्या रश्मिका 'छावा' से हिट फिल्मों की सूची में आती है या नहीं।

हीरो बनने के लिए छोड़ी यूपीएससी की तैयारी एक्सीडेंट में टूटा हाथ और ढह गया करियर

54 साल में बेटे को अकेले पाल रहे

पुराने समय के मशहूर एक्टर जिन्होंने न केवल अपनी मुस्कान और चार्म से बल्कि अपनी एक्टिंग से भी सभी का दिल जीत लिया, वह हैं चंद्रचूड़ सिंह। अपने डेब्यू से ही उन्हें काफी फेम और प्रसिद्धि मिली। क्या आप जानते हैं चंद्रचूड़ ने आईएएस अधिकारी बनने का सपना देखा था? उन्होंने ये सपना छोड़कर बॉलीवुड में कदम रखा।

जब वह अपने फिल्मी करियर के शिखर पर थे तो उन्हें इंडस्ट्री छोड़नी पड़ी। वह उस स्टारडम को एंजॉय नहीं कर सके जिसके वह हकदार थे। चंद्रचूड़ सिंह सिल्वर स्क्रीन से गायब हो गए और केवल छोटे रोल्स किए। फिर उन्होंने ओटीटी पर वापसी की। आइए चंद्रचूड़ की लाइफ पर एक नजर डालते हैं।

करियर चरम पर था तो हुआ एक्सीडेंट

जब बॉलीवुड में उनका करियर चरम पर था, तभी उनके साथ एक दुर्घटना हुई, जिसने ऐसी उथल-पुथल मचा दी कि इससे उनकी पूरी जिंदगी बदल गई और उनके करियर पर भी असर पड़ा।

दाहिना हाथ टूट गया

एक न्यूज पोर्टल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने एक्सीडेंट के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने खुलासा किया कि वह गोवा में वॉटर स्कीइंग कर रहे थे और उनकी पकड़ छूट गई। स्पीडबोट तेज़ गति से आगे बढ़ रही थी और एक्सीडेंट में उनका दाहिना हाथ टूट गया।

उन्होंने आगे माचिस, जोश और क्या कहना जैसी हिट फिल्में दी हैं। वह 'दागः द फायर', 'आमदनी अट्ठानी खर्चा रुपैया', 'जिला गाजियाबाद' और 'द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट' जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 1990 में महरौली के एक फार्महाउस में अवंतिका मनकोटिया से शादी कर ली। अवंतिका का परिवार हिमाचल प्रदेश से है।

उन्होंने बाद में एक बेटे को जन्म दिया। हालांकि इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है कि चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी कैसे अलग हो गए। इसके बाद वो अपने बेटे के सिंगल फादर बने रहे और 54 साल की उम्र में भी वो बेटे को अकेले ही संभाल रहे हैं।

पहले जमाने का प्रेम बहुत 'सरल और सुंदर' था : पश्मीना रोशन

राजेश रोशन की बेटी पश्मीना रोशन ने साल 2003 में आई फिल्म 'इश्क विश्क' की रीमेक 'इश्क विश्क रीबाऊंड' के साथ गत वर्ष ही अपना बॉलीवुड डेब्यू किया।

उसके लिए प्रेम की परिभाषा क्या है, पूछने पर वह कहती है, आज के समय में प्रेम संबंधों में कई सारी नई चीजें आ गई हैं। अब ऑनलाइन डेटिंग और न जाने क्या कुछ हो रहा है लेकिन हमारे माता-पिता के जमाने का प्रेम बेहद सरल और सुंदर था। हां, एक इंसान के रूप में हम लोग हमेशा से उलझे हुए रहे हैं क्योंकि भावनाएं हमेशा एक ही होती हैं, चाहे कितना भी जमाना बदले। मेरे अनुसार, प्यार तो प्यार होता है। मेरे पेरेंट्स 35 साल से साथ हैं और आज भी वे डेट पर जाते हैं, मुझे अपने जीवन में उस तरह का प्यार चाहिए।

अक्सर कहा जाता है कि इंडस्ट्री में फिल्मी परिवार से जुड़े युवाओं के लिए जगह बना पाना आसान है, इस पर वह कहती है, मैं कहीं भी जाऊं, मेरे सरनेम का वजन तो हमेशा मेरे साथ रहेगा लेकिन मेरे परिवार ने कभी भी मुझे काम दिलाने के लिए कहीं फोन नहीं किया। मुझे सबसे बड़ा फायदा परिवार से यह मिलता है कि वे इस क्षेत्र के अनुभवी हैं तो वे मुझे सही सलाह देते हैं लेकिन दुनिया में कहीं भी जाओ बिना मेहनत के कुछ नहीं मिलता।

मैं बचपन में 'कोई मिल गया' के सैट पर जाती थी और वहां से मुझे फिल्मों में दिलचस्पी हुई क्योंकि वहां सैट पर से घर आने का मन ही नहीं होता था। यकीन करिए, फिल्मों के सैट पर मुझे सबसे अधिक खुशी मिलती है लेकिन उसके बाद फिल्मों के लायक बनने के लिए मैंने बहुत मेहनत की। ऑडिशन देने से पहले मैंने एक्टिंग और डांस सीखा।

अपने भाई ऋतिक रोशन से एक्टिंग को लेकर क्या टिप्स मिले हैं, पर उसने कहा, मुझे ऋतिक ने कई सारी चीजें सिखाई हैं। उन्होंने हमेशा मुझे सही सलाह दी है। वह मुझे हमेशा कहते हैं कि मेहनत करो क्योंकि इसका कोई दूसरा पर्याय नहीं है। यह मैं उनके व्यक्तित्व में भी देखती हूं। मनोरंजन जगत में आप जो भी कर रहे हैं, उसे देखना और परखना जरूरी है, ताकि आप विकास करें।

ऐश्वर्या राय ने अभिषेक को किया बर्थडे विश, फिर उछला निम्रत कौर का नाम

बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन ने 5 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाया और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस मौके पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया. ऐश्वर्या ने अभिषेक के बचपन की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए उन्हें 'खुशियां, अच्छी सेहत, प्यार और रोशनी' की शुभकामनाएं दीं.

फैंस ने कमेंट सेक्शन में दिल वाले इमोजी की बौछार कर दी, वहीं कुछ लोगों ने उन तलाक की अफवाहों पर चर्चा फिर से शुरू कर दी, जो साल भर खत्म होने का नाम नहीं ले रही थीं. एक फैन ने ट्रोल्स को ताना मारते हुए पूछा, 'तलाक वाले कहां गए?' जिन्होंने कपल की जिंदगी में 'मुश्किलों' की अफवाहें फैलाई थीं. कुछ लोगों ने एक्ट्रेस निम्रत कौर से माफी मांगने की भी बात कही, जिनका नाम इन अटकलों में घसीटा गया था.

ऐश्वर्या की इस प्यार भरी पोस्ट के बाद, फैंस को यकीन हो गया कि तलाक की खबरें सिर्फ और सिर्फ अफवाहें थीं, जो बेबुनियाद थीं. एक यूजर ने कॉमेंट किया, 'निम्मी को सॉरी बोले.' जबकि एक अन्य ने लिखा- 'हमें निम्रत से माफी मांगनी चाहिए.' कुछ लोगों ने कपल के कथित तलाक पर अटकलें लगाने वालों का मजाक उड़ाया, एक कमेंट में लिखा था, 'तलाक नहीं हो रहा भाई.'

इस बीच, कुछ फैंस ने यह भी नोट किया कि ऐश्वर्या, जिनके सोशल मीडिया पर 14.6 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं, केवल एक व्यक्ति को फॉलो करती हैं और वह उनके पति अभिषेक हैं. एक फैन ने कॉमेंट किया, 'प्यार को मजबूत होते देख अच्छा लगा. साथ ही यह एक बड़ा बयान है कि आप इंस्टाग्राम पर सिर्फ एक व्यक्ति को फॉलो करती हैं और वह आपके पति हैं.' हालांकि, कुछ नेटिज़न्स ने निराशा जाहिर की कि ऐश्वर्या ने कपल की फोटो शेयर करने के बजाय एक पुरानी तस्वीर चुनी.वर्कफ्रंट की बाच करें तो अभिषेक हाल ही में शूजीत सरकार द्वारा निर्देशित 'आई वांट टू टॉक' में नजर आए थे,

जिसका हाल ही में ओटीटी पर डेब्यू हुआ है. जूनियर बी जल्द सुपरस्टार शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' में विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जिसमें सुहाना भी मुख्य भूमिका में होंगी. खबरें तो ये भी है कि अभिषेक रितेश देशमुख की 'राजा शिवाजी' की कास्ट में भी शामिल हो गए हैं.

'दिन में व्रत, रात को शराब...' ममता कुलकर्णी ने बताई अपनी आध्यात्मिक यात्रा

साल 1990 के दशक में जब ममता कुलकर्णी ने फिल्मों में एंट्री की तो उन्होंने तुरंत हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि उन्होंने बाद में आध्यात्मिकता को अपना लिया है, लेकिन विवाद उन्हें घेरे रहते हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान किन्नर अखाड़े ने ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर की उपाधि दी थी। लेकिन उनका कार्यकाल केवल सात दिनों तक ही चला। कई हिंदू संतों के विरोध के बाद, उन्हें बाद में पद से हटा दिया गया।

हाल ही में एक टेलीविजन शो के दौरान, ममता कुलकर्णी ने अपने साध्वी बनने के रास्ते पर चर्चा की और खुलासा किया कि उन्होंने पिछले 23 वर्षों से कोई एडल्ट फिल्में नहीं देखी है। एक्ट्रेस ने नवरात्रि के दौरान '2 पैग' पीने के बारे में भी किस्सा शेयर किया। जब ममता कुलकर्णी से रात में दो पैग पीने के साथ-साथ नवरात्रि में व्रत रखने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'जब मैं बॉलीवुड में थी तो 1997 में मेरे गुरु मेरे जीवन में आए।'

नवरात्रि के व्रत में भी शराब पी

तब उनसे उन रिपोर्ट्स के बारे में पूछा गया जो बताती हैं कि ममता कुलकर्णी नवरात्रि के दौरान ध्यान करती थीं और उपवास करती थीं, लेकिन रात में वह ताज जाती थीं और स्कॉच के दो पैग पीती थीं।

दिन में व्रत और रात को शराब पीती थीं

इस पर ममता कुलकर्णी ने जवाब देते हुए कहा, 'बॉलीवुड में रहने के दौरान मेरी जिंदगी एक सख्त रूटीन के इर्द-गिर्द घूमती थी। मैं जब भी शूटिंग के लिए जाती थी तो तीन बैग ले जाती थी। एक में मेरे कपड़े थे, जबकि दूसरे में मेरा पोर्टेबल मंदिर था। यह मंदिर, मेरे कमरे में एक मेज पर स्थापित था, जहां मैं काम पर निकलने से पहले पूजा करती थी। इस अनुष्ठान को पूरा करने के बाद ही मैं अपने शूटिंग शेड्यूल पर निकलती थी। मैं नवरात्रि का पालन करती थी। नवरात्रि नौ दिनों की सिद्धि देने वाली है। मैं व्रत रखती थी और मैंने सुबह, दोपहर और शाम तीन बार हवन करने का संकल्प लिया था। मैं नौ दिनों तक केवल पानी पर थी। मैंने 36 किलो चंदन से यज्ञ किया।'

वॉशरूम में जाकर बैठती थीं ममता

ममता ने आगे कहा, 'मेरे डिजाइनर उस समय बॉलीवुड से ही थे। उन्होंने कहा, 'ममता, आप क्या कर रही हैं? आप बहुत गंभीर हो गई हैं। उठो, नौ दिन बहुत हो गए, चलो अब चलते हैं।' फिर हम ताज गए। एक-दो नवरात्र तो ऐसे ही निकल गए। मैं स्कॉच पीती थी लेकिन सिर्फ दो पैग के बाद मुझे वॉशरूम जाना पड़ता था। ऐसा लगा मानो सारी शराब तुरंत मेरे सिर पर चढ़ गयी हो। नौ दिनों की तपस्या, कमी के कारण गलत प्रभाव डाल रही थी। मेरे अंदर ऐसा महसूस हुआ जैसे वे जल रहे हों। मैं 40 मिनट तक वॉशरूम में बैठी रही।'

कंगना, करीना-प्रियंका से लेकर पत्रलेखा तक प्रोड्यूसर की कुर्सी पर भी इन अदाकाराओं का कब्जा

हाल ही में नेटफ्लिक्स ने अपने इस साल के प्रोजेक्ट्स का एलान किया। इनमें राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म 'टोस्टर' भी शामिल है। इस फिल्म को राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा प्रोड्यूस कर रही हैं। सिनेमा की दुनिया में फिल्म निर्माण की कमान अब महिलाएं भी अपने हाथों में लेने लगी हैं। कई चर्चित अभिनेत्रियां भी बतौर निर्माता कुर्सी संभाल चुकी हैं और संभाल रही हैं।

करीना कपूर

कपूर खानदान की लाडली करीना कपूर ने फिल्म रिफ्यूजी से अभिनय की दुनिया में दस्तक दी। इसके बाद कई फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अब वे बतौर निर्माता भी डेब्यू कर चुकी हैं। करीना कपूर खान ने फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' से बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया। यह फिल्म 13 सितंबर, 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म को करीना कपूर खान और एकता कपूर ने मिलकर प्रोड्यूस किया था। हंसल मेहता ने इसका निर्देशन किया।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वह बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आती हैं। एक्ट्रेस फिल्मों में काम करने के साथ एक प्रोडक्शन हाउस भी चलाती हैं। वह पर्पल पेबल पिक्चर्स प्रोडक्शन हाउस की मालकिन हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत साल 2015 में की थी। अभी तक इस प्रोडक्शन हाउस के अंडर तमाम फिल्में तैयार की जा चुकी हैं। इस लिस्ट में मराठी, बंगाली, पंजाबी और भोजपुरी भाषा की फिल्में भी शामिल हैं।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का शर्मा एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। उन्होंने बॉलीवुड में कई बेहतरीन और हिट फिल्में की हैं। वहीं, अनुष्का शर्मा ने भी अपने भाई कर्णेश शर्मा के साथ मिलकर क्लीन स्लेट फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी। इस प्रोडक्शन हाउस के अंडर कई फिल्में तैयार की जा चुकी हैं, जिसमें से ज्यादातर फिल्मों में अनुष्का ने अभिनय किया है। इन फिल्मों में एन एच 10, परी, फिल्लौरी, जैसी फिल्में शामिल हैं। अनुष्का के प्रोडक्शन हाउस में वेब सीरीज भी बनी हैं।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने साल 2018 में केए एंटरटेनमेंट नाम प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने एसिड अटैक के ऊपर फिल्म छपाक तैयार की थी। इस फिल्म में दीपिका ने मुख्य किरदार अदा किया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से फ्लॉप रही थी।

कंगना रणौत

कंगना रणौत बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक हैं। वह किसी भी पहचान की मोहताज नहीं है। एक्ट्रेस ने साल 2021 में मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी। उन्होंने इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत नए कलाकारों को मौका देने के लिए की थी।

आलिया, तापसी और कृति

आलिया भट्ट ने भी साल 2021 में एटरनल सनशाइन प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी, जिसकी शुरुआत पर एक्ट्रेस काफी खुश हैं। तापसी पन्नू भी इस लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने भी आउटसाइडर्स फिल्म्स नामक प्रोडक्शन हाउस की शुरुआती की थी। एक्ट्रेस ने भी इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत नए कलाकारों को मौका देने के लिए की थी, जिन लोगों का इंडस्ट्री में कोई भी गॉडफादर नहीं है और लंबे वक्त से स्ट्रगल कर रहे हैं। इसके अलावा कृति सेनन भी लिस्ट में हैं।

नए आयकर विधेयक की जरूरत क्यों; कब हो सकता है पेश

करदाताओं को इससे क्या मदद मिलेगी?

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में नए आयकर विधेयक का खुलासा किया। इसे 7 फरवरी, 2025 को संसद में पेश किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा, ₹पिछले 10 वर्षों में, हमारी सरकार ने करदाताओं की सुविधा के लिए कई सुधार लागू किए हैं, जैसे फेसलेस असेसमेंट, टैक्सपेयर्स चार्टर, तेज रिटर्न, लगभग 99 प्रतिशत रिटर्न का स्व-मूल्यांकन और विवाद से विश्वास योजना। इन प्रयासों को जारी रखते हुए, मैं कर विभाग की ₹पहले विश्वास करो, बाद में जांच करो की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हूं। मैं अगले सप्ताह नया आयकर विधेयक पेश करने का भी प्रस्ताव करती हूँ। नए आयकर विधेयक की जरूरत क्यों है, इससे करदाताओं पर क्या असर पड़ेगा, लोगों को इस विधेयक से क्या उम्मीद करनी चाहिए, आइए जानते हैं।

निर्मला सीतारमण   तुहिन कांत पांडे

नये आयकर विधेयक की आवश्यकता क्यों है?

आयकर अधिनियम 1961 पिछले छह दशकों से अस्तित्व में है और इसमें 298 धाराएं और 23 अध्याय हैं। पिछले कुछ वर्षों में, लगभग हर केंद्रीय बजट में नए संशोधनों के एलान से वर्तमान आयकर विधेयक बहुत जटिल हो गया है। इसलिए, आयकर विधेयक को अधिक संक्षिप्त व सरल बनाने के लिए सरकार एक नया आयकर विधेयक पेश कर रही है। कहा जा रहा है कि नया विधेयक कर अनुपालन को आसान बनाएगा, विवादों को कम करेगा और करों के बारे में अधिक स्पष्टता प्रदान करेगा।

नये विधेयक से करदाताओं को क्या उम्मीद करनी चाहिए?

सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा, मुझे देश को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नया आयकर विधेयक न्याय की भावना को आगे बढ़ाएगा। नया विधेयक पढ़ने में आसान और सीधा होगा, जिसमें अध्यायों और शब्दों दोनों के रूप में वर्तमान कानून का लगभग आधा हिस्सा होगा। करदाताओं और कर प्रशासन के लिए इसे समझना आसान होगा, इससके अमल में आने से कर निश्चितता और मुकदमेबाजी में कमी आएगी। वित्त मंत्री के अनुसार नया विधेयक संक्षिप्त व सरल भाषा में होगा, जिससे करदाताओं के लिए इसे समझना और अनुपालन करना आसान हो जाएगा। इसके अलावा, इसका उद्देश्य सुव्यवस्थित कर कानूनों के माध्यम से कानूनी अस्पष्टताओं को कम करना है। साथ ही, इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि यह अंतराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रहे।

'बैंकों की ओर से वसूली गई राशि लिए गए कर्ज से कहीं अधिक'; भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की दलील

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने कर्नाटक हाईकोर्ट में बड़ा दावा किया है। शराब कारोबारी ने कोर्ट के सामने बुधवार को दावा किया कि बैंकों की ओर से वसूली गई राशि उनके द्वारा लिए गए कर्ज से कहीं अधिक है। बैंकों का उन पर 6,200 करोड़ रुपये का कर्ज है, लेकिन इससे कई गुना अधिक वसूल किया जा चुका है। माल्या ने उनसे, यूनाइटेड ब्रेवरीज होल्डिंग्स लिमिटेड और अन्य देनदारों से वसूल की गई राशि का ब्योरा मांगा। भगोड़े कारोबारी ने तीन फरवरी को कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके जवाब में बुधवार को बैंकों को नोटिस जारी किया गया। जस्टिस आर. देवदास ने बैंकों को 13 फरवरी तक जवाब देने का निर्देश दिया। याचिका में अंतरिम राहत के रूप में संशोधित वसूली प्रमाणपत्र के तहत बैंकों की ओर से भविष्य में किसी भी प्रकार की संपत्ति की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की गई है।विजय माल्या का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने दलील दी कि किंगफिशर एयरलाइंस और उसकी होल्डिंग कंपनी यूबीएचएल के खिलाफ परिसमापन आदेश को सुप्रीम कोर्ट समेत सभी न्यायिक स्तरों पर बरकरार रखा गया है। उन्होंने कहा दी कि ऋण पहले ही वसूल लिया गया है, फिर भी माल्या के खिलाफ अतिरिक्त वसूली की कार्रवाई जारी है। पूवैया ने कोर्ट को बताया कि ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) ने मुख्य देनदार के रूप में किंगफिशर एयरलाइंस और गारंटीकर्ता के रूप में यूबीएचएल को 6,200 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा, 'वह आदेश अंतिम रूप से लागू हो गया। हालांकि, 2017 से अब तक 6,200 करोड़ रुपये से कई गुना वसूल किए जा चुके हैं।

'आरबीआई रेपो रेट में कर सकता है 25 बीपीएस की कटौती

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट ने बताया दावे का कारण

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 7 फरवरी को मौद्रिक नीति घोषणा के दौरान पांच साल के अंतराल के बाद पहली बार रेपो दर में 25 आधार अंकों (बीपीएस) की कटौती का एलान कर सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक फिलहाल जारी है। आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार को पहली बार एमपीसी के फैसले का एलान करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार मुद्रास्फीति, जिसपर फोकस मौद्रिक नीति के केंद्र में है, में नरमी के संकेत दिख हैं, इसलिए केंद्रीय बैंक के पास दर कटौती का मौका है।

रेपो रेट में मई 2020 में पिछली बार हुई थी कटौती

रिपोर्ट में कहा गया है, सभी मैक्रो और भू-राजनीतिक कारकों को देखते हुए आरबीआई की ओर से नीतिगत ब्याज दरों खासकर रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। आरबीआई ने पिछली बार कोविड के दौरान मई 2020 में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की थी। तब रेपो रेट को घटाकर चार प्रतिशत कर दिया गया था। इसके बाद सात बार रेटो में इजाफा किया गया, जिससे यह बढ़कर 6.5% पर पहुंच गया। फरवरी 2023 के बाद रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

टमाटर, प्याज और आलू जैसी जरूरी सब्जियों की कीमतों में राहत

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार महंगाई का दबाव कम हुआ है। मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और आलू जैसी जरूरी सब्जियों की कीमतों में गिरावट आई है। इन वस्तुओं की बेहतर आपूर्ति ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में मूल्य अस्थिरता को कम करने में योगदान दिया है। यह आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती शुरू करने के लिए कुछ लचीलापन प्रदान करता है, हालांकि यह प्रक्रिया धीरे-धीरे होने की उम्मीद है और आगे के आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर है। पिछली मौद्रिक नीति की बैठक के बाद से, कई वैश्विक और घरेलू कारकों ने वित्तीय बाजारों को प्रभावित किया है। यह परिसंपत्ति बाजारों में अस्थिरता बढ़ा रहा है, जिसका भारतीय रुपये पर प्रभाव पड़ा है। रिपोर्ट में वैश्विक कारोबार में अस्थिरता के लिए बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार नीतियों से जुड़ी चिंताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है।

एलन मस्क की फेवरेट करेंसी ने तोड़े अरमान

इन क्रिप्टोकरेंसी ने पहुंचाया जबरदस्त नुकसान

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)।दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की फेवरेट क्रिप्टोकरेंसी ने निवेशकों को बीते एक हफ्ते में काफी मोटा नुकसान पहुंचाया है। ये नुकसान बिटकॉइन और इथेरियम से भी ज्यादा है। यहां पर डॉगेकॉइन की हो रही है। जिसे एलन मस्क लगातार सपोर्ट करते हुए दिखाई देते हैं। बीते एक हफ्ते में डॉगेकॉइन ने निवेशकों को 20 फीसदी से ज्यादा पहुंचाया है। वहीं दूसरी ओर दुनिया की टॉप 35 क्रिप्टोकरेंसी में से करीब आधा दर्ज से ज्यादा करेंसी ऐसी हैंङ्ग जिनकी कीमत 20 फीसदी से ज्यादा कम हुई है। अगर बात बिटकॉइन और दूसरी करेंसी करें तो 6 से 18 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। बिटकॉइन की कीमत में करीब 7 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। जबकि इथेरियम एक हफ्ते में 11 फीसदी से ज्यादा नुकसान पहुंचा चुका है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है। अगर बीते 24 घंटे की बात करें को क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में मामूली इजाफा देखने को मिल रहा है। लेकिन अभी तक मार्केट कैप 3.25 ट्रिलियन डॉलर से नीचे बना हुआ है। जो बीते हफ्ते 3.6 ट्रिलियन डॉलर देखने को मिला था।

डॉगेकॉइन की कीमत में बड़ी गिरावट

एलन मस्क की फेवरेट क्रिप्टोकरेंसी डॉगेकॉइन की कीमत में बीते एक हफ्ते में बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है। बीते 24 घंटे में डॉगेकॉइन की कीमत में 1 फीसदी की गिरावट देखी गई है। वहीं एक हफ्ते में इसकी कीमत में 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। मौजूदा समस में डॉगेकॉइन के दाम 0.263 डॉलर देखने को मिल रहा है। वैसे वैसे बीते एक महीने में डॉगेकॉइन ने और भी मोटा नुकसान कराया है जोकि करीब 33 फीसदी का है। वहीं एक साल में डॉगे ने निवेशकों को 250 फीसदी से ज्यादा की कमाई कराई है।

बिटकॉइन इथेरियम को भी नुकसान

वहीं दूसरी ओर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिटोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में भी बीते एक हफ्ते में 6 फीसदी से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। कॉइन मार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार एक हफ्ते में बिटकॉइन को 6.50 फीसदी का नुकसान हुआ है और दाम 98,164 डॉलर पर आ गए हैं। वहीं दूसरी ओर इथेरियम की कीमत में करीब 11 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। जबकि कीमत 2842 डॉलर पर हो चुकी है। सोलाना की कीमत में बीते एक हफ्ते में 15 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं चेनलिंक को करीब 19 फीसदी की गिरावट झेलनी पड़ी है।

अनिल अंबानी को करोड़ों रुपये का मुनाफा

सुबह–सुबह कंपनी के शेयर 10% से ज्यादा उछल गए

नई दिल्ली,6 फरवरी (एजेंसियां)। कभी 'कंगाल' हो चुके अनिल अंबानी के दिन अब बहुरने शुरू हो गए हैं। उनकी कंपनी रिलायंस पावर को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में करोड़ों रुपये का मुनाफा हुआ है। वहीं पिछली साल समान तिमाही में कंपनी को जबरदस्त नुकसान हुआ था। दिसंबर तिमाही में हुए मुनाफे के बाद गुरुवार को कंपनी के शेयर में जबरदस्त तेजी आई। इसके शेयर सुबह-सुबह ही 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए।

कैसा रहा कंपनी का रिजल्ट?

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (दिसंबर तिमाही) के नतीजे जारी किए थे। नतीजों के मुताबिक दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 41.95 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 1,136.75 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में ही मुनाफे में आ गई थी। तब कंपनी ने 2,878.15 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वहीं वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में कंपनी की आय पिछले साल के मुकाबले 4.6% घटकर 1,852 करोड़ रुपये रह गई। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी की आय 1,943 करोड़ रुपये थी। खर्चों में भी 33% की कमी आई है। पिछले साल कंपनी का खर्च 3,167.49 करोड़ रुपये था, जो इस बार घटकर 2,109.56 करोड़ रुपये रह गया।रिलायंस पावर का शेयर बुधवार को 39.89 रुपये पर बंद हुआ था। गुरुवार को यह बढ़त के साथ 41.38 रुपये पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी आ गई। देखते ही देखते यह शेयर 10% से ज्यादा की तेजी के साथ 43.95 रुपये पर पहुंच गया। गुरुवार सुबह 10:10 बजे यह शेयर 9.55% की तेजी के साथ 43.70 रुपये पर था।

अभी तक कैसा रहा है रिटर्न?

पिछले 6 महीने में इसका रिटर्न करीब 40 फीसदी रहा है। वहीं एक साल में इसने निवेशकों की झोली भर दी है। एक साल में इसने 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका 52 हफ्ते का ऑल टाइम हाई 54.25 रुपये रहा है।

रिलायंस इंफ्रा में भी आई तेजी

अनिल अंबानी की दूसरी कंपनी रिलायंस इंफ्रा के शेयर में भी गुरुवार को तेजी आई। इसके शेयर सुबह 10 बजे तक 5 फीसदी से ज्यादा उछल गए थे। 10:20 बजे यह शेयर 5.94% की तेजी के साथ 269.35 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

सोने का दाम लगातार चौथे दिन ऑलटाइम हाई

आज केवल 15 रुपए बढ़ा, चांदी 133 रुपए सस्ती होकर 95,292 रुपए किलो

नई दिल्ली,6 फरवरी (एजेंसियां)। सोना आज यानी गुरुवार (6 फरवरी) को लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 15 रुपए बढ़कर 84,672 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले कल यानी 4 फरवरी को सोना 83,657 रुपए प्रति दस ग्राम के ऑलटाइम हाई पर था। चांदी के दाम में आज गिरावट है। 1 किलो चांदी की कीमत कल के दाम से 133 रुपए कम होकर 95,292 रुपए किलो पर आ गई। कल चांदी का भाव 05,425 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,510 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,510 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,510 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,560 रुपए है।

हैदराबाद: सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 86,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 79,300 रुपये है।

2024 में गोल्ड ने 20% और सिल्वर ने 17% का रिटर्न दिया

बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

गौतम अडानी की इस कंपनी को लगा झटका

जीएसटी विभाग ने लगाया 42 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। देश के दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी की कंपनी अडानी विल्मर को जीएसटी विभाग से झटका लगा है। विभाग ने कंपनी पर 42 लाख का जुर्माना लगाया है। अडानी की यह कंपनी खाने का तेल बनाती है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में यह बात बताई है। अडानी विल्मर का कहना है कि उत्तर प्रदेश के जीएसटी विभाग ने कंपनी पर कर मांग के साथ 42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अडाणी विल्मर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे उप आयुक्त, केंद्रीय जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, लखनऊ-I का आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें उत्तर प्रदेश जीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत कर मांग के बराबर 41,99,465 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी को यह आदेश चार फरवरी को मिला है।अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी विल्मर को फॉर्म टीआरएएन-1 में प्राप्त ट्रांजिशनल क्रेडिट यानी जीएसटी व्यवस्था में आने पर एक बारगी मिले इनपुट टैक्स क्रेडिट के संबंध में उत्तर प्रदेश जीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत 41,99,465 रुपये के जुर्माने के साथ कर मांग प्राप्त हुई है।अडाणी विल्मर ने कहा कि कंपनी उचित प्राधिकार के समक्ष जुर्माना लगाने के आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए उचित कदम उठा रही है। अडानी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और कुछ अन्य खाद्य उत्पाद बेचती है।गुरुवार के कारोबारी सत्र में अडानी विल्मर का शेयर 0.64% की गिरावट के साथ 269.85 रुपए पर कारोबार करता नजर आ रहा है। बीते एक महीने की बात करें तो कंपनी के शेयर ने बीते एक महीने में निवेशकों को 16.99 फीसदी का निगेटिव रिटर्न दिया है। वहीं बीते 6 महीने में भी कंपनी के शेयर में गिरावट का ही रुख देखने को मिला है। इस दौरान अडानी विल्मर के शेयर ने निवेशकों को करीब 26 फीसदी का निगेटिव रिटर्न दिया है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट

सेंसेक्स 213 अंक टूटा, निफ्टी 23650 से नीचे आया

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)।आरबीआई की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले सतर्कता और ताजा विदेशी फंड निकासी के बीच बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिर गए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 213.12 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 78,058.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 427.29 अंक या 0.54 प्रतिशत गिरकर 77,843.99 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 92.95 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 23,603.35 अंक पर आ गया। रुपया डॉलर के मुकाबले 17 पैसे गिरकर 87.60 (अनंतिम) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में भारती एयरटेल, टाइटन, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से पिछड़ गए। अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और इंडसइंड बैंक लाभ में रहे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,682.83 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को मौद्रिक नीति पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है। इसके निर्णय का एलान आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास शुक्रवार को करेंगे।जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, व्यापार युद्ध के बीच संभावित ब्याज दरों में कटौती पर आरबीआई के फैसले का निवेशकों को इंतजार है, जिसके कारण बेंचमार्क सूचकांकों में मामूली गिरावट देखी गई। कमजोर वृद्धि को थामने के लिए उपभोग बढ़ाने पर सरकार के ध्यान के बावजूद व्यापक बाजार में सतर्कता दिखी। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग में तेजी रही। यूरोपीय बाजारों में बढ़त दर्ज की गई।

बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.60 प्रतिशत बढ़कर 75.06 डॉलर प्रति बैरल हो गया। बुधवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक 312.53 अंक या 0.40 प्रतिशत गिरकर 78,271.28 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 42.95 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 23,696.30 अंक पर बंद हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य ▪ उत्तरायणे ▪ ऋतु ▪ शिशिर
महावीर निर्वाण संवत ▪2051,हिजरी सन् ▪1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् ▪5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् ▪1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

सूर्योदय - 06-50
सूर्यास्त. - 18-09

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर मे	मकर...	05-20 बजे
चंद्र-	वृष मे	कुंभ...	07-10 बजे
मंगल	मिथुन (व) मे	मीन...	08-47 बजे
बुध-	मकर मे	मेष...	10-23 बजे
गुरु-	वृष मे	वृष...	12-08 बजे
शुक्र-	मीन मे	मिथुन	14-08 बजे
शनि-	कुंभ मे	कर्क..	16-21 बजे
राहु-	मीन मे	सिंह...	18-33 बजे
केतु-	कन्या मे	कन्या...	20-39 बजे
		तुला....	22-45 बजे
		वृश्चिक..	00-56 बजे
		धनु......	03-08 बजे

दिशाशूल ▪▪ पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- दशमीं . 21-25 तक उपरान्त एकादशी
मास ▪ माघ शुक्ल , शुक्रवार 07 February
नक्षत्र ▪ रोहिणी 18-38 तक उपरान्त मृगशिरा
योग ▪ ऐन्द्र 16-15 तक उप वैधृति
करण- तैतिल 10-07 तक उप गर
विशेष:- व्रत -त्योहार ▪ पूर्ण रवि योग

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:05 से 12:30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:50 - 08:13	शुभ	रोग	18:09 - 19:48	अशुभ
लाभ.	08:13 - 09:39	शुभ	काल	19:48 - 21:22	अशुभ
अमृत	09:39 - 11:05	शुभ	लाभ	21:22 - 22:56	शुभ
काल.	11:05 - 12:30	अशुभ	उत्पात	22:56 - 00:30	अशुभ
शुभ.	12:30 - 13:56	शुभ	शुभ	00:30 - 02:04	शुभ
रोग	13:56 - 15:22	अशुभ	अमृत	02:04 - 03:39	शुभ
उत्पात	15:22 - 16:48	अशुभ	चंचल	03:39 - 29:13	शुभ
चंचल.	16:48 - 18:09	शुभ	रोग.	05:13 - 06:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे ।अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी ।ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें ।स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आपकी किस्मत आपके साथ है ।आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे ।सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें ।आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा ।खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें ।आज कोई दोस्त मिल सकता है ।दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं ।आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी ।लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे । आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी । घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है ।हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है ।आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है ।कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं ।इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है,व्हाहे इसके लिए आपको कुछ झुकना ही क्यों न पड़े ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं । आप कई कारणों से अपने फिटनेस और स्वास्थ्य कार्यक्रम का पालन नही कर पा रहे थे लेकिन अब आप वापस ट्रैक पर आ पायेंगे। आप पिछले काफी समय से किसी के जबर्दस्त प्रशंसक हैं लेकिन कुछ घटनाओं से आपको ऐसा लगा है कि आप ने उनके चक्कर में बस अपना समय व्यर्थ किया है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेगी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है । जल्दबाजी में लिए गया हुआ कदम आपको पीछे की और धकेल सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए । लालच को बढ़ने न दे। आपकी आत्मा एवं अंतर्मन आपको गलत चीजों से दूर रहने में मदद करेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शाह बोले- आचार्य विद्यासागर का क्षण-क्षण राष्ट्र को समर्पित

डोंगरगढ़ में कहा- तप, साधना से भारत को विश्व में पहचान दिलाई, सिक्का, डाक टिकट जारी

रायपुर/राजनांदगांव, 6 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी के जीवन का क्षण-क्षण और शरीर का कण-कण राष्ट्र को समर्पित रहा। तप और साधना से उन्होंने भारत को विश्व में पहचान दिलाई। शाह ने आगे कहा कि महाराज जी केवल संत नहीं थे। वे विद्वान पुरुष थे, जिन्होंने नए विचार को जन्म दिया।

शाह आगे बोले, देश की पहचान इंडिया से नहीं बल्कि भारत से होनी चाहिए। जी-20 की मेजबानी के दौरान दूसरे देशों के राष्ट्र अध्यक्षों को निमंत्रण पीएमओ भारत के नाम से गया। केंद्रीय गृहमंत्री ने ये बातें डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी में आचार्य विद्यासागर महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित विनयांजलि सभा में कही। उनके साथ सीएम साय भी मौजूद रहे। शाह ने आचार्य विद्यासागर की तस्वीर वाला 100 रुपए का सिक्का और 5 रुपए का डाक टिकट भी जारी किया।

कार्यक्रम के बाद गृह मंत्री अमित शाह चंद्रगिरि स्थित प्रतिभास्थली पहुंचे, जहां उन्होंने जैन संतों के साथ भोजन ग्रहण किया। इसके बाद वे मां बम्लेश्वरी मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद संतोष पांडेय भी मौजूद रहे।

बता दें कि 18 फरवरी 2024 को आचार्य विद्यासागर महाराज ने डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी तीर्थ में समाधि ली थी।

तिथि के अनुसार उनके समाधि को आज 6 फरवरी 2025 को एक वर्ष पूर्ण हो रहे है और एक वर्ष पूर्ण होने पर चंद्रगिरी ट्रस्ट की ओर से 1 से 6 फरवरी तक भव्य महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डोंगरगढ़ में प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी का मंदिर है, प्रज्ञागिरि और चंद्रगिरी जैसे धार्मिक स्थल और विद्यासागर महाराज जी की समाधि के बाद यह क्षेत्र अब महातीर्थ बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत कई बड़े नेता यहां विद्यासागर महाराज से मुलाकात कर चुके हैं। विद्यासागर महाराज ने समाज को देशभक्ति और संयम का रास्ता दिखाया। राष्ट्र संत विद्यासागर महाराज का जीवन राष्ट्रभक्ति और जनसेवा को समर्पित रहा। उनके द्वारा स्थापित कई सामाजिक प्रकल्प आज भी डोंगरगढ़ में सक्रिय हैं। जैन समाज के मुताबिक क्षेत्र में स्थित प्रतिभा स्थली स्कूल बेटियों की शिक्षा के प्रति उनकी विशेष प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ आवासीय स्कूल है। इसके अतिरिक्त, चंद्रगिरी तीर्थ में हथकरघा उद्योग और एक विशाल गौशाला भी संचालित है, जो उनकी सामाजिक दृष्टि को प्रतिबिंबित करते हैं।

आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ एक और केस खारिज

आय से अधिक संपत्ति मामला, केंद्रीय एजेंसी ने दर्ज किया था ईसीआईआर, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

बिलासपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी की ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) को निरस्त करने का आदेश दिया है। इस रिपोर्ट में उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इसके साथ ही डिवीजन बेंच पहले जारी किए गए दोनों नोटिस को भी रद्द कर दिया है।

बता दें कि नई दिल्ली की हेड इन्वेस्टिगेटिंग यूनिट ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। दरअसल, जब आईपीएस जीपी सिंह पर राजद्रोह और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया, तब उन पर यह आरोप लगा था कि उन्होंने अपनी पत्नी मनप्रीत कौर के नाम पर संपत्ति बनाई है।

इसी मामले में एसीबी के अलावा नई दिल्ली की हेड इन्वेस्टिगेटिंग यूनिट ने धन-शोधन अधिनियम के तहत आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ ईसीआईआर दर्ज किया था। इसके बाद उन्हें नोटिस जारी कर उनकी पत्नी मनप्रीत कौर के नाम पर अर्जित की गई संपत्ति का मांगा था। इस दौरान जीपी सिंह ने राज्य सरकार की तरफ से दर्ज आपराधिक प्रकरणों के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया था। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने आय से अधिक संपत्ति सहित अन्य सभी मामलों को खारिज कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने नई दिल्ली द्वारा दर्ज ईसीआईआर को निरस्त करने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी।

इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई। केस में जीपी सिंह की पत्नी मनप्रीत कौर की तरफ से एडवोकेट ने तर्क दिया कि वह विभिन्न प्राइवेट कॉलेजों में गेस्ट लेक्चरर के रूप में काम कर चुकी हैं।

उनकी शैक्षणिक योग्यता एमएससी लाइफ साइंस और लाइफ साइंस में पीएचडी है। पीसी कल्चर में उनकी स्पेशलाइजेशन है। शादी से पहले उन्होंने ट्यूशन और नौकरी से कमाए पैसों की बचत की थी। शादी के बाद उन्होंने एजुकेशनल कंसलटेंट और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट की क्लासेस शुरू की थीं। बुधवार को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने जीपी सिंह के खिलाफ दर्ज ईसीआईआर को रद्द कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि संपूर्ण आपराधिक कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण जांच पर आधारित थी, जिसमें कोई ठोस आधार नहीं था। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2 महीने पहले छत्तीसगढ़ के सीनियर आईपीएस जीपी सिंह को बहाल करने का आदेश जारी कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने फिर से सर्विस ज्वॉइन की। जीपी सिंह पर आय से अधिक संपत्ति, राजद्रोह और ब्लैकमेलिंग केस में कार्रवाई की गई थी। जीपी सिंह खुद एसीबी के चीफ थे। जब उनके घर पर साल 2021 में छापा पड़ा तो वो एडीजी रैंक पर थे। जांच से जुड़े अफसरों ने बताया था कि उनके घर से कुछ डायरियां और डायरियों के फटे पन्ने मिले हैं। इस डायरी में जादू-टोने से जुड़ी बातें लिखी हुई हैं। एक डायरी में कोड वर्ड में कुछ अफसरों के बारे में अजीब बातें लिखी हैं। डायरी में लिखा है- वो थाईलैंड से 20 पैर वाला कछुआ मंगवा चुके हैं। उसकी बलि देने के बाद वह कुछ भी कर सकेगा। इनमें से एक अफसर का नाम छोटा टकला लिखा गया। 2 और अफसरों के लिए अनोपचंद-तिलोकचंद लिखा हुआ है। वहीं कुछ आईएएस अधिकारियों, सचिव स्तर के अफसरों, कांग्रेस-भाजपा के नेताओं का नाम भी कोड वर्ड में लिखा मिला था।

अभी तो मोहरा गया है, मुख्य गुनहगार भी जाएगा जेल

शराब घोटाले में सीएम ने इशारों से किस पर बोला हमला

कोरबा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनावों के लेकर बीजेपी ने चुनाव अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को सीएम साय ने रायगढ़ और कोरबा में जनसभा को संबोधित किया। सीएम साय ने कोरबा में जनसभा को sसंबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सीएम साय ने कहा- कांग्रेस सरकार में छत्तीसगढ़ में हर तरफ भ्रष्टाचार था। शराब, कोयला, बालू, डीएमएफ, महादेव एप घोटाला ये सब कांग्रेस ने किया।

सीएम साय ने कहा- कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के युवाओं के भविष्य को खराब किया। पीएससी जैसी संस्था को बदनाम किया। जिससे जनता का विश्वास कांग्रेस सरकार से उठ गया था। आज पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है, जिसके दोषी जेल के अंदर है, उनका बेल नहीं हो रहा। कोयला और शराब के घोटालेबाज भी जेल के अंदर हैं। सीएम साय ने शराब घोटाले को लेकर पूर्व मंत्री कवासी लखमा पर भी हमला बोला।

सीएम ने कहा- अभी तो केवल मोहरा अंदर गए हैं, शराब घोटाला में पूर्व आदिवासी मंत्री अभी जेल में हैं, इसके मुख्य गुनहगार भी जेल में होंगे। बता दें कि शराब घोटाले में कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री कवासी लखमा को ईडी ने गिरफ्तार किया है। ईडी की गिरफ्तारी के बाद कवासी लखमा जेल में हैं।

ईडी की दावा है कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला 2100 करोड़ से ज्यादा का है। शराब सिडिकेंट ने गिरोह अनाकार शराब से अवैध रूप से 2100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। जिससे राज्य सरकार के राजस्व का नुकसान हुआ है।

ईडी का आरोप है कि पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा शराब सिंडिकेट का अहम हिस्सा थे। 3 साल तक शराब घोटाला चला। कवासी लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। इस दौरान 36 महीने में लखमा को कुल 72 करोड़ रुपए मिले।

काउंसिलिंग में बीएड डिग्रीधारी भी होंगे शामिल

बिलासपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में टीचर भर्ती विवाद पर हाईकोर्ट ने एक नया आदेश जारी किया है। इसमें डीएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए 10 फरवरी से होने वाली काउंसिलिंग में बीएड डिग्रीधारी उन अभ्यर्थियों को भी शामिल किया जाएगा, जिन्होंने अपनी डीएड डिप्लोमा का उल्लेख नहीं किया है। साथ ही मामले में राज्य शासन से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश पर डीएड अभ्यर्थियों की भर्ती करने के लिए पूर्व में शासन ने 2855 अभ्यर्थियों की लिस्ट हाईकोर्ट में पेश की थी। इस दौरान हाईकोर्ट ने शासन को आदेश का पालन करने के लिए 15 दिन का समय दिया था। साथ ही न्यायालय के आदेश का पालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी थी। जिसके बाद राज्य शासन ने बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों की सेवा समाप्ति करने का आदेश जारी किया है। साथ ही 10 फरवरी से डीएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए काउसिंलिंग करने का आदेश दिया है। इधर, स्वाति देवांगन समेत कई बीएड डिग्रीधारी उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में नए सिरे से याचिका दायर की है। इसमें कहा है कि याचिकाकर्ता भी शिक्षा विभाग की उस काउंसिलिंग में शामिल होना चाहते हैं, जिसमें डीएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया होगी। याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ताओं ने बीएड से पहले डीएड डिप्लोमा भी किया है। लेकिन, पहले अपने आवेदन में इसका उल्लेख नहीं कर पाए थे। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस एके प्रसाद ने कहा कि केस में मेरिट्स पर कोई निर्देश नहीं दिया जाएगा। लेकिन, काउंसिलिंग में याचिकाकर्ता डीएड अभ्यर्थियों को भी शामिल करने की अनुमति दी जा सकती है। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में शासन से 4 सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

महाकुंभ मेले की भगदड़ में खो गए थे जोगिंदर सिंह

ठंड में काटी 5 रातें

जमशेदपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अगर ईश्वर की कृपा हो, तो कोई भी अनहोनी टल सकती है। यह बात जमशेदपुर के जोगिंदर सिंह पर पूरी तरह सटीक बैठती है। महाकुंभ मेले में शाही स्नान के लिए गए जोगिंदर सिंह 29 जनवरी को अचानक मची भगदड़ में अपने साथियों से बिछड़ गए थे। काफी खोजने के बाद भी जब जोगिंदर सिंह नहीं मिले तो उनके बेटे ने पर्चे छपवाए और तलाश शुरू कर दी। 6 दिन की लंबी तलाश के बाद 3 फरवरी को आखिरकार जोगिंदर सिंह प्रयागराज स्टेशन के पास सुरक्षित मिले, जिससे उनके परिवार ने राहत की सांस ली। इस दौरान जोगिंदर सिंह ने अपनी पांच रातें ठंड में काटीं। अब जोगिंदर अपने परिवार के साथ आज बुधवार को जमशेदपुर लौट आए।

मानगो, जमशेदपुर के रहने वाले जोगिंदर सिंह 27 जनवरी को अपने सात साथियों के साथ महाकुंभ मेले के लिए रवाना हुए थे। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर, जब वे सुबह चार बजे स्नान के लिए निकले, तभी अचानक भगदड़ मच गई। अफरा-तफरी में वे अपने साथियों से अलग हो गए और रास्ता न पहचान पाने के कारण भटक गए। इस दौरान उनका मोबाइल, कपड़े और पैसे टेंट में ही छूट गए, जिससे उनसे संपर्क करना असंभव हो गया।

जब जोगिंदर सिंह के लापता होने की खबर परिवार को मिली, तो घर में हड़कंप मच गया। उनकी बेटी सीमा देवी, बेटा सूरज सिंह और दामाद संतोष सिंह उसी दिन प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। उम्मीद थी कि प्रशासन से मदद मिलेगी, लेकिन उन्हें किसी भी तरह की सहायता नहीं मिली।

सीमा देवी ने बताया कि वे लगातार थानों, अस्पतालों और मेले के विभिन्न हिस्सों में भटकते रहे। यहां तक कि अनाथ पड़े शवों को भी देखने अस्पताल जाना पड़ा। लेकिन अधिकारी कोई स्पष्ट जवाब देने को तैयार नहीं थे। परिवार की अथक कोशिशों के बाद आखिरकार 3 फरवरी की रात 9 बजे प्रयागराज स्टेशन के पास जोगिंदर सिंह मिल गए। उन्हें सुरक्षित पाकर परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन की लचर व्यवस्था को उजागर किया, जहां जरूरतमंदों को समय पर कोई सहायता नहीं मिलती।

हमास ने अपने समलैंगिक लड़ाकों को मौत की सजा दी

गाजा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइली सेना (आईडीएफ) को गाजा से हमास के कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट मिले हैं। इनमें बताया गया है कि फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने समलैंगिक संबंध रखने वाले उसके कई लड़ाकों का टॉर्चर करके कत्ल कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास के 94 लड़ाकों ने 2023 में इजराइल से किडनैप किए गए पुरुष बंधकों के साथ रेप किया था। हालांकि इसमें से कितनों को सजा दी गई इसकी जानकारी सामने नहीं आई। बरामद दस्तावेज से पता चला है कि हमास के पास ऐसे लड़ाकों की लिस्ट थी जो समलैंगिकता में शामिल थे और वो संगठन की नैतिक जांच का पालन करने में नाकाम रहे। इन लड़कों पर समलैंगिक बातचीत, लड़कियों के साथ छेड़खानी और अप्राकृतिक यौन संबंध का आरोप था।

वीआईपी-रोड पर रशियन युवती का हाई-वोल्टेज ड्रामा

नशे में 3 बाइक सवारों को कार से मारी टक्कर, भारत सरकार लिखी गाड़ी में थी सवार

रायपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर के वीआईपी रोड पर गुरुवार देर रात रशियन युवती ने जमकर हंगामा किया। नशे में धुत कार सवार युवती ने पहले 3 बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। जब लोगों ने कार को रोका और पुलिस मौके पर पहुंची तो युवती ने जमकर हंगामा मचाया।

इस मामले में तेलीबांधा पुलिस ने युवती और उसके साथ मौजूद एक युवक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। युवती जिस कार में सवार थी। उसमें भारत सरकार लिखा हुआ था। फिलहाल घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। घटना रात करीब 12:30 बजे की है। पुलिस को सूचना मिली कि एक तेज रफ्तार कार ने तीन बाइक सवारों को टक्कर मार दी है। कार में भारत सरकार लिखा हुआ था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह कार डीआरआई (डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) के लोक अभियोजक भावेश आचार्य की थी। लेकिन वारदात के दौरान कार को उनकी दोस्त उज़्बेकिस्तान ताशकंद की निवासी नोदिरा चला रही थी। जानकारी के मुताबिक, सरकारी वकील और विदेशी युवती घटना के दौरान शराब के नशे में चूर थे। दोनों पब से निकलकर सिगरेट लेने जा रहे थे। नोदिरा तेज रफ्तार में कार ड्राइव कर रही थी। इस दौरान वीआईपी रोड में उन्होंने एक के बाद एक 3 बाइक को टक्कर मारी। इनमें से एक बाइक पर तीन युवक नीलकमल साहू, ललित चंदेल और अरुण विश्वकर्मा सवार थे। जो रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार के रहने वाले हैं। ये वीडियो शूटिंग से जुड़ा काम करते हैं। एक्सीडेंट से तीनों बुरी तरह घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने कार को रुकवाया गया। मौके में तेलीबांधा पुलिस पेट्रोलिंग टीम भी पहुंच गई। कार से बाहर निकलने के बाद विदेशी युवती ने हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर उसका फोन गुम गया। जिसके बाद वहां खड़े लोगों पर फोन रखने का आरोप लगाकर मोबाइल मांगने लगी। पुलिस उसे लगातार थाने चलने को कहती रही लेकिन नशे की हालत में वहां हंगामा करती रही। नोदिया रायपुर टूरिस्ट वीजा में आई हुई थी। फिलहाल वह रायपुर में कहां रहती है यह नहीं पता चल पाया है। फिलहाल तेलीबांधा पुलिस ने युवक-युवती दोनों को मेडिकल के लिए भेजा है। इसके बाद यह साफ हो पाएगा कि उन्होंने अल्कोहल कितनी मात्रा में ली थी।

तेलीबांधा थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि आरोपियों पर तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाकर एक्सीडेंट करने पर मामला दर्ज किया गया है।

बांग्लादेश में फिर हिंसा

हसीना के पिता के घर तोड़फोड़-आगजनी, पूर्व पीएम बोलीं- याद रखना इतिहास बदला लेता है

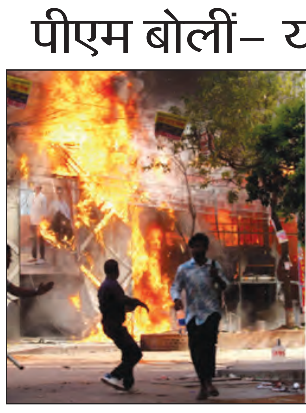

ढाका, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अवामी लीग के प्रस्तावित देशव्यापी विरोध प्रदर्शन से पहले कई शहरों में बुधवार देर रात फिर हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान 'बंगबंधु' के ढाका स्थित धनमंडी-32 आवास पर धावा बोला और तोड़फोड़ की।

उधर, खुलना में शेख हसीना के चचेरे भाई शेख सोहेल, शेख जेवेल के घरों को दो बुलडोजरों से ध्वस्त कर दिया गया है। इस हिंसा को लेकर शेख हसीना ने कहा कि किसी ढांचे को मिटाया जा सकता है, लेकिन इतिहास को नहीं मिटाया जा सकता।

बांग्लादेश में हाल ही में हिंसा की शुरुआत सोशल मीडिया पर 'बुलडोजर जुलूस' के ऐलान के बाद हुई। जब हमला हुआ, तब वहां सुरक्षाबल भी मौजूद थे। भीड़ को वहां से जाने के लिए समझाने की कोशिश की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। कुछ उपद्रवी शेख मुजीब के आवास और संग्रहालय में भी घुस गए। बालकनी पर चढ़ गए और तोड़फोड़ की। बताया जा रहा है कि आवास में आगजनी भी की गई है। इसके कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। दरअसल, शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 6 फरवरी को अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को सड़क पर उतरने की अपील की थी। पार्टी पूर्व पीएम हसीना पर लगे कथित मामले दर्ज करने और अल्पसंख्यकों पर हमले के विरोध में मार्च निकालने का आह्वान किया था। कल शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के 6 महीने पूरे हो गए हैं। रात 9 बजे शेख हसीना अपने समर्थकों के लिए ऑनलाइन भाषण देने वाली थीं। इससे पहले '24 रिवोल्यूशनरी स्टूडेंट-जनता' नाम के छात्र संगठन ने इसके विरोध में रात 9 बजे 'बुलडोजर मार्च' निकालने का ऐलान किया। इसके लिए सोशल मीडिया पर प्रचार किया गया। इसमें शेख हसीना के पिता का घर गिराए जाने की बात कही गई, लेकिन प्रदर्शनकारी 8 बजे ही शेख मुजीबुर्रहमान के घर धनमंडी-32 पहुंच गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी।

प्रदर्शनकारी शेख मुजीबुर्रहमान के घर का मेनगेट तोड़कर अंदर घुस गए। इस दौरान वे 'फांसी दो, फांसी दो। शेख हसीना को फांसी दो।' पूरे बंगाल (बांग्लादेश) को खबर दो, मुजीबुर्रहमान की कब्र खोद दो' 'अवामी लीग के लोगों को पीटो, बांग्लादेश में वे नहीं रहेंगे' के नारे लगा रहे थे।

रूस ने सू-57 स्टील्थ फाइटर जेट पर भारत को दिया 'ललचाने वाला' ऑफर

मॉस्को, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना जल्दी ही 100 से ज्यादा फाइटर जेट खरीदने की योजना पर काम कर रही है। इंडियन एयरफोर्स फिलहाल फाइटर जेट की भारी कमी से जूझ रही है। ऐसे में कई देश भारत को आधुनिक जेट बेचना चाहते हैं। रूस की ओर से लगातार कोशिश की जा रही है कि भारत उसके पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान सू-57 खरीदे। रूस की ओर से भारत को ये यकीन दिलाने की कोशिश हो रही है कि उसका विमान अमेरिका के एफ-35 से बेहतर हैं। ऐसे में रूस ने भारत को अपना अत्याधुनिक सू-57 लड़ाकू विमान बेचने के लिए नया ऑफर दिया है। इस ऑफर को रूस की अमेरिकी विमान को रेस से बाहर करने की कोशिश की तरह भी देखा जा रहा है। रूस ने भारत के सामने प्रस्ताव रखा है कि वह भारत के साथ मिलकर सू-57 विमान बनाने और इसके भारतीय संस्करण को विकसित करने में तकनीकी मदद देने को तैयार है। यह जानकारी रूसी हथियार निर्यातक कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने दी है। यह खबर ऐसे समय आई है, जब सू-57 को बेंगलुरु में होने वाले एरो इंडिया-2025 में प्रदर्शित करने की तैयारी चल रही है। दूसरी ओर अमेरिका ने अपने एफ-35 और एफ-16 विमानों का यहां प्रदर्शन रद्द कर दिया है। रूसी मीडिया ताश के मुताबिक, रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के सीआईओ अलेक्जेंडर मिखीव ने कहा, 'भारत को सिर्फ सू-57ई विमान बेचने की ही पेशकश नहीं की जा रही है, बल्कि भारत में ही इनका उत्पादन करने में भी मदद दी जाएगी। साथ ही भारतीय पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास में भी सहायता दी जाएगी। यानी सू-57ई प्रोजेक्ट पर हमारे प्रस्तावों में तैयार विमानों की आपूर्ति, भारत में उनका संयुक्त उत्पादन और भारतीय पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास में सहायता शामिल है।

गिरिडीह से लापता किशोरी की पहचान

झाड़ी से मिली लाश, 27 जनवरी से गायब थी 17 साल की नीता

देवघर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। देवघर में एक किशोरी की रहस्यमयी मौत का मामला सामने आया है। कुंडा थाना क्षेत्र के चित्तोलोढ़िया गांव की झाड़ी में 3 जनवरी को मिली लाश की पहचान गिरिडीह जिले की 17 वर्षीय नीता कुमारी के रूप में हुई। नीता अपने घर से 27 जनवरी से लापता थी।

पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान के लिए उसकी तस्वीर आसपास के जिलों में भेजी गई थी।

नीता के परिजनों ने देवघर सदर अस्पताल पहुंचकर शव की पहचान की, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए उसे गांव ले जाया गया।

माता-पिता से अनाथ नीता की गुमशुदगी की रिपोर्ट देवरी थाने में दर्ज कराई गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए गिरिडीह पुलिस ने पास्कल टोप्पो के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है।

इस टीम में देवरी, हीरोडीह, जमुआ और नवडीहा थाना प्रभारियों को शामिल किया गया है। पुलिस किशोरी की मौत के कारणों और संभावित आरोपियों की तलाश में जुटी है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नीता की हत्या किसने और क्यों की।

पास्टर ने प्रभु का डर दिखाकर कराया धर्मांतरण

चंगाई सभा में किया ब्रेन वॉश, निगम कर्मी की शिकायत पर पति-पत्नी पर केस दर्ज

बिलासपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले में जोरों पर धर्मांतरण का खेल चल रहा है। संबलपुरी के रहने वाले निगम कर्मी उत्तरा कुमार साहू ने पास्टर संतोष मोसेस और उसकी पत्नी अनु मोसेस पर जबरन धर्मांतरण करवाने का आरोप लगाया है।

उत्तरा के मुताबिक उनके परिवार और ससुरालवालों ने ईसाई धर्म अपना लिया है, लेकिन वह धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहता। इसके बावजूद घर में आकर पास्टर और उसकी पत्नी जबरन ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बना रहे हैं।

साथ ही उसके परिवार के लोगों को प्रभु के प्रकोप का डर दिखाते हैं। इसके कारण उसके परिवार के लोग भी घबराए हुए हैं। लगातार दबाव बनाने से परेशान होकर निगमकर्मी ने सकरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पास्टर पति-पत्नी के खिलाफ केस दर्ज किया है। उत्तरा कुमार साहू के मुताबिक अगर कोई बीमार हो गया तो उसे टारगेट किया जाता है। उसे चर्च में या फिर घर में सभा में बुलाया जाता है। उसे ठीक करने के लिए प्रार्थना करते हैं। इसके बाद लोगों की छोटी-मोटी मदद कर भरोसा जीता जाता है।

पीड़ित उत्तरा कुमार साहू ने बताया कि जब घर में पुरुष नहीं रहते हैं, तो महिलाओं को चंगाई सभा में बुलाया जाता है। उन्हें खाना खिलाया जाता है। ईसाई धर्म को लेकर ब्रेन वॉश किया जाता है।

पीड़ित साहू ने बताया कि जब पत्नी और बच्चे उनके वश में आ जाते हैं, तो पत्नी और बच्चों से पति पर धर्म बदलने के लिए दबाव डलवाते हैं। पति को शराब की लत छुड़वाने में मदद करने का झूठा आश्वासन भी देते हैं।

धर्म परिवर्तन करा चुके लोगों का त्योहारों के उत्साह से मन न भटके, इसलिए उन्हें प्रार्थना के नाम पर 3-4 दिन तक घरों से दूर रखा जाता है।

'प्रेस पर शिकंजा खतरे की आहट'; अन्ना विवि यौन उत्पीड़न एफआईआर लीक केस में हाईकोर्ट की टिप्पणी

चेन्नई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए अपने एक आदेश में उसकी स्वतंत्रता पर अहम टिप्पणी की है। हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी के इलानथिरायन ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता और गोपनीयता सहयोगी हैं, वहीं उसकी निगरानी करना हमले के डर की तरह ही है। न्यायमूर्ति जी के इलानथिरायन ने यह टिप्पणी चेन्नई प्रेस क्लब और तीन पत्रकारों द्वारा दायर याचिकाओं का निपटारा करते हुए की। इस याचिका में अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न एफआईआर लीक मामले की जांच की आड़ में पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) को उन्हें परेशान करने से रोकने की मांग की गई थी। इस मामले में फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि जांच की आड़ में याचिकाकर्ताओं (रिपोर्टरों) के मोबाइल फोन जब्त करना, उन्हें उनके व्यक्तिगत और निजी डेटा की जानकारी तक पहुंच देने के लिए मजबूर करने के साथ ही निजी और गोपनीय जानकारी प्रकट करने के लिए कहना और कुछ नहीं बल्कि प्रेस पर हमला करने और निगरानी के डर से उन पर अत्याचार करना है। आगे न्यायाधीश ने कहा कि समाचार एजेंसी द्वारा प्राप्त या रिपोर्ट की गई जानकारी का स्रोत प्रेस परिषद अधिनियम की धारा 15(2) के अनुसार विशेषाधिकार प्राप्त संचार के दायरे में आता है। ऐसे में मोबाइल फोन या अन्य उपकरणों को जब्त करने से सूचना के स्रोत का खुलासा हो जाएगा। बावजूद इसके जांच अधिकारी ने याचिकाकर्ताओं के सेल फोन जब्त कर लिए। वह भी उनके उपकरणों में मौजूद किसी भी जानकारी के बिना। वहीं, याचिकाकर्ताओं ने कभी भी प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) अपलोड नहीं की या इसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट नहीं किया। ऐसे में जांच अधिकारी को याचिकाकर्ताओं से सेल फोन जब्त नहीं करना चाहिए था। यह प्रेस परिषद अधिनियम की धारा 15(2) का साफ उल्लंघन है। अदालत ने यह भी कहा कि जांच के दौरान एसआईटी ने एफआईआर दर्ज कराने वाले और उसे पुलिस के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करने वाले लोगों से भी पूछताछ नहीं की। साथ ही मामले में जांच कर रहे अधिकारियों ने याचिकाकर्ताओं की तरह कोई समन और प्रश्नावली जारी नहीं की। ऐसे में यह कहना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एफआईआर दर्ज करते समय पुलिस ने सिर्फ इतना कहा कि तकनीकी खामियों के कारण इसे वेबसाइट पर अपलोड किया गया। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न एफआईआर लीक मामले में पहले उस व्यक्ति की जांच की जानी चाहिए थी जिसने जिसने एफआईआर अपलोड की थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में शीर्ष कोर्ट के एक फैसले का हवाला भी दिया। अदालत ने कहा कि भले ही एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस के आधिकारिक वेब पोर्टल पर अपलोड की जाती है। लेकिन, संवेदनशील प्रकृति के अपराधों जैसे यौन अपराध, उग्रवाद, आतंकवाद और पोक्सो अधिनियम के तहत संबंधित मामलों में एफआईआर अपलोड नहीं की जानी चाहिए थी। इसलिए, यौन अपराधों से संबंधित एफआईआर अपलोड करना भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का स्पष्ट उल्लंघन था। मामले में फैसला देते हुए हाईकोर्ट ने यौन अपराधों से संबंधित एफआईआर अपलोड करने के मुद्दे की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया। हालांकि एसआईटी के लिए अदालत ने कई निर्देश भी जारी किए। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि एसआईटी के पास जांच के उद्देश्य से याचिकाकर्ताओं को बुलाने की शक्ति है, लेकिन याचिकाकर्ता को किसी भी तरह से परेशान नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को 31 जनवरी के समन के अनुसार एसआईटी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित होने और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। साथ ही एसआईटी को बीएनएसएस की धारा 179 और 94 के तहत जारी 31 जनवरी, 2025 के समन के अनुसार 10 फरवरी या उससे पहले सभी याचिकाओं में याचिकाकर्ताओं से पूछताछ पूरी करने को कहा। इसके अलावा, न्यायाधीश ने कहा कि एसआईटी याचिकाकर्ताओं के मोबाइल फोन, उपकरण आदि तुरंत लौटाए, जो पूछताछ के दौरान उनसे जब्त किए गए थे। अदालत ने कहा कि पुलिस टीम याचिकाकर्ताओं के व्यक्तिगत विवरण - उनके दोस्तों, रिश्तेदारों, रिश्तेदारों, उनके गोपनीय स्रोतों और अन्य के बारे में पूछताछ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जांच के विवरण को सामान्य डायरी और केस डायरी में दर्ज किया जाएगा। न्यायाधीश ने कहा, एसआईटी को पूछताछ की आड़ में याचिकाकर्ताओं को परेशान करने से रोका गया। अदालत ने कहा कि एसआईटी पूछताछ की आड़ में कोई अप्रासंगिक सवाल नहीं पूछेगी।

क्या है मामला?

अन्ना यूनिवर्सिटी में हुई घटना ने पूरे चेन्नई को हिलाकर रख दिया है। तमिलनाडु की राजनीति गरमाने लगी है। यहां एक इंजीनियरिंग की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। मामला तब सामने आया, जब छात्रा ने इसकी पुलिस से खुद शिकायत की थी। शुरू में पुलिस ने केस को हल्के में लिया और कोई कार्रवाई नहीं की। सोशल मीडिया पर केस उछला तब पुलिस हरकत में आई। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

तमिलनाडु में शिक्षकों ने ही किया छात्रा का यौन उत्पीड़न, लोगों में आक्रोश; विपक्ष ने सरकार को घेरा

कृष्णागिरी, 6 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले से चौंकाने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक सरकारी स्कूल में तीन शिक्षकों ने 13 वर्षीय छात्रा का यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने पोक्सो के तहत मामला दर्ज करके तीनों शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया। शिक्षा विभाग ने तीनों शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं घटना सामने आने के बाद लोगों ने आक्रोश जताया। साथ ही छात्राओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया। जिले के एक स्कूल में पढ़ने वाले 13 वर्षीय छात्रा लंबें समय से स्कूल नहीं जा रही थी। इसके बाद स्कूल के शिक्षक तीन फरवरी को उसकी लंबी अनुपस्थिति के बारे में पूछताछ करने के लिए छात्रा के घर गए थे। शिक्षकों को छात्रा के माता-पिता ने तीन शिक्षकों द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने की जानकारी दी। इसके बाद स्कूल के शिक्षकों ने माता-पिता से पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा। मामले को जिला बाल संरक्षण इकाई ने भी उठाया। पुलिस ने बताया कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका और खंड शिक्षा अधिकारी ने पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल के तीन शिक्षकों के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कराया। इसके बाद मुख्य शिक्षा अधिकारी ने तीनों को निलंबित करने का आदेश दिया। पुलिस ने बताया कि दतीनों शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया गया है और 5 फरवरी को उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया। तीनों शिक्षकों से पूछताछ की जा रही है।

विपक्ष ने सरकार को घेरा

घटना को लेकर एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने हैरानी जताई। उन्होंने डीएमके सरकार पर स्कूल परिसर में छात्राओं की सुरक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को घटना की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों के लिए अधिकतम सजा की मांग की। वहीं कृष्णागिरी के जिला कलेक्टर सी दिनेश कुमार ने कहा कि प्रभावित छात्र को परामर्श दिया जा रहा है।

पत्नी गई मायके तो खिल उठा ऑटो ड्राइवर का चेहरा, खुशी में बांट डाले बिस्किट

बेंगलुरु, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु से एक दिलचस्प मामला सामने आया है, यहां एक ऑटो ड्राइवर अपनी पत्नी के मायके जाने से इतना खुश हुआ कि वह लोगों को बिस्किट बांटने लगा। यहां तक की उसने अपने ऑटो में एक पेपर भी चिपकाया, जिस पर उसने लिखा हुआ था, पत्नी मायके चली गई, मैं खुश हूं" यानी मैं बहुत खुश हूं। क्योंकि मेरी पत्नी अपने माता-पिता के घर चली गई है। ऑटो ड्राइवर का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह बिस्किट बांट रहा है। उसने अपने ऑटो में सीट के पीछे पेपर पर लिखा है और वहीं पर बिस्किट भी रखे हैं। यानी ऑटो ड्राइवर अपनी पत्नी के मायके जाने से इतना खुश है कि फूले नहीं समा रहा है और खुशी से बिस्किट बांट रहा है। इंस्टाग्राम पर एक अकाउंट पर ऑटो ड्राइवर की फोटो भी शेयर की गई है। ऑटो ड्राइवर की पोस्ट पर लोग खूब मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि कुछ दिन खुशी तो वहीं एक और यूजर ने लिखा, "अपनी पत्नी से इतने दुखी हैं।" एक ने लिखा, "तुमने इसकी जिंदगी बर्बाद कर दी, ये बेचारा खुश था।

अब ये सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। अगर उसकी पत्नी को पता चल गया तो इसे ऑटो में ही सोना पड़ेगा।" इस तरह के कई मजेदार कमेंट्स लोग ऑटो ड्राइवर के लिए कर रहे हैं। यही नहीं कुछ लोगों ने ऑटो ड्राइवर की इस खुशी को आजादी भी बताया। कुछ लोग ऑटो ड्राइवर के पत्नी के मायके जाने पर इतना खुश होने को कुछ दिन की खुशी बता रहे हैं। इस तरह ये ऑटो ड्राइवर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना गया है, जो अपनी पत्नी के मायके जाने पर बिस्किट बांट रहा था। ऑटो ड्राइवर के इस तरीके का कुछ लोगों ने मजाक भी बनाया।

इस्लामिक समूहों पर क्यों लग रहा थिरुपरनकुंद्रम मलाई के मंदिर पर कब्जे का आरोप?

थिरुपरनकुंद्रम, 6 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में थिरुपरनकुंद्रम मलाई की पहाड़ियों पर स्थित सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर को लेकर पिछले एक महीने से इस्लामिक संगठनों की ओर से विरोध किया जा रहा है। ये मंदिर भवान मुरुगा के 6 दिव्य निवासों में से सबसे प्रमुख है। इस्लामिक समूह की ओर से दावा किया जा रहा है कि थिरुपरनकुंद्रम मलाई पर उनका समान अधिकार हैं, क्योंकि सुल्तान सिकंदर शाहीद वलीउल्लाह बदुशाह के नाम पर एक दरगाह है। जो कासी विश्वनाथर मंदिर के पास पहाड़ी के दूसरी ओर स्थित है। इस्लामिक समूह थिरुपरनकुंद्रम मलाई को सिकंदर मलाई कहते हैं। हिंदू हजारों सालों से थिरुपरनकुंद्रम मलाई में भगवान सुब्रमण्य स्वामी की पूजा करते आ रहे हैं। वहीं पिछले दो सौ सालों से, मुसलमान इस पर सुल्तान सिकंदर शहीद वलीउल्लाह बादुशाह के नाम पर दरगाह बनाकर थिरुपरनकुंद्रम मलाई पर अपने अधिकार की बात कर रहे हैं। मुसलमानों के मुताबिक, सुल्तान सिकंदर बादुशाह 12वीं शताब्दी में हिंदुओं के बीच इस्लाम का प्रचार करने के लिए सऊदी अरब के जेद्दा से तमिलनाडु आए थे। उन्हें थिरुपरनकुंद्रम मलाई में एक युद्ध में पांड्य राजा ने मार दिया था। मुसलमानों की तरफ से यह भी दावा किया जाता है कि उन्होंने कुरान के पाठ के माध्यम से स्थानीय लोगों की बीमारियों को ठीक किया था। उनके सम्मान में यहां पर दरगाह बनवाया गया था। तब से हिंदू और मुसलमान दोनों ही दरगाह पर पूजा करते आ रहे हैं। एसडीपीआई, थिरुपरनकुंद्रम मलाई पर अधिकार के लिए सक्रिय रूप से शामिल दिखाई दे रहे हैं। 5 जनवरी को, एसडीपीआई कैडरों और जमात सदस्यों के एक समूह ने मुसलमानों को नमाज अदा करने के लिए दरगाह तक जाने की मांग को लेकर विरोध किया। इस मामले को लेकर विरोध उस समय बढ़ गया जब इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद नवाज गनी के सहयोगियों की ओर से वहां पर मांसाहारी भोजन का सेवन किया। 22 जनवरी को फील्ड जांच के लिए थिरुपरनकुंद्रम मलाई के दौरे के दौरान एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मुलाकात की और मुस्लिम पक्ष के समर्थन में एक ज्ञापन सौंपा। इस बीच हिंदू मुन्नानी की ओर से 4 फरवरी को सेव थिरुपरनकुंद्रम मलाई नाम से विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई। 3 फरवरी को हिंदू विरोधी संगठनों और हिंदू विरोधी कार्यकर्ताओं के संघ ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और हजारों की संख्या में हिंदू विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

दिल्ली चुनाव के एग्जिट पोल पर स्वाति मालीवाल का चौंकाने वाला बयान

'मैं तो बस यही आशा करती हूं कि अगली सरकार दिल्ली के लोगों के लिए काम करेगी'

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के समाप्त होने के बाद तमाम एग्जिट के आंकड़े सामने आ गए हैं। इन एग्जिट पोल पर लगातार प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी की बागी राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता बहुत समझदार है। उन्होंने सोच-समझ कर ही वोट किया है। एग्जिट पोल कभी सही होते हैं, कभी गलत होते हैं। बहुत नजदीकी मुकाबला है। स्वाति मालीवाल ने आगे कहा, मैं तो बस यही आशा करती हूं कि अगली सरकार दिल्ली के लोगों के लिए काम करेगी। सड़क, पानी, यमुना और वायु प्रदूषण जैसे मुद्दों पर अगले पांच साल काम हो। सरकार चाहे किसी की भी बने, वो जनता के लिए काम करे। दिल्ली को पेरिस बनाने का वादा करने वालों ने इसे सूडान जैसा बना दिया। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान के बाद नजरें काउंटिंग पर टिकी हैं। चुनाव को लेकर एग्जिट पोल सामने आए हैं। ज्यादातर में बीजेपी को पूर्ण बहुमत मिलता दिख रहा है। हालांकि, दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी, यह 8 फरवरी को जब वोटों की गिनती होगी और नतीजे आएंगे, तभी पता चलेगा। दिल्ली में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 36 है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कुल 699 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनमें से 603 पुरुष और 96 महिला उम्मीदवार हैं।

एग्जिट पोल के आंकड़े पर एक नजर

आइए एक बार तमाम एजेंसियों के एग्जिट पोल के आंकड़े पर एक नजर डालते हैं। पीपल इनसाइट के एग्जिट पोल के अनुमान के अनुसार, दिल्ली में बीजेपी को 39-44 सीटें, आप को 25-28 सीटें और कांग्रेस को 2-3 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं। पीपुल्स पल्स के एग्जिट पोल के अनुसार बीजेपी को 51-60 सीटें, आप को 10-19 सीटें और कांग्रेस को 0 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं मैटराइज के एग्जिट पोल के अनुमान के अनुसार, दिल्ली में बीजेपी को 35-40, आप को 32-37 और कांग्रेस को 0-1 सीट मिलती हुई दिखाई दे रही है। पी-मार्क के एग्जिट पोल के अनुमान के अनुसार दिल्ली में बीजेपी को 39-49, आप को 21-31 और कांग्रेस को 0-1 सीट मिल सकती है। पोल डायरी के एग्जिट पोल के अनुमान के अनुसार दिल्ली में बीजेपी को 42-50, आप को 18-25 और कांग्रेस को 0-2 सीटें मिलने का अनुमान है। चाणक्य स्ट्रेटजी के एग्जिट पोल में बीजेपी को 39-44 सीटों तक जीत मिल सकती है, जबकि आप को 25-28 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस को 2-3 सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है। जेवीसी पोल के एग्जिट पोल में बीजेपी को 39 से 45 सीट, आप को 22-31 सीटें और कांग्रेस को 0-2 सीट मिलती हुई दिखाई दे रही है।

पंजाब में मिशन रोजगार जारी, हर भर्ती प्रक्रिया पर कड़ी नजर: भगवंत मान

चंडीगढ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार ने कई अहम कदम उठाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ से किए जा रहे प्रयासों से पंजाब के युवाओं के जीवन में काफी बदलाव आया है। सरकार की पहल पर पंजाब में मिशन रोजगार जारी है। सीएम मान का कहना है कि पंजाब में गई सरकारी नौकरियों से हजारों परिवारों का जीवन बदल गया है। पंजाब के विभिन्न विभागों में तकरीबन 50 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और पुलिस सहित कई विभागों में जल्द ही भर्ती अभियान शुरू किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक भर्ती निकालने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक मुख्यमंत्री भगवंत हर प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए हैं। खास बात यह है कि मान सरकार द्वारा भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से पूरी की जा रही है। युवाओं को बिना किसी भ्रष्टाचार या सिफारिश के योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं।

खाली पद प्राथमिकता के आधार पर भरे जा रहे- सीएम

पंजाब में युवाओं की आमदनी बढ़ाने और नौकरी, रोजगार के लिए नए रास्ते बनाए जा रहे हैं। मान सरकार का उद्देश्य है कि पंजाब में अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी मिल सके। पंजाब में विभागों में खाली पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जा रहा है। इससे युवाओं नौकरियां मिल रही हैं और उनके परिवार का जीवन बदल रहा है। राज्य की सरकारी भर्तियां निष्पक्षता के साथ पूरी की जा रही हैं।

फर्जी दस्तावेज से अनुकंपा नियुक्ति पाने वाला पुलिसकर्मी बर्खास्त, लापरवाही पर चार के खिलाफ एक्शन

उज्जैन, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस विभाग में फर्जी शैक्षणिक प्रमाण-पत्र के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने पर एक आरक्षक को उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बर्खास्त कर दिया है। इसके अलावा, चार अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्य में लापरवाही, अनुशासनहीनता और अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर विभागीय जांच के बाद वेतनवृद्धि रोकने सहित अन्य दंडात्मक कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार, पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक 1425 अजहरउद्दीन फारूकी ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर पुलिस विभाग में अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त की थी। शिकायत मिलने पर उसके खिलाफ जांच शुरू हुई थी। विभागीय जांच में फारूकी के खिलाफ आरोप सिद्ध हो गए। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उसने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त की थी। आरोप साबित होने पर एसपी ने उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। इसके अलावा, प्रधान आरक्षक ज्ञानसिंह थाना चिमनगंज मंडी के खिलाफ यह आरोप सिद्ध हुए कि उसने पदस्थापना के दौरान स्टाफ व आमजन से अभद्र व्यवहार कर पुलिस की छवि धूमिल की और ड्यूटी से बिना सूचना दिए अनुपस्थित रहा। विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने पर उसकी एक वेतनवृद्धि रोक दी गई, जिसका प्रभाव भविष्य की वेतनवृद्धि पर भी पड़ेगा। इसी तरह, पुलिस लाइन में पदस्थ रवि ग्वाल के अनधिकृत रूप से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने पर उसकी वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से अवनत कर दी गई। पुलिस लाइन में पदस्थ प्रधान आरक्षक हितेश कटारा को ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में पाए जाने के कारण विभागीय जांच में दोषी पाया गया। इसके चलते, उनकी एक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से अवनत कर दी गई। इसी तरह, एएसआई किशोर इक्का बार-बार अनधिकृत रूप से गैरहाजिर रहने के कारण विभागीय जांच में दोषी पाए गए। हालांकि, उनके स्वास्थ्य कारणों को ध्यान में रखते हुए उन्हें 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

युवाओं की रगों में घुलता रहा सफेद जहर, रोहड़ू व जुब्बल में 2 साल में 200 के करीब युवक सलाखों के पीछे

रोहड़ू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में नशा आज बड़ी समस्या बन गया है। हालात यह हैं कि ऊपरी शिमला के केवल रोहड़ू और जुब्बल दो उपमंडल में चिट्टे के दलदल में फंसे करीब दो सौ युवक जेल की हवा खा चुके हैं। पांच युवकों की नशे के ओवरडोज से मौत हो चुकी है। हाल यह है कि दुर्गम क्षेत्र डोडरा क्वार तक चिट्टा पांव पसार चुका है। वहीं, जिला परिषद उपाध्यक्ष सुरेंद्र रेटका, कृषक सलाहकार समिति के अध्यक्ष सोहन लाल चौहान व अन्य लोगों का कहना है कि पंचायत स्तर से चिट्टे को रोकने की समय पर पहल नहीं हुई और युवाओं की रगों में सफेद जहर घुलता रहा, तो उड़ता पंजाब की तर्ज पर हिमाचल को उड़ता हिमाचल बनने में अधिक समय नहीं बचा है। नशे को जड़ से खत्म करने के लिए पंचायत स्तर पर सरकार को पहल करनी होगी, ताकि युवाओं को चिट्टे की लत से बचाया जा सके। साल 2023 से 31 जनवरी, 2024 तक रोहड़ू, जुब्बल और चिड़गांव पुलिस थाने में चिट्टे के 90 मामले दर्ज किए गए। बीते दो साल में चिट्टे के मामले में करीब 123 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। इन लोगों से करीब सात सौ ग्राम चिट्टा पुलिस ने बरामद किया था। इसके अलावा चिट्टा तस्करी मामले में अंतरराज्यीय शाही महात्मा गिरोह के करीब सरगना समेत 62 गुर्गे गिरफ्तार किए जा चुके हैं। संदीप शाह के गिरोह के कई लोग पुलिस टीम ने अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किए हैं। रोहड़ू, जुब्बल, चिड़गांव कोटखाई क्षेत्र के करीब दो सौ लोगों के खिलाफ चिट्टे के मामले दर्ज हैं। बीते चार साल में इस क्षेत्र के पांच युवाओं की ओवरडोज से जान तक जा चुकी है। चिट्टे के नशे के कारण पहली बार मौत मार्च 2018 में एक युवती की कार के अंदर शिमला में हुई थी। युवती का शव उसके साथियों ने भेखलटी के पास झाड़ियों में फेंक दिया था। साल 2024 को हाटकोटी के पास भटवाड़ी के एक युवक का शव पुलिस ने पुल के पास से बरामद किया था। पिछले साल अक्तूबर में रोहड़ू में ही एक युवक का शव घर के पास खेत में मिला था। उसके जेब से सीरिंज बरामद की गई थी। दो मामले चिड़गांव में नशे के ओवरडोज से मौत के सामने आ चुके हैं। जांच के बाद पुलिस ने तीन मामलों में उनके साथियों के खिलाफ पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले दर्ज किए हैं। चिट्टे से मौत का आंकड़ा इससे कहीं अधिक है, लेकिन परिजन बदनामी के डर से शिकायत दर्ज नहीं करवाते हैं। सैकड़ों युवाओं का प्रदेश व प्रदेश के बाहर नशा मुक्ति केंद्र में उपचार चल रहा है। लोग लोकलाज के कारण इसका सार्वजनिक तौर पर खुलासा नहीं करते।

बच्चे के घाव पर टांके लगाने की बजाय फेवीक्विक से चिपकाया

माता-पिता ने बनाया वीडियो, नर्स निलंबित

बेंगलूरू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के एक सरकारी अस्पताल में घाव पर टांके लगाने के बजाय 'फेवीक्विक' का इस्तेमाल करने वाली नर्स को निलंबित कर दिया गया। फेवीक्विक एक ऐसा रासायनिक पदार्थ है, जो दो चीजों को बेहद मजबूती से चिपका देता है। राज्य सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में नर्स को निलंबित करने का फैसला लिया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवा आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, "फेवीक्विक' एक चिपकने वाला घोल है, नियमों के तहत इसके चिकित्सा उपयोग की अनुमति नहीं है। इस मामले में, बच्चे के इलाज में 'फेवीक्विक' का इस्तेमाल करके ड्यूटी में लापरवाही बरतने के लिए जिम्मेदार स्टाफ नर्स को प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद निलंबित कर दिया गया और नियमों के अनुसार जांच लंबित है।" घटना 14 जनवरी को हावेरी जिले की हनागल तालुका के अदूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उस समय हुई, जब सात वर्षीय गुरुकिशन अन्नप्पा होसामनी को उसके माता-पिता गाल पर गहरे घाव से बहुत अधिक खून बहने के लिए लेकर गये थे। माता-पिता ने नर्स का एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें नर्स यह कहकर उनकी चिंता को दूर करने की कोशिश रही थी कि वह वर्षों से ऐसा करती आ रही है और यह बेहतर है क्योंकि टांके लगाने से बच्चे के चेहरे पर स्थायी निशान रह जाएगा। बाद में उन्होंने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई और वीडियो भी दिखाया। वीडियो साक्ष्य के बावजूद नर्स ज्योति को निलंबित करने के बजाय अधिकारियों ने उसे तीन फरवरी को हावेरी तालुका के गुत्थल स्वास्थ्य संस्थान में स्थानांतरित कर दिया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। बयान के मुताबिक, जिस बच्चे का उपचार किया गया, उसका स्वास्थ्य अच्छा है और संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को इस बार मिलेंगी खास सुविधाएं

ऋषिकेश, 6 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में अप्रैल में शुरू होने वाली चार धाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के साथ ही ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी किए जाएंगे ताकि इंटरनेट का उपयोग नहीं कर पाने वाले तीर्थयात्रियों को कोई परेशानी न उठानी पड़े। अधिकारियों ने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर यहां यात्रा ट्रांजिट कैंप परिसर में गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पाण्डे की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में यात्रा प्रशासन ने पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बार यात्री पंजीकरण की व्यवस्था में बदलाव का निर्णय लिया है। बैठक में तय किया गया कि श्रद्धालुओं के ऑनलाइन पंजीकरण के साथ-साथ 40 फीसदी ऑफलाइन पंजीकरण भी किए जाएंगे ताकि देहात से आने वाले श्रद्धालुओं को इसके झंझट से मुक्ति मिल सके। पिछली बार केवल ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था से यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी थी। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में यह भी तय किया गया कि यात्रियों को पंजीकरण कराने के बाद दिए जाने वाले 'स्लॉट' में यात्रा क्रम का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उनके अनुसार उदाहरण के लिए चारों धाम की यात्रा करने वालों को यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के क्रम में 'स्लॉट' दिए जाएंगे। बैठक में गढ़वाल मंडल आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा मार्गों पर सभी कार्य 15 अप्रैल तक पूरे कर लिए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में मौजूद पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल मंडल, राजीव स्वरुप से परामर्श के बाद पाण्डे ने इस बार यात्रा मार्ग पर हर 10 किलोमीटर पर चीता पुलिस या 'हिल पेट्रोलिंग यूनिट' का दस्ते की तैनाती का भी निर्णय लिया। यह दस्ता मार्ग पर लगने वाले जाम एवं दुर्घटनाओं की स्थिति में तेजी से सक्रिय होगा। बैठक में यात्रा मार्ग पर आने वाले जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक मौजूद थे। इस साल 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पर्व पर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा शुरू होगी। बदरीनाथ मंदिर के कपाट चार मई को खुलेंगे जबकि केदारनाथ धाम के खुलने की तिथि महाशिवरात्रि के पर्व पर तय की जाएगी।

जिले खत्म करने का मुद्दा विधानसभा में फिर से गूंजा

विधायक सुरेश मोदी बोले- राजनीति द्वेषता के चलते जिले हटाए

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन की कार्यवाही भी गहमागहमी और हंगामे के साथ शुरू हुई। नए जिले और संभागों को खत्म करने के मुद्दे पर गुरुवार को भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव के जरिए कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और रामकेश मीणा ने मामला उठाते हुए नीमकाथाना और गंगापुर सिटी जिलों को खत्म करने पर सवाल उठाए। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ।

विधायक सुरेश मोदी – विधायक रामकेश मीणा

नीमकाथाना से कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी ने कहा कि राज्य सरकार ने संभाग और जिलों का दर्जा समाप्त करके वहां की जनता के साथ अन्याय और अत्याचार किया है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है और क्षेत्र के विकास को खत्म करने का काम किया है। सरकार ने मापदंडों पर नहीं, राजनीति द्वेषता के चलते फैसले लिए है। सुरेश मोदी ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में तीनों सांसद बीजेपी के हारे और 21 में से 14 आपके विधायक हारे। यह हार आप पचा नही पाए और संभाग व जिले खत्म करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि डीग को जिला रखने की बात कहते वक्त आप कहते हो कि दूसरे राज्य की सीमा लगती है। लेकिन, आप ये कैसे भूल जाते हो कि हरियाणा राज्य की सीमा नीमकाथाना जिले के साथ लगती है। उसका आप जिक्र नहीं करते हो। विधायक मोदी ने कहा कि पिक एंड चूज की नीति के आधार पर जिले खत्म किए गए। पंवार कमेटी ने सभी नए जिलों का दौरा किया था, लेकिन नीमकाथाना का दौरा नहीं किया था। सरकार की तरफ से उनको ये आदेश था कि नीमकाथाना जिले को हटाया जाएं। मेरा यही कहना कि जो जिले और संभाग हटाए गए हैं, उन्हें वापस घोषित करें।

कांग्रेस विधायक रामकेश मीणा ने कहा कि पिछली सरकार ने 17 नए जिले बनाए थे। लेकिन, भाजपा सरकार ने 3 संभाग और 9 जिलों को निरस्त कर दिया। भाजपा सरकार ने मापदंडों का कोई परीक्षण नहीं किया। केवल ऐसे लोगों की कमेटी गठित की, जिन्होंने पहले से तय कर रखा था कि इन जिलों को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि डीग की दूरी भरतपुर की दूरी मात्र 38 किमी है।

इसके बाद विधि और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जवाब देते हुए कहा कि नए जिले बनाने का मापदंड सेक्सन 15 में गठन करने और 16 में रदद् करने का अधिकार सरकार के पास है। कहा कि राजनीति से प्रेरित व्यक्ति को जिला समीक्षा अध्यक्ष नहीं बनाया गया है, आज तक जिलों के संबंध में 4 कमेटियां बनी है।

मंत्री पटेल ने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियां, प्रसाशनिक संरचना, जनभावना, पिछड़ापन, आधारभूत सुविधाएं, कानून व्यवस्था जैसे बिंदु पर धयान देते हैं। कांग्रेस ने अपने लंबे समय में एक भी जिले नहीं बनाए थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अब तक बने सभी जिले बीजेपी सरकार ने बनाए और इस बार राजनीतिक लाभ के लिए कांग्रेस ने एक साथ कितने जिले बना दिए।

बताते चलें कि आज गुरुवार को भी विधानसभा में जिलों को लेकर खूब हंगामा हुआ। विधानसभा में 'नए जिले वापस बहाल करो.. बहाल करो' के नारे सदन में खूब गूंजे। इसके बाद विपक्ष के नेताओं ने स्पीकर की बात नहीं सुनी तो विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही को कुछ देर के लिए स्थगित कर दिया। बता दें कार्यवाही वापस शुरू होने के बाद फिर से हंगागा होने के आसार हैं।

रेहड़ी पटरी वालों के पक्ष में आए अशोक गहलोत

बोले-अन्यायपूर्वक कार्रवाई रोके भजनलाल सरकार

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि वर्ष 2014 में तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान रेहड़ी-पटरी वालों को विशेष क्षेत्र तय करके वहां पक्की जगह देने के उद्देश्य से पथ विक्रेता अधिनियम बनाया गया था, जिसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के केंद्र में आने के बाद सही तरीके से लागू नहीं किया।

अशोक गहलोत ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकांउट एक्स पर लिखा कि उन्हें जयपुर के रेहड़ी-पटरी विक्रेता यूनियन के प्रतिनिधियों ने अपनी व्यथा बताई और कहा कि यहां जलेबी चौक एवं आसपास के क्षेत्रों में वर्षों से जीविकोपार्जन कर रहे विक्रेताओं को बलपूर्वक हटाया जा रहा है। इन विक्रेताओं के पास वैध कागजात भी हैं, लेकिन इनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

अशोक गहलोत का भजनलाल सरकार से आग्रह

अशोक गहलोत ने आगे लिखा राज्य सरकार से इस विषय पर प्रमुखता से संज्ञान लेकर इन गरीब लोगों के साथ हो रही अन्यायपूर्वक कार्रवाई को रोकने एवं पथ विक्रेता अधिनियम के अनुरूप इन्हें वैध तरीके से स्थापित करने का आग्रह किया।

करणीसर को नई ग्राम पंचायत बनाने की मांग

हनुमानगढ़, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हनुमानगढ़ में ग्राम पंचायत करणीसर के गठन की मांग को लेकर ग्राम 33 एसएसडब्ल्यू, 34 एसएसडब्ल्यू, 35 एसएसडब्ल्यू और 36 एसएसडब्ल्यू के ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा।

करणीसर को नई ग्राम पंचायत बनाया जाए

ग्रामीणों ने आग्रह किया कि इन चकों को सहजीपुरा ग्राम पंचायत से अलग कर करणीसर को एक नई ग्राम पंचायत के रूप में स्थापित किया जाए। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में ये चक सहजीपुरा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आते हैं, जिसमें लगभग 7000 मतदाता हैं।

करणीसर में पहले से ही सभी बुनियादी सुविधाएं मौजूद

राज्य सरकार की ओर से पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू की गई है। ग्रामीणों ने तर्क दिया कि करणीसर में पहले से ही आवश्यक बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं, जैसे कि जीएसएस व एक राजकीय विद्यालय। इसके अलावा, यह जिला मुख्यालय के नजदीक स्थित है और यहां लगभग 3000 मतदाता हैं। अन्य ग्राम पंचायतें करणीसर से 7-8 किलोमीटर की दूरी पर हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में कठिनाई होती है।

जिसे ग्रामीणों ने अनुचित बताया

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कुछ लोग चक 33 एसएसडब्ल्यू, 34 एसएसडब्ल्यू, 35 एसएसडब्ल्यू और 36 एसएसडब्ल्यू को मिलाकर चोटियांवाली ढाणी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं, जिसे ग्रामीणों ने अनुचित बताया।

फिर सहजीपुरा ग्राम पंचायत में ही रखा जाए

ग्रामीणों ने कहा कि अगर करणीसर को नई पंचायत बनाने में कोई विधिक बाधा आती है, तो पूर्व की भांति इन चकों को सहजीपुरा ग्राम पंचायत में ही रखा जाए। इस मौके पर गुरलाल सिंह, दिलजीत सिंह, बलबीर सिंह, जसविंद्र सिंह, लखी कुमार, श्रवण सिंह, विनोद कुमार, सुखदेव सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

कुंभ अपने आप में है अजूबा, विरोध करने वाले हैं धर्मद्रोही

सतीश पूनिया का विपक्ष पर हमला

जोधपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. सतीश पूनिया आज जोधपुर पहुंचे जोधपुर एयरपोर्ट पर डॉक्टर सतीश पूनिया मीडिया से बात करते हुए कहा कि जनता दस साल से की ढोंगी-पाखंडी-फरेबी और झूठ के व्यापारी से त्रस्त थी। दिल्ली बदहाल थी दिल्ली में पूरे तरीके से बुनियादी सुविधाओं का आभाव था प्रदूषण था। राजनीतिक तो था ही लेकिन जो वातावरण का प्रदूषण था वह भी बड़ा विकेट और भयंकर है तो दिल्ली की जनता अब आपदा से निजात पाना चाह रही है।

भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार पर दिल्ली की जनता भरोसा करती है, क्योंकि डबल इंजन की सरकार ही सक्षम है जो दिल्ली को सही महीने में विकास के रास्ते पर ले जा सकती है। इसलिए भाजपा बहुमत की सरकार बनाएगी कि इसमें कोई संशय नहीं है। विधानसभा में कांग्रेस की ओर से दुर्व्यवहार के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पैदाइशी सत्ता से हुई थी और सत्ता से बाहर जाने के बाद एक बौखलाहट में इतनी आती है इतनी निराशा आती है कि वह शब्दों की मर्यादा से लेकर विपक्ष के आचरण को भूल जाते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उनको एक सच्चे और अच्छे विपक्ष के धर्म को निभाना चाहिए और सीख लेना चाहिए, क्योंकि वह अनंत काल तक विपक्ष में रहेंगे।

कुंभ को लेकर विपक्ष बार-बार हमलावर है। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरे ख्याल से दुनिया का अनूठा देश है भारत, जो आस्था सनातन संस्कृति इतिहास विरासत के आधार पर आगे बढ़ता है।

बहुत सारे विदेशी भी या तो सनातन को ग्रहण कर रहे हैं या उस पर रिसर्च करने के लिए आ रहे हैं।

कुंभ महाकुंभ अपने आप में दुनिया के लिए अजूबा भी है और शोध का विषय भी है, आस्था का तो है ही। मुझे लगता है जो कुंभ की व्यवस्थाओं से लेकर आस्था पर सवाल उठाते हैं वह सनातन के द्रोही हैं। भारत के द्रोही हैं।

धर्म के द्रोही हैं। इसलिए उनको ईश्वर तो माफ करेगा ही नहीं, जनता भी कभी माफ नहीं करेगी। राजस्थान के बजट पर उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से केंद्र का जो बजट था उसके हिसाब से प्रदेश सरकारों को दिया है जिस तरीके से मोदी सरकार ने मध्यम वर्ग को फोकस रखते हुए बजट दिया है इसमें 12 लाख तक की टैक्स रिबेट देना बहुत बड़ी राहत है।

सीमा पर फिर हुई नापाक हरकत

भारतीय इलाके में आया पाकिस्तानी गुब्बारा, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

बीकानेर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के खाजूवाला क्षेत्र में एक बार फिर पाकिस्तानी हरकत देखने को मिली है। सीमा पार से एक संदिग्ध गुब्बारा भारतीय क्षेत्र में आया, जिस पर PIA लिखा हुआ था। यह गुब्बारा खाजूवाला के चक 2 KJD इलाके में स्थानीय लोगों द्वारा देखा गया, जिसके बाद पुलिस और सीमा सुरक्षा बल को तुरंत सूचित किया गया।

इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। यह पहली बार नहीं है जब इस क्षेत्र में इस प्रकार के पाकिस्तानी गुब्बारे देखे गए हैं। इससे पहले भी कई बार सीमा पार से ऐसे गुब्बारे भारतीय क्षेत्र में भेजे गए हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है।

बीएसएफ और पुलिस अब पूरी सतर्कता बरत रहे हैं और इस गुब्बारे के पीछे की मंशा की जांच कर रहे हैं। सीमा पार से पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के माध्यम से मादक पदार्थों और हथियारों की सप्लाई भी हो चुकी है लेकिन सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सजगता के कारण इन मंसूबों पर पानी फिरा है।

सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को हल्के में नहीं ले रही हैं, क्योंकि इस तरह की गतिविधियां अक्सर खुफिया संकेतों या मनोवैज्ञानिक रणनीतियों का हिस्सा होती हैं। बॉर्डर क्षेत्र के लोगों से अपील की गई है कि यदि वे इस तरह की कोई संदिग्ध वस्तु देखें तो तुरंत प्रशासन और सुरक्षा बलों को सूचित करें, ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचा जा सके।

फसल बचाने के लिए जंगली सूअरों के शिकार हो रहे किसान: रेवंतराम

नागौर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा का तृतीय चरण चल रहा है। इसके तहत खींवसर के नव निर्वाचित भाजपा के विधायक रेवंतराम डांगा विधानसभा में किसानों से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा उठाया। धरातल पर वास्तव में इस समस्या से किसानों की फसलें पूरी तरह चौपट हो रही हैं। अकेला किसान इनका सामना तक नहीं कर सकता हैं।

बता दें कि खींवसर उपचुनाव जीतने के बाद रेवंतराम डांगा विधानसभा की तीसरी बैठक में पहुंचे। डांगा ने नागौर जिले में बढ़ते जंगली सूअरों के आतंक को लेकर सरकार का अपनी और ध्यान खींचा। डांगा ने सरकार से मांग रखी कि नागौर जिले सहित पूरे राजस्थान में किसानों के नीलगाय के बाद बड़ी मात्रा में जंगली सूअरों से फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो रही हैं। सदन में विधायक रेवंतराम डांगा बोले कि जंगली सूअरों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। ये इतने हिंसक बन गए कि किसान अकेला सामना करने के लिए निकलता है तो ये हमला कर देते हैं। किसानों के लिए बिना हथियार सामना करना मुश्किल हो गया है। यदि किसान को नींद आ गई तो सुबह तक पूरा खेत खाली कर देते हैं। लगातार इनकी संख्याएं बढ़ रही हैं। इस समस्या की समाधान सरकार तुरंत निकलना चाहिए। किसानों के पास इसका कोई हल नहीं है। वन विभाग को निर्देश दें, ताकि किसानों को राहत मिल सके। उनकी फसल सुरक्षित रह सके। बता दें कि रेवंत राम डांगा खींवसर से विधानसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल से मात्र 2 हजार वोटों से हार गए। वहीं उपचुनाव में रेवंतराम डांगा ने हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को 13 हजार से अधिक वोटो से हराया।

कोर्ट स्टे के बावजूद जमीन कब्जे की कोशिश में फायरिंग और पथराव

पुलिस ने दो को हिरासत में लिया

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर के खोह नागोरियान थाना इलाके में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि फायरिंग और पथराव की नौबत आ गई। थाने के सामने बीच बाजार में हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया।

डीसीपी ईस्ट तेजस्विनी गौतम ने बताया कि घटना दोपहर 3 से 3:30 बजे के बीच हुई। एक पक्ष जमीन पर कब्जा करने के लिए गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचा था। दोनों पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पथराव शुरू हो गया। इसी दौरान फायरिंग की सूचना भी मिली, हालांकि जांच में इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया है और अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक युवक पिस्टल हाथ में लिए सड़क पर दौड़ता नजर आ रहा है।

तेजस्विनी गौतम ने बताया कि विवादित जमीन पर कोर्ट का स्टे है। इसके बावजूद एक पक्ष ने कब्जे की कोशिश की, जिससे झगड़ा हुआ। पथराव में कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। एक युवक को पिस्टल लोड करते हुए भी देखा गया है, जिसकी पहचान की जा रही है।

एडिशनल डीसीपी ईस्ट आशाराम चौधरी ने बताया कि फिलहाल इलाके में शांति है। दोनों पक्षों के कुछ लोगों को चोटें आई हैं, जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पूछताछ के लिए कई लोगों को थाने लाया है।

फायरिंग के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है और हथियार की बरामदगी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस ने स्थिति पर काबू पा लिया है, लेकिन घटना ने इलाके में तनाव का माहौल पैदा कर दिया है।

साइबर ठगों पर पुलिस की नकेल

33 लोग गिरफ्तार, चोरी के पैसे और मोबाइल जब्त कर लौटाए

करौली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। करौली जिला पुलिस द्वारा ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत खोए या चोरी किए गए 140 मोबाइल फोन को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिए। अपने खोए और चोरी गए मोबाइल फोन पाकर वास्तविक मोबाइल फोन धारकों के चेहरे खिले उठे।

एसपी ने बताया कि साइबर क्राइम पोर्टल 1930 पर पिछले एक साल में प्राप्त शिकायतों में लगभग पांच करोड़ रुपये की राशि के फ्रॉड में तुरंत कार्रवाई करते हुए लगभग 65 लाख रुपये की राशि होल्ड करवाई गई और 30 लाख रुपये की राशि पीड़ितों को वापस दिलाई है। करौली एसपी ऑफिस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एसपी ने 140 वास्तविक मोबाइल धारकों उनके फोन वापस लौटाए हैं। इस दौरान एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने कहा कि चोरी गए या गुमशुदा फोन की सबसे पहले ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराए और फिर उस शिकायत की कॉपी सीईआईआर पोर्टल पर अपलोड करें। ताकि मोबाइल फोन को वापस लौटाया जा सके।

एसपी ने बताया कि साइबर सेल द्वारा साइबर ठगों के विरुद्ध तक कुल 15 प्रकरण दर्ज कर 33 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 52 सिम कार्ड, एक लैपटॉप, एक एसयूवी, एक कार, दो मोटर साइकिल, तीन आधार कार्ड, दो पैन कार्ड, चार एटीएम कार्ड और 20 हजार रुपये जब्त किए हैं। करौली जिला पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस द्वारा अब तक चोरी गए या गुमशुदा कुल 458 मोबाइल फोन को उनके वास्तविक मालिकों को लौटा चुकी है। इन सभी मोबाइल फोन की कीमत 92 लाख से अधिक बताई जा रही है। एसपी ने बताया कि 350 मोबाइल सीईआईआर पोर्टल से तथा 108 मोबाइल ऑफलाइन गुमशुदी रिपोर्ट के माध्यम से ट्रैस कर वापस लौटाए हैं।

पलटा एलपीजी से भरा टैंकर

दहशत में आए लोग, बड़ा हादसा टला

जोधपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दरअसल लोहावट थानांतर्गत फलोदी-रामजी का गोल मेगा हाइवे पर कोलूपाबूजी टोल पर एलपीजी से भरा टैंकर पलट गया। इसके बाद हाइवे पर हड़कंप मच गया। टोल पर मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल ही पुलिस को हादसे की सूचना दी।

बिजली सप्लाई की बंद

सूचना मिलते ही लोहावट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबसे पहले हाइवे पर वाहनों को दोनों तरफ रोक दिया। इसके बाद कच्चे रास्ते से वाहनों को रवाना किया गया। वहीं तत्काल ही बिजली सप्लाई को भी बंद करवा दिया। देचू एसडीएम भी मौके पर पहुंच गए हैं। एलपीजी से भरे टैंकर को सीधा करने के लिए हाइड्रो क्रेन को बुलाया गया है। वहीं दमकल की गाड़ियां भी मौके पर मौजूद हैं।

चालक को मामूली चोटें

पुलिस ने बताया कि टैंकर पलटने से चालक को मामूली चोटें आई हैं। चालक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। बता दें यह टैंकर गुजरात से पंजाब की तरफ जा रहा था। टैंकर टोल की एक लेन के अंदर ही पलटा था। इससे टोल काटने वाले कर्मचारियों का ऑफिस भी क्षतिग्रस्त हो गया है। पुलिस ने टोल के कर्मचारियों को मौके से हटा दिया है। गौरतलब है कि बीते साल जयपुर के भांकरोटा में एलपीजी से भरा टैंकर यू टर्न ले रहा था। इस दौरान पीछे से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी थी। इसके बाद टैंकर से एलपीजी का रिसाव शुरू हो गया था। थोड़ी ही देर में यहां भीषण बलास्ट हो गया था। इस हादसे में कई लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई थी।

अवैध हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

देशी पिस्तौल व जिंदा कारतूस बरामद

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़. बानसूर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बैक-टू-बैक कार्रवाई करते हुए एक अन्य आरोपी को एक देसी मेड पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं बानसूर वृत्ताधिकारी दशरथ सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने इलाके में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए मुखबिर की सूचना पर ग्राम माजरा रावत से आरोपी अंकित गुर्जर पुत्र मन्नालाल गुर्जर (21वर्ष) थाना बानसूर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लगातार कार्रवाई

गौरतलब है कि बानसूर थाना पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वाले बदमाशों पर सख्ती से नजर रखी जा रही है। इस कार्रवाई से एक दिन पूर्व ही एक अन्य आरोपी पवन सैनी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया था। थानाधिकारी सुरेन्द्र मलिक के अनुसार अवैध हथियार रखने वालों, सप्लाई करने वालों और संदिग्धों पर विशेष नजर रखी जा रही है।श्रेत्र में ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेंगी।

ड्राफ्ट यूजीसी रेगुलेशन 2025 के खिलाफ छह राज्यों का संकल्प : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने घोषणा की है कि वह केंद्र सरकार द्वारा तैयार किए गए यूजीसी विनियम-2025 के मसौदे का कड़ा विरोध करते हैं जो विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति में राज्य सरकार की शक्तियों का उल्लंघन करता है। उन्होंने राज्य शिक्षा विभाग के प्रमुख सीएम रेवंत रेड्डी की जगह बुधवार को बेंगलुरू में आयोजित छह (गैर-भाजपा) राज्य शिक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। उन्होंने इस बैठक में राज्य सरकार के विचार व्यक्त किए, जिसमें कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, झारखंड और हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अब तक, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति एक समिति द्वारा की जाती थी, जिसके मुख्य सचिव सदस्य होते हैं। हम मूल राज्य की परवाह किए बिना कुलपतियों की नियुक्ति का मसौदा बनाने का कड़ा विरोध करते हैं। तेलंगाना उच्च शिक्षा पर सालाना 4 हजार करोड़ रुपये खर्च करता है। जहां आवश्यक हो वहां नए विश्वविद्यालय स्थापित करना है। श्रीधर बाबू ने कहा कि उच्च शिक्षा में अनुसंधान एवं नवप्रवर्तन को बढ़ावा देना चाहिए तथा बाधाएं उत्पन्न करनी चाहिए। उन्होंने मसौदा

मंत्री ने बेंगलुरू बैठक में भाग लिया

विनियमन में उद्योग प्रमुखों, नौकरशाहों और बाहरी लोगों को कुलपति के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। श्रीधर बाबू ने इस प्रस्ताव का भी विरोध किया कि उच्च शिक्षा संस्थानों में केवल तीन हजार छात्रों को ग्रेड दिया जाएगा और उच्च ग्रेड प्राप्त करने पर ही केंद्रीय प्रोत्साहन दिया जाएगा। आरोप है कि यह निजी विश्वविद्यालयों और डीम्ड विश्वविद्यालयों को फायदा पहुंचाने वाला कदम है। उन्होंने प्रवेश परीक्षा के माध्यम से बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीसी जैसे स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों का चयन करने के विचार को गरीबों को उच्च शिक्षा से दूर रखने का विचार बताया। देश का औसत 'सकल नामांकन अनुपात' केवल 28 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने की उम्र वाले प्रत्येक सौ युवाओं में से केवल 28 ही कॉलेजों में नामांकित हैं। श्रीधर बाबू ने कहा कि प्रवेश द्वार जैसे विचार इस अनुपात को बढ़ाने में बाधा उत्पन्न करेंगे। उन्होंने खुलासा किया कि वह यूजीसी के नियमों में कुलपतियों का कार्यकाल 5 साल तक बढ़ाने के प्रस्ताव के खिलाफ हैं, जबकि अभी तक कुलपतियों का कार्यकाल 3 साल का है।

यह निर्धारित करना कि राज्यों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 को लागू करना चाहिए, कई मुद्दे उठाता है। कर्मचारियों की कमी और ढांचागत समस्याओं के कारण डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश वर्ष में दो बार आयोजित किया जाता है। इस प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में कि एक ही छात्र एक साथ दो पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर सकता है, केंद्र को राज्यों की राय लेनी चाहिए और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना चाहिए।

श्रीधर बाबू ने कहा कि ग्रेडिंग के लिए योग्य नहीं होने पर भी फंड जारी करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के यूजीसी के अनुरोध को डराने-धमकाने का कार्य माना जाता है और उन्हें ऑनलाइन और पत्राचार पाठ्यक्रमों की अनुमति देने के लिए कहने से छात्रों को नुकसान होगा। उन्होंने याद दिलाया कि सीएम रेवंत रेड्डी ने पहले ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक आधिकारिक पत्र लिखा था कि यूजीसी नियमों का मसौदा राज्य के लिए अस्वीकार्य था।

श्रीधर बाबू ने मांग की कि शिक्षा से संबंधित कोई भी प्रस्ताव राज्यों की राय लेने के बाद तैयार किया जाना चाहिए। राज्यों के शिक्षा मंत्रियों और प्रतिनिधियों की एक बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया है जिसमें धर्मेंद्र प्रधान से यूजीसी रेगुलेशन-2025 के 15 बिंदुओं का विरोध करने और इसके कार्यान्वयन को रोकने के लिए कहा गया है। बैठक में राज्य सरकार की ओर से उच्च शिक्षा आयुक्त ए. श्रीदेवसेना और उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष बालकृष्ण रेड्डी उपस्थित थे।

घरेलू गैस सिलेंडरों का दुकानों में उपयोग

कुमरमभीम आसिफाबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बड़े होटलों से लेकर छोटी-छोटी चाय, नाश्ते की दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है, लेकिन संबंधित विभाग इसकी अनदेखी करता नजर आ रहा है। नतीजतन गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग पर रोकथाम लगने की बजाय प्रोत्साहन मिलता जा रहा है। होटल, रेस्टोरेंट, चाईनीज, नाश्ता सेंटर वालों को नियमों के अनुसार नीले रंग के कमर्शियल सिलेंडर का उपयोग करने का नियम है, लेकिन इन दिनों देखा जा रहा है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग बेधड़क बिना रोक-टोक के किया जा रहा है। सड़क किनारे लगने वाली चाय, नाश्ते की दुकानों से लेकर हर प्रकार के अल्पाहार बेचने वाले घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग कर रहे हैं। संबंधित विभाग के अधिकारियों का आवागमन होता है, इतना ही नहीं राजस्व अधिकारी कार्यालय के पास खुले आम इसका उपयोग होता हैं।

एमएलसी कविता ने सरकार से एक साथ रैतु भरोसा निधि जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी कलवकुंतला कविता ने राज्य के किसानों को रैतु भरोसा निधि जारी करने के प्रति राज्य सरकार की उदासीनता पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत सभी रैतु भरोसा निधि एक साथ जारी करे।

उन्होंने यह भी मांग की कि लंबित बिल गांव के सरपंचों को जारी किए जाएं। गुरुवार को कई पूर्व सरपंचों ने शहर में एमएलसी कविता से उनके आवास पर मुलाकात की और गांवों में किसानों को हो रही परेशानियों और लंबित बिलों के जारी न होने से उन्हें हो रही परेशानियों से अवगत कराया। इस अवसर पर बोलते हुए कविता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ऋतु

भरोसा निधि जारी करने के मामले में प्रतिबद्धता की कमी दिखा रही है। उन्होंने आरोप लगाया, "केसीआर के कार्यकाल के दौरान ऋतु बंधु निधि समय पर किसानों के बैंक खातों में जमा हो जाती थी। लेकिन रेवंत रेड्डी सरकार चरणबद्ध तरीके से केवल नाममात्र की निधि जारी कर रही है और किसानों को परेशान कर रही है।" उन्होंने सवाल किया कि किसानों को अभी तक निधि क्यों जारी नहीं की गई है, जबकि उन्होंने अपनी फसल बोए हुए काफी समय हो गया है और इसे किसानों के साथ विश्वासघात करार दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार किसानों को धोखा देने की कोशिश करती है तो वे पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेंगे। सरपंचों के लंबित बिलों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सरपंचों का कार्यकाल पूरा होने के एक साल बाद भी अभी तक फंड जारी न किया जाना कांग्रेस सरकार की अक्षमता को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया, "गांव स्तर के जनप्रतिनिधि, जिन्होंने लोगों की सेवा की है, आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए हैं।" उन्होंने मांग की कि सरकार सरपंचों के लंबित बिलों को तुरंत जारी करे।

सरकार को पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर भ्रम दूर करना चाहिए : तलसानी

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज मांग की कि राज्य सरकार तेलंगाना में 42% पिछड़ा वर्ग आरक्षण और अनुसूचित जाति आरक्षण के कार्यान्वयन पर भ्रम को दूर करे। उन्होंने राज्य सरकार से जाति जनगणना का फिर से सर्वेक्षण करने की मांग की और कहा कि अगर दूसरी बार सर्वेक्षण किया जाता है तो लोगों में कोई भ्रम नहीं रहेगा। तलसानी ने सिकंदराबाद के पद्म राव नगर में विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा किया गया सर्वेक्षण पूरी तरह से गलत था। उन्होंने यह भी कहा कि सर्वेक्षण के आंकड़ों में कोई स्पष्टता नहीं थी। उन्होंने कहा कि लोगों में कई तरह की शंकाएं हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा 2024 में किए गए सर्वेक्षण में पूर्व सीएम केसीआर सरकार द्वारा 2014 में किए गए व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण की तुलना में जनसंख्या में 62 लाख लोगों की कमी आई है। पिछड़ा वर्ग के लिए 42% आरक्षण लागू करके चुनावों में किए गए वादे को बरकरार रखा जाना चाहिए। तलसानी ने कहा, "एससी वर्गीकरण मुद्दे के बारे में भ्रम को दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है।"

श्री आई माताजी मंदिर बडेर में तीर्थयात्रियों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था

हैदराबाद 6 फरवरी, (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर बडेर में प्रयागराज जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए संगारेडी बडेर में ठहरने और नाश्ता-भोजन की निशुल्क व्यवस्था की गई है।

समाज के सदस्य तीर्थ यात्रियों की सेवा में तैनात रहेंगे और उनकी हर संभव मदद करेंगे। श्रद्धालुओ ने श्री आई माताजी व चमत्कारिक शिला के दर्शन का लाभ उठाया। मोहनलाल सैणचा ने इच्छा जताई की कि क्यूं न हम सीरवी समाज संगारेड्डी बडेर में तीर्थ यात्रा में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कुछ सेवा करे। सीरवी समाज संगारेड्डी बडेर के अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया, सचिव घिसाराम काग, मोहनलाल सैणचा भंवरलाल चोयल मोहनलाल चोयल लिखमाराम सानपुरा चंदाराम परिहारिया, सुरेश परिहारिया, हंसाराम काग, पिताराम चोयल, पूनाराम सानपुरा सोहनलाल चोयल गेनाराम बर्फा व समस्त कार्यकर्ता और महिला मंडली हंजादेवी परिहार व समस्त महिला मंडल द्वारा बताया कि यह पहल सीरवी समाज संगारेड्डी की ओर से की गई है। उन्होंने बताया कि ये सेवा 24 घंटे जारी है।

खासकर बैगलोर ओर तमिलनाडु व अन्य शहर से आने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। रूगाराम परिहारिया ने बताया कि सुबह 6 बजे से रात्री 10 बजे तक दिनांक 20 जनवरी से ये निशुल्क सेवा शुरू की गई है जो 28 फरवरी तक जारी रहेगी।

108वां स्थापना दिवस महोत्सव आज

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विठलेश्वर स्वामी मंदिर जनरल बाजार, सिकंदराबाद का 108वां स्थापना दिवस आज मनाया जाएगा। माघशुद्ध दशमी 1918 में पटाले परिवार द्वारा पूर्ण शालिग्राम रूप शिला, श्री विट्ठल रुक्मिणी भगवान की स्थापना की गई थी। इस संदर्भ में प्रतिवर्ष इस महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस दिन भगवान का विशेष पूजा अर्चना और फलों का अलंकार किया जाता है। फलों का अलंकार इस वर्ष आशा भगत द्वारा किया गया है। मंदिर के अध्यक्ष श्रीनिवास पतले, मंदिर के अधिकारी जी सत्यनारायण, एन रमेश और मुख्य पुजारी ज्योतिष आचार्य पंढरीनाथ ने यह जानकारी दी। उन्होंने सभी भक्तों से भगवान के दर्शन तीरथ प्रसाद लेने का आग्रह किया है।

तेलंगाना की धरती पर राजस्थानी संस्कृति का महासंगम

> *श्री देवनारायण प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव*
> *मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट करेंगे शिरकत*
> *महोत्सव का पोस्टर किया गया लॉन्च, कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर*

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी संस्कृति और सनातन धर्म के अद्वितीय प्रतीक श्री देवनारायण प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन 8 फरवरी से 10 फरवरी के बीच हैदराबाद के अब्दुलापुरमेट में रामोजी फिल्म सिटी के निकट, कवाड़पल्ली स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर में किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिकता का प्रतीक होगा बल्कि तेलंगाना में बसे हजारों राजस्थानी परिवारों और पूरे भारत से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सांस्कृतिक गर्व और एकता का अनुभव भी होगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। बुधवार को महोत्सव का पोस्टर एवं निमंत्रण पत्र लॉन्च किया गया।

श्री देवनारायण प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति एवं वीर गुर्जर समाज तेलंगाना के अध्यक्ष देवीदत्त कोली ने बताया कि इस आयोजन को विशेष बनाने के लिए 10 फरवरी को सुबह 11 बजे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, उद्योगपति भगवती महेश बल्दवा, पीसीसी तेलंगाना के चीफ महेश गौड़, सांसद किरण कुमार रेड्डी, विधायक मल्ला रेड्डी रंगा रेड्डी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संपत कुमार, विजय कुमार जांगिड़, यूपी के संत कबीर नगर के डीएम महेंद्र तंवर, सीआईएसएफ कमांडेंट सुगनाराम गुर्जर, उद्योगपति राजेश अग्रवाल, उद्योगपति राजेश जांगिड़, महावीर कुमावत शिरकत करेंगे। इनके साथ ही समाज और विभिन्न संगठनों के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि और भक्तगण भी इस आयोजन में भाग लेंगे। मंच संचालन मुकेश सैनी करेंगे।

श्री देवनारायण प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति एवं वीर गुर्जर समाज तेलंगाना के अध्यक्ष देवीदत्त कोली ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य भगवान श्री देवनारायण की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना और आने वाली पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना है। भगवान श्री देवनारायण को एक धार्मिक मार्गदर्शक, समाज सुधारक और न्यायप्रिय देवता के रूप में पूजा जाता है, जिनकी गाथाएं धर्म, कर्तव्य और नैतिकता की मिसाल हैं। गुर्जर ने कहा कि हम चाहते हैं कि यह आयोजन सभी भक्तों के लिए आध्यात्मिक शांति और सांस्कृतिक गर्व का अनुभव प्रदान करे। यह महोत्सव एक मंच होगा जहां श्रद्धालु भगवान देवनारायण जी की गाथाओं और शिक्षाओं से प्रेरित होकर अपने जीवन में धर्म और करुणा का समावेश कर सकें। मंदिर के भव्य निर्माण की चर्चा करते हुए देवीदत्त गुर्जर ने बताया कि यह मंदिर राजस्थान के सफेद संगमरमर से निर्मित है और कवाड़पल्ली के मनोरम वातावरण के बीच बना है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

टेंडर नं. जीआर/इ.29/।/207, दि.6/2/2025

PUB/0130

ऐसे ठेकेदारों, जिनके पास वैध 'बी-ग्रेड' इलेक्ट्रिकल कांट्राक्टर(विद्युत ठेकेदार) का लाइसेंस हो, से ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, चीफ वर्कशाप मैनेजर, इलेक्ट्रिकल ब्रांच, दक्षिण मध्य रेलवे, वैगान वर्कशाप,गुन्टुपल्ली-521241 द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.5-3-2025 के 14-45 बजे तक मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.-जीआर/इ.29/।/207, दि.6-2-2025, कार्य विवरण: वैगान वर्कशाप एवम् कालोनी, गुन्टुपल्ली में, सर्विस बिल्डिंग पर 60 केडब्ल्यूपी क्षमतायुक्त तथा 14 रेसिडेन्शियल बिल्डिंग्स पर 59 केडब्ल्यूपी (5केडब्ल्यूपी-3 सं. एवं 4 केडब्ल्यूपी 11 सं.) क्षमतायुक्त, छत पर सौर संयंत्रों (रूफ टाप सोलार प्लांट्स) का प्रावधान। मात्रा:01, निविदा मूल्य:रु.66,07,784.00 (केवल छियासठ लाख सात हजार, सातसौ चौरासी रुपये), बोली **सुरक्षा/पूधरा:रु.1,32,200/-(रुपये एक लाख बत्तीस हजार**, दो सौ मात्र), पूरा करने की अवधि:06 महिने, निविदा दस्तावेज **मूल्य:रु. शून्य, आफर वैध:** खोलने की तिथि से लेकर 60 दिनोंतक, निविदा प्रकार:आयआरजीसीसी-2022 द्वारा वर्क्स टेंडर शासित, टेंडरिंग प्रणाली: खुली निविदा-सिंगल पैकेट, तत्समान स्वभाव का कार्य: लागू, बोली बंद करने **की तिथि व समय: दि.5-3-2025 के 15.00 बजे तक,** बोली खोलने की तिथि व **समय: दि.5-3-2025 के 15.15 बजे,** निविदा दस्तावेज एवम् शुध्दिपत्र: निविदा दस्तावेज एवम् यदि कोई तत्संबंधित परिवर्तन/शुध्दिपत्र होने पर **वेबसाइट:** http://www.ireps.gov.in देखें।

ए 0165 सहायक विभागीय बिजली अभियंता, डब्ल्यूडब्ल्यूएस, गुन्टुपल्ली

अतिरिक्त निविदा शर्तो/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

बीईएल में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। औद्योगिक परिसर, नाचारम में स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का नगर स्थित हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय के सहायक निदेशक (से.नि.) कमालुद्दीन द्वारा संचालन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 50 कर्मचारी उपस्थित हुए और हिंदी से जुड़े अनेक नए पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, राजभाषा कार्यान्वयन वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य, हिंदी व्याकरण एवं भाषा संबंधी अनेक संदेह की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी कर्मचारी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए।

माघी पूर्णिमा स्नान के लिए श्रध्दालुओं का दल

प्रयागराज के लिए 10 को रवाना होगा

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रयागराज महाकुंभ के अंतर्गत माघी पूर्णिमा पर स्नान के लिए सैकडों भक्तों का दल 10 और 17 तथा 22 फरवरी को बेगम बाजार से रवाना होगा। प्रेस विज्ञप्ती में रामकृष्ण माखन ट्रैवल्स के व्यवस्थापक गोपाल सोनी ने बताया कि भाग्यनगर हैदराबाद के सैकडों सनातन भक्तों का एक दल 5 स्लीपर बसों द्वारा भू-लक्ष्मी मंदिर बेगम बाजार से 10 फरवरी को रवाना होगा। यह दल हैदराबाद से चित्रकूट, प्रयागराज महाकुंभ स्नान कर श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या और हनुमान गढी दर्शन कर काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन कर 16 तारीख को हैदराबाद लौटेगा। इसी क्रम में 17 और 22 फरवरी को एक-एक दल सह व्यवस्थापक रविंद्र सोनी और निखिल सोनी के नेतृत्व में रवाना होगा।

विकाराबाद में हॉलमार्किंग जागरूकता कार्यक्रम

विकाराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय ने विकाराबाद में ज्वेलर्स के लिए हॉलमार्किंग पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम गैर-अनिवार्य जिले में आयोजित किया गया और इसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य ज्वेलर्स को हॉलमार्किंग के महत्व, हालिया विकास और हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन प्रणाली के बारे में जागरूक करना था।

ओ. वीरैया, संसाधन व्यक्ति एवं पूर्व बीआईएस अधिकारी, ने हॉलमार्किंग के महत्व पर प्रकाश डाला और बीआईएस की कार्यप्रणाली का परिचय दिया। श्रीमती प्रशांति, हॉलमार्किंग प्रतिनिधि, ने अनिवार्य हॉलमार्किंग पर एक पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने ज्वेलर्स के लिए नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को भी समझाया।

कार्यक्रम में उपभोक्ता संरक्षण और बीआईएस केयर ऐप के बारे में भी जानकारी दी गई। वक्ताओं ने प्रतिभागियों की हॉलमार्किंग से संबंधित शंकाओं का समाधान किया और बीआईएस द्वारा पंजीकृत ज्वेलर्स से लिए गए निगरानी नमूनों की विफलता पर की जाने वाली कार्रवाई को स्पष्ट किया।

इण्डिया की सबसे बडी मारुति सुजुकी कार डीलर द्वारा ग्रेटर हैदराबाद स्थित नेक्सा बंजारा हिल्स शोरूम में, मारुति सुजुकी की पहली अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा की क्षेत्रीय प्रबंधक (आंध्र प्रदेश व तेलंगाना राज्य) अमित कुमार सिंह, कारपोरेट जोनल मैनेजर साहिल अरोरा तथा निदेशक वरुण ग्रूप डी.के. राजु, महाप्रबंधक श्रीधर पाल, शाखा प्रमुख श्रीनिवास की उपस्थिति में, लांच करते हुए कमर्शियल बिजनेस हेड, साउथ रीजन विनीत जैन। साथ में वरुण मोटर्स ने मेसर्स यूरो कैब सर्विसेज प्रा.लि. को, अत्याधुनिक इन्विक्टो कारें भी वितरित की। कार्यक्रम में मारुति सुजुकी कंपनी स्टाफ की भी उपस्थिति रही।

10 दिन बाद घर से मिला शव

मेदक, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को तूप्रान कस्बे में एक व्यक्ति की मौत के 10 दिन बाद उसके घर में उसका सड़ा हुआ शव मिला। 48 वर्षीय वैद्यराम मल्लेशम नामक व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों के चले जाने के बाद से अकेले रह रहा था। बताया जाता है कि वह शराब का आदी है। उसके घर से दुर्गंध आने पर उसके पड़ोसी सतर्क हो गए और उन्होंने पुलिस को फोन किया। पुलिस ने सड़ा हुआ शव देखने के लिए दरवाजा तोड़ा। पुलिस को संदेह है कि उसकी मौत करीब 10 दिन पहले हुई होगी।

अवैतनिक वेतन से जूझ रहे अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में स्वास्थ्य विभाग निष्क्रिय बना हुआ है, जो तेलंगाना वैद्य विधान परिषद (टीवीवीपी) के अंतर्गत आने वाली स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में 4000 अनुबंधित और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन जारी करने में लगातार हो रही देरी के मुद्दे को हल करने में असमर्थ है।

विभिन्न स्वास्थ्य विभागों में अनुबंधित और आउटसोर्सिंग कर्मचारी तेलंगाना राज्य में सरकारी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की रीढ़ हैं। और फिर भी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), टीवीवीपी, चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) के तहत अनुबंधित कर्मचारी अक्सर तेलंगाना राज्य में वेतन जारी होने में देरी से पीड़ित होते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कोहली की चोट ने बढ़ाई भारत की टेंशन, कब होगी वापसी?

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला नागपुर में खेला जा रहा है। जहां एक तरफ इस मैच में यशस्वी जायसवाल और हर्षित राणा को डेब्यू करने का मौका मिला है, तो वहीं विराट कोहली इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। विराट की इंजरी ने अब चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया की टेंशन को बढ़ा दिया है।

विराट को घुटने में लगी चोट

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पहला वनडे मैच नहीं खेल रहे हैं। कोहली को घुटने में चोट लगी है, जिसके चलते उनको पहले मैच से बाहर रहना पड़ रहा है। टीम इंडिया के लिए चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ये सीरीज काफी अहम है। ऐसे में

सभी प्लेयर्स का ये सीरीज खेलना काफी अहम है।

रोहित का बयान आया सामने

टॉस के बाद टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बताया कि "दुर्भाग्य से विराट नहीं खेल रहे हैं, कल रात उन्हें घुटने में समस्या थी। मैच से पहले कोहली को घुटने पर पट्टी बांधे हुए देखा गया था। फैंस का कोहली के पहले वनडे मैच में खेलने का इंतजार था, लेकिन अब फैंस का ये इंजतार थोड़ा और बढ़ने वाला है। अब देखने वाली बात होगी कि आखिर कोहली की कब वापसी होती है?

रोहित ने आगे कहा कि "हम पहले गेंदबाजी करना चाहते थे, लेकिन इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। शुरुआत में गेंद के साथ आक्रामक होने की जरूरत है और फिर बाद में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। कुछ समय के लिए आराम मिलना अच्छा है, यह एक नई शुरुआत है और यह अच्छा प्रदर्शन करने का एक शानदार मौका है।"

हर्षित राणा और जायसवाल को मिला मौका

टी20 और टेस्ट में धमाल मचाने के बाद अब यशस्वी जायसवाल और हर्षित राणा को टीम इंडिया के लिए वनडे क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिला है। यशस्वी जायसवाल कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए दिखाई देंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : 'गंभीर के लिए भारत-पाकिस्तान केवल एक और मैच नहीं'

क्यों रवि शास्त्री ने कही ये बात

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर द्वारा भारत-पाकिस्तान मैच को चैंपियंस ट्रॉफी का एक और मैच बताने के बाद पूर्व क्रिकेटरों रवि शास्त्री और रिकी पोंटिंग ने मजाक में कहा कि गंभीर के दिलो-दिमाग में बहुत कुछ चल रहा है। आईसीसी रिव्यू पर बोलते हुए शास्त्री ने कहा कि गंभीर का यह पोकर फेस सिर्फ मीडिया के लिए है और वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के बीच होने वाले मुकाबले को जीतने के लिए बेताब होंगे।

रवि शास्त्री ने कही ये बात

रवि शास्त्री ने कहा, "मैं सात साल तक कोच रहा। जब भी मुझसे पूछा गया, मैंने वही बात

कही, जो गंभीर ने कही। लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि अंदर ही अंदर इसमें आपकी सोच से कहीं ज्यादा कुछ है, यह सब मीडिया के लिए है। आपको यह कहना ही होगा। लेकिन अंदर से, आप जीतना चाहते हैं। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो अगली बार पाकिस्तान के खिलाफ़ खेलने तक आपको इसकी याद दिलाई जाएगी।"

उन्होंने आगे कहा, "लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने अतीत में क्या किया है। अगर आपने पिछले 10 गेम में से आठ या नौ जीते हैं तो उन्हें इसकी परवाह नहीं है। लेकिन अगर आप एक गेम हार जाते हैं तो वे आपको याद दिलाते हैं,जब तक कि आप उनसे अगली बार न खेलें।"

गंभीर ने कही थी ये बात

पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर गौतम गंभीर ने कहा, "हम चैंपियंस ट्रॉफी में यह सोचकर नहीं जाते कि 23 तारीख सबसे महत्वपूर्ण मैच है। सभी 5 मैच महत्वपूर्ण हैं। हमारा मिशन दुबई जाकर सभी मैच जीतना है,लेकिन अगर चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बीच में एक मैच भी आता है तो हम इसे यथासंभव गंभीरता से लेंगे। साथ ही जब भारत और पाकिस्तान खेलते हैं तो भावनाएं बहुत अधिक होती हैं, लेकिन मुकाबला वही रहता है।"

बलराज पंवार चमके, पुरुष एकल स्कल में 07 मिनट 26.68 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता

टिहरी, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले साल चीन में एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूकने वाले पेरिस ओलंपियन बलराज पंवार ने राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की एकल स्कल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा में जन्मे पंवार ने सेना के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए सात मिनट और 26.68 सेकंड में दो किमी की दूरी पूरी कर अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया।

उत्तराखंड के नवदीप सिंह (7:41.17) और महाराष्ट्र के गुरु प्रताप सिंह (8:04.01) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। दो बार के राष्ट्रीय चैंपियन पंवार ने पिछले साल हांग्झोऊ

एशियाई खेलों में पदार्पण करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। पंवार ने 2023 गोवा राष्ट्रीय खेलों में 6:28.5 के समय के साथ पुरुष एकल स्कल स्वर्ण जीता था।

मध्य प्रदेश को उभरती हुई नौकाचालक खुशप्रीत कौर ने 8:40.35 के समय के साथ महिला एकल स्कल में पहला स्वर्ण दिलाया। महाराष्ट्र की मृण्मयी नीलेश (8:47.65) और अंडमान और निकोबार की अमृता मिंज (8:48.18) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।

हरियाणा की सुरुची ने राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 245.7 अंक के साथ महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की ही पलक ने 243.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया जबकि पंजाब की सिमरनप्रीत कौर बरार ने त्रिशूल निशानेबाजी रेंज में 218.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स में मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर क्वालीफाइंग दौर के बाद 598 अंक के साथ शीर्ष पर रहे। स्पर्धा में 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें से आठ ने फाइनल में जगह बनाई।

तोमर के अलावा सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के चैन सिंह (594), नीरज कुमार (591) और निशान बुद्धा (589), महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसाले (588), उत्तर प्रदेश के अखिल श्योराण (587), मध्य प्रदेश के गोल्डी गुर्जर (587) और एसएससीबी के गंगा सिंह (587) ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स स्पर्धा का फाइनल बृहस्पतिवार को होगा।

देश के पहले एशियाड स्वर्ण विजेता सचिन नाग हॉल ऑफ फेम में

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में देश के पहले स्वर्ण पदक विजेता तैराक सचिन नाग को अंतरराष्ट्रीय तैराकी महासंघ ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। महासंघ ने उनके पुत्र अशोक नाग को उनके पिता को यह सम्मान देने की जानकारी दी है।

सचिन नाग ने 1951 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समक्ष देश को 100 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक दिलाया था। उन्होंने बाद में रिले का कांस्य भी

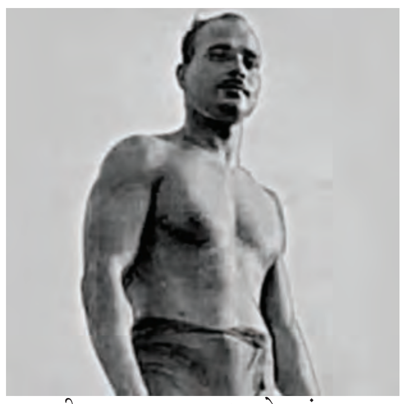

जीता था। वह 1948 के लंदन ओलंपिक में भी खेले।

उनका स्वर्गवास 1987 में हुआ। सचिन नाग को मरणोपरांत यह सम्मान इस वर्ष जुलाई में सिंगापुर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के दौरान दिया। नाग के अलावा दिग्गज तैराक रेयान लोश्टे, जोसेफ स्कूलिंग को भी यह सम्मान दिया जा रहा है।

हॉल ऑफ फेम में जॉनी वाइजमुलर, माइकल फेल्प्स जैसे तैराक शामिल हैं। अशोक नाग के संघर्ष के बाद सचिन नाग को 2020 में ध्यानचंद लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

हरियाणा की सुरुची का स्वर्ण पदक पर निशाना

महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में पहले स्थान पर रहीं

देहरादून, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा की सुरुची ने देहरादून में जारी राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर निशाना साधा।

सुरुची 245.7 अंक के साथ महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पहले स्थान पर रहीं। हरियाणा की ही पलक ने 243.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया जबकि पंजाब की सिमरनप्रीत कौर बरार ने त्रिशूल निशानेबाजी रेंज में 218.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स में मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर क्वालिफाइंग दौर के बाद 598 अंक के साथ शीर्ष पर रहे।

स्पर्धा में 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें से आठ ने फाइनल में जगह बनाई। तोमर के अलावा सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के चैन सिंह (594), नीरज कुमार (591) और निशान बुद्धा (589), महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसाले (588), उत्तर प्रदेश के अखिल श्योराण (587), मध्य प्रदेश के गोल्डी गुर्जर (587) और एसएससीबी के गंगा सिंह (587) ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स स्पर्धा का फाइनल गुरुवार को होगा।

मारन ने द हण्ड्रेड टीम में 100 फीसद हिस्सेदारी खरीदी

एसए20 में टीम सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने एलिमिनेटर मैच में जोबर्ग सुपरकिंग्स को शिकस्त दी

खेल डेस्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। काव्या मारन के लिए 5 फरवरी 2025 लाजवाब गुजरा. क्योंकि, इस दिन एक नहीं बल्कि दो गुड न्यूज उनकी झोली में गिरी. एक तरफ जहां उन्होंने 1000 करोड़ रुपये खर्च कर इंग्लैंड की लीग 'द हण्ड्रेड' में टीम खरीदी. वहीं दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की T20 लीग में हिचकोले खा रही उनकी टीम को फाइनल में पहुंचने का रास्ता मिल गया है. उसने 5 फरवरी को एलिमिनेटर मुकाबला जीतकर अपने फाइनल खेलने और तीसरी बार चैंपियन बनने की उम्मीदों को जिंदा रखा है. SA20 में काव्या मारन की टीम सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने एलिमिनेटर मैच में

जोबर्ग सुपरकिंग्स को शिकस्त दी.

चले कप्तान, काव्या मारन की टीम की बढ़ी शान

एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने पहले बल्लेबाजी की थी. उसने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन बनाए थे. सनराइजर्स की ओर से उसके कप्तान एडन मारक्रम ने कमाल की नाबाद पारी खेली और सबसे ज्यादा 40 गेंदों पर 62 रन बनाए. कप्तान मारक्रम की इनिंग में 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. सनराइजर्स की बल्लेबाजी की खूबी ये रही कि उसके हरेक बल्लेबाज ने डबल डिजीट में स्कोर किया.

अब जोबर्ग सुपरकिंग्स के सामने जीत के लिए 185 रन बनाने का लक्ष्य था. मगर वो इस लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 152 रन ही बना सके और 32 रन से मुकाबला हार गए. अब जैसा कि मुकाबला ही एलिमिनेटर था तो इसमें हार के साथ ही जोबर्ग सुपर किंग्स खिताब की रेस से बाहर हो गई. वहीं जीत के साथ सनराइजर्स ईस्टर्न कैप को क्वालिफायर 2 खेलने का लाइसेंस मिल गया, जिसे जीतकर उसके पास फाइनल में जाने का मौका होगा. सनराइजर्स को एलिमिनेटर में मिली जीत के हीरो खुद उसके कप्तान एडन मारक्रम बने.

नॉर्दन सुपरचार्जर्स में 100 फीसद हिस्सेदारी खरीदी

काव्या मारन की SA20 में सनराइजर्स ईस्टर्न कैप का एलिमिनेटर जीतना दोहरी खुशी जैसा रहा. इसी तरह की खुशी उन्हें इंग्लैंड की द हण्ड्रेड लीग में टीम खरीदकर मिली है. उन्होंने 100 गेंदों वाली लीग में नॉर्दर्न सुपर चार्जर्स की 100 फीसद हिस्सेदारी करीब 1000 रुपये खर्च कर खरीदी है. काव्या मारन IPL से जुड़ी तीसरी ऑनर हैं, जिन्होंने द हण्ड्रेड में टीम खरीदी हैं

'शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा', दो ग्रैंडस्लैम जीतने वाली खूबसूरत एथलीट सिमोना हालेप ने टेनिस को कहा अलविदा

बुखारेस्ट, 6 फरवरी (एजेंसियां)। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने मंगलवार को अपने गृह देश रोमानिया में एक टूर्नामेंट के पहले दौर में हार के बाद 33 साल की उम्र में टेनिस से संन्यास की घोषणा की। हालेप ने रोमानिया के क्लुज में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में लूसिया ब्रॉन्ज़ेटी से 6-1, 6-1 की हार के बाद इसका एलान किया। उन्होंने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं नहीं जानती कि मैं दुख के साथ या खुशी के साथ यह घोषणा कर रही हूं। मुझे लगता

है कि मैं दोनों को महसूस कर रही हूं लेकिन इस फैसले से मुझे शांति मिली है। मैं हमेशा यथार्थवादी रही हूं।' हालेप ने कहा, 'मेरा शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा। भले ही मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन मैं आपके सामने खेलकर टेनिस को अलविदा कहना चाहती थी।' हालेप 2017 में पहली बार विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची थी लेकिन अभी वह 870वें स्थान पर हैं। उन्हें रोमानिया में इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया था। अपने करियर में चोटों से जूझने और डोपिंग के कारण निलंबन झेलने वाली हालेप एक समय महिला टेनिस में शीर्ष पर थीं।

उन्होंने 2019 में विंबलडन में फाइनल में सेरेना विलियम्स को और 2018 में फ्रेंच ओपन में स्लोएन स्टीफंस को फाइनल में हराकर ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते थे। इसके अलावा वह 2018 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में और 2015 में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग नंबर एक की रही है, जो उन्होंने अक्तूबर 2017 में हासिल की थी।

मार्कस स्टोइनिस ने अचानक लिया संन्यास

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में हुआ था सेलेक्शन

मेलबर्न, 6 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में सेलेक्शन हो चुका था. वो 19 फरवरी से शुरू होने जा रहे ICC के टूर्नामेंट में खेलने वाला था. फिर अचानक क्या हुआ कि उसने संन्यास का ऐलान कर दिया. हम बात कर रहे हैं ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस की, जिन्होंने वनडे क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर सबको चौंका दिया है. स्टोइनिस ने तत्काल प्रभाव से वनडे से संन्यास लिया है. सवाल है ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर के इस बड़े फैसले की वजह क्या रही?

वनडे क्रिकेट से अपने संन्यास का ऐलान करते हुए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने की अपनी स्थिति को स्टोइनिस ने अच्छे से साफ किया है. उन्होंने बताया कि वो टी20 मैचों के लिए उपलब्ध होंगे. मतलब ये कि उनका संन्यास सिर्फ वनडे क्रिकेट से हैं. वनडे से संन्यास का ऐलान करते हुए मार्कस स्टोइनिस ने कहा कि ये आसान फैसला नहीं था. लेकिन मुझे लगा कि मेरे लिए ये सही वक्त है वनडे क्रिकेट से अलग होकर करियर में कुछ नया करने का. स्टोइनिस ने कहा कि उनका फोकस अब सिर्फ और सिर्फ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट पर रहने वाला है.

मार्कस स्टोइनिस के संन्यास के फैसले से ऑस्ट्रेलिया की चैंपियंस ट्रॉफी की उम्मीदों पर असर पड़ा है. ऑस्ट्रेलिया टीम पहले ही मिचेल मार्श और पैट कमिंस जैसे दो बड़े

खिलाड़ियों के बाहर होने के खतरों की मार झेल रही थी. ऐसे में स्टोइनिंस के संन्यास ने उसके लिए और मश्किलें खड़ी कर दी हैं.

2028 ओलंपिक की तैयारी, ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर प्रतिबंध के लिए आईओसी पर दबाव डालेगा ट्रंप प्रशासन

वॉशिंगटन, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रांसजेंडर एथलीटों के खिलाफ अपनी लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति तक ले जाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने महिला खेलों में ट्रांसजेंडर एथलीटों पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन चाहता है कि लॉस एंजिलिस में 2028 के ग्रीष्मकालीन खेलों से पहले आईओसी ओलंपिक और इस बिल्कुल हास्यास्पद विषय से जुड़ी हर चीज को बदल दे।

यह आदेश राज्य के सचिव के कार्यालय को आईओसी पर ओलंपिक खेल आयोजनों को नियंत्रित करने वाले मानकों में संशोधन करने के लिए दबाव डालने का अधिकार देता है। इसके मुताबिक, महिला एथलीटों की निष्पक्षता, सुरक्षा और सर्वोत्तम हितों को बढ़ावा देना सर्वोपरि है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं के खेल आयोजनों में भागीदारी के लिए पात्रता लिंग के मुताबिक निर्धारित की जाती है, न कि लिंग पहचान या टेस्टोस्टेरोन में कमी के अनुसार।

नीतियों की समीक्षा और समायोजन करने के आदेश

आदेश में राज्य सचिव और होमलैंड सिक्योरिटी विभाग से महिलाओं के खेलों में भाग लेने के इच्छुक पुरुषों को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति देने वाली नीतियों की आवश्यकतानुसार समीक्षा और समायोजन करने के लिए भी कहा गया है। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि पुरुष एथलीटों ने महिला ओलंपिक स्पर्धाओं में भाग लिया है। निवर्तमान आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाख ने दिसंबर में कहा था कि ओलंपिक आयोजक बहुत आश्वस्त हैं कि वे ट्रंप प्रशासन के साथ काम कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने अपने पहले प्रशासन के दौरान शुरू में लॉस एंजिलिस का समर्थन किया था जब शहर ने 2024 खेलों के लिए बोली लगाई

थी जो पेरिस को प्रदान किए गए थे।

एलए28 आयोजन समिति ने नहीं दिया कोई जवाब

लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक आयोजन समिति के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक आयोजन समिति के अध्यक्ष केसी वासरमैन ने कथित तौर पर ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होने से पहले पिछले महीने फ्लोरिडा में उनसे मुलाकात की थी। इसके बाद वासरमैन ने कहा था कि दोनों एक सफल खेल आयोजित करने के लिए उत्सुक थे।

आईओसी काफी हद तक ट्रांसजेंडर एथलीटों के बारे में चर्चा से बाहर रही है। इससे प्रत्येक खेल के लिए अंतरराष्ट्रीय शासी निकायों को लिंग भागीदारी के लिए मानदंड निर्धारित करने की अनुमति मिल गई है। वर्ल्ड एक्वेटिक्स जैसी संस्थाओं के पास बहुत सख्त दिशानिर्देश हैं, जबकि वर्ल्ड ट्रायथलॉन के नियम अधिक उदार हैं। बाख के रिटायरमेंट के बाद निकट भविष्य में आईओसी का रुख काफी बदल सकता है। बाख की जगह लेने वाले उम्मीदवारों में पूर्व ट्रैक स्टार सेबेस्टियन कोए भी शामिल हैं, जो अब विश्व एथलेटिक्स के नेता हैं। कोए महिला खेलों में ट्रांसजेडर की भागीदारी को सीमित करने की प्रबल समर्थक रहे हैं।

ट्रंप ने भी खुलकर मुद्दे पर अपनी राय रखी थी

दो साल पहले कोए ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को ट्रैक और फील्ड इवेंट के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से प्रतिबंधित कर दिया था। इस दौरान तैराकी के समान नियमों को अपनाते हुए और नए नियमों को अपनाया जिसके तहत कुछ एथलीटों को पात्र होने के लिए प्रतिस्पर्धा करने से पहले छह महीने के लिए हार्मोन-दबाने वाले उपचार से गुजरना पड़ा। पिछली गर्मियों में पेरिस ओलंपिक में ट्रांसजेंडर एथलीटों के बारे में बयानबाजी तेज हो गई थी। उसी वक्त ट्रंप भी खुलकर इस मुद्दे पर सामने आए थे और अपनी राय रखी थी।

खेलीफ और ली यू-टिंग पर ट्रंप ने साधा था निशाना

राष्ट्रपति चुनाव के अभियान के दौरान ट्रंप ने बार-बार दो ओलंपिक महिला मुक्केबाजों को पुरुष करार देते हुए महिलाओं के साथ उनकी प्रतियोगिता को गलत करार दिया था। उन्होंने कहा था कि पेरिस खेलों में ट्रांसजेंडर को भाग लेने की अनुमति देना महिलाओं के लिए अपमानजनक है।

|| श्री गणेशाय नमः ||

श्री देवनारायण वीर गुर्जर समाज ट्रस्ट

कवाड़पल्ली (हैदराबाद)

के तत्वावधान में

|| श्री देवनारायण नमः ||

भगवान श्री देवनारायण मंदिर भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

शनिवार 8 फरवरी से सोमवार 10 फरवरी 2025

शुभस्थल : **भगवान श्री देवनारायण मंदिर** कवाड़पल्ली, अब्दुलापुरमेट, हैदराबाद (तेलंगाना)

स्नेह निमंत्रण

अत्यंत हर्ष और गर्व के साथ आपको सूचित किया जाता है कि अखण्ड कोटी ब्रह्माण्ड नायक भगवान श्री देवनारायणजी के नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 8 फरवरी से 10 फरवरी तक, भगवान श्री देवनारायणजी के नवनिर्मित मंदिर, कवाड़पल्ली, अब्दुलापुरमेट, रामोजी फ़िल्मसिटी के निकट, हैदराबाद में किया जा रहा है। आपकी गरिमामयी उपस्थिति इस ऐतिहासिक आयोजन को और भी अधिक विशेष और प्रेरणादायक बनाएगी। आप समस्त धर्मप्रेमी सज्जनों से सादर निवेदन है कि इस भव्य और दिव्य महोत्सव में सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर देवदर्शन, प्राण प्रतिष्ठा एवं भजन–कीर्तन का पुण्य लाभ अर्जित करें।

श्री श्री 1008 महंत श्री सुरेशदास महाराज
पीठाधीश्वर अंतराष्ट्रीय तीर्थस्थल श्री सवाईभोज एवं श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट आसींद

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम विवरण

शनिवार, 8 फरवरी 2025
प्रातः 7:31 बजे – गणेश पूजन
प्रातः 9:15 बजे – कलश यात्रा
दोपहर 1:01 बजे – वैदिक हवन
रात्रि 7:01 बजे – फड़ वाचन

श्री मोतीराम भोपा – फड़ वाचक
श्री भीखाराम भोपा – फड़ वाचक

रविवार, 9 फरवरी 2025
प्रातः 8:01 बजे – वैदिक हवन
रात्रि 7:01 बजे – विशाल जागरण
प्रसिद्ध गायक :
श्री रामकुमार मालूणी एवं टीम द्वारा भक्ति संगीतमय प्रस्तुति

श्री रामकुमार मालूणी – भजन गायक

सोमवार, 10 फरवरी 2025
प्रातः 7:15 से 9:30 बजे – प्राण प्रतिष्ठा
प्रातः 11:30 बजे – मंचीय कार्यक्रम, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सम्मान
दोपहर 1:15 बजे – विशाल भण्डारी प्रसादी

सम्माननीय उपस्थिति

श्री ए. रेवंत रेड्डी गारु
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

श्री सचिन पायलट
पूर्व उप-मुख्यमंत्री, राजस्थान

सम्माननीय उपस्थिति

श्रीमती भगवती महेश बल्दवा – प्रसिद्ध उद्योगपति
श्रीमती मीना कोली – उद्योगपति
श्री देवीदत्त कोली – अध्यक्ष, गुर्जर समाज
श्री राकेश चौपदार – प्रसिद्ध उद्योगपति
श्री महेश गौड़ गारु – अध्यक्ष : टीपीसीसी, तेलंगाना
श्री सी. किरण कुमार रेड्डी – सांसद, तेलंगाना
श्री मल्ला रेड्डी रंगा रेड्डी – विधायक, तेलंगाना
श्री एस.ए. सम्पत कुमार – तेलंगाना
श्री राजेश कुमार अग्रवाल
श्री महेन्द्र तंवर – डीएम, संत कबीर नगर, उ.प्र.
श्री सुगनाराम गुर्जर – कमाण्डेंट, सीआईएसएफ

निवेदक : वीर गुर्जर समाज तेलंगाना
देवीदत्त कोली अध्यक्ष

श्री राजेश जांगीड़ – उद्योगपति
श्री महावीर कुमावत – उद्योगपति
श्री शंकरलाल गुर्जर – ओएसडी, राज्यपाल कर्नाटक
श्री विजय कुमार जांगीड़ – संयुक्त सचिव, एआईसीसी
श्री महावीर पोसवाल – राष्ट्रीय अध्यक्ष, पथिक सेना संगठन
श्री धर्मेन्द्र किलक
श्री मनीष भरगढ़
श्री मुकेश कोली – व्यवसायी
श्री बुर्रा रेखा महेन्द्र गौड़ – Ex MPP, अब्दुलापुरमेट
श्री कोलन श्रीधर रेड्डी – पूर्व वाईस, एमपीपी
श्री बुर्रा चन्द्रम गौड़ – कांग्रेस नेता, अब्दुलापुरमेट
श्रीमती दसारी सुजाता यादय्या गौड़ – सरपंच, कवाडपल्ली
श्री टी. नरसिम्हा गौड़ – वाईस प्रेसिडेंट, टी.एस.जी.एस.
श्री बुर्रा वीरा स्वामी – पूर्व सरपंच, बलिजागुड़ा
श्री मुकेश सैनी, पत्रकार – मंच संचालन

श्री देवनारायण वीर गुर्जर समाज ट्रस्ट, कवाड़पल्ली (हैदराबाद)

ट्रस्टीगण

श्री देवीदत्त गुर्जर मैनेजिंग ट्रस्टी (मलकपेट)
श्री तरुण गुर्जर – मलकपेट
श्रीमती मीना कोली – मलकपेट
श्रीमती पूजा दत्त – मलकपेट
श्रीमती दीपिका डोई – मलकपेट
श्री नाथूराम घीड़ – पाली, राजस्थान
श्री बादरराम घीड़ – पाली, राजस्थान
श्री शिवलाल नरषण – पाली, राजस्थान
श्री चेनाराम नरषण – पाली, राजस्थान
श्री बादरराम भालोट – ब्यावर, राजस्थान
श्री धनाराम कोली – पाली, राजस्थान
श्री बहादुरराम मोटर – ब्यावर, राजस्थान
श्री विष्णुराम भावला – ब्यावर, राजस्थान
श्री रामनिवास चौहान – ब्यावर, राजस्थान
श्री राणाराम कटारिया – ब्यावर, राजस्थान
श्री भागूराम फारक – ब्यावर, राजस्थान
श्री जवानमल नरषण – पाली, राजस्थान
श्री पप्पूराम फामड़ा – ब्यावर, राजस्थान
श्री लक्ष्मणराम भगड़वाल – ब्यावर, राजस्थान
श्री मांगीलाल चाड़ – उदयपुर, राजस्थान
श्री शोभाराम फागणा – ब्यावर, राजस्थान
श्री चेनाराम चाड़ – पाली, राजस्थान
श्री चेनाराम लिड़िया – ब्यावर, राजस्थान
श्री बादरराम कालस – ब्यावर, राजस्थान
श्री भियाराम कालस – पाली, राजस्थान
श्री भीकाराम चांदीला – पाली, राजस्थान
श्री लक्ष्मणराम बजाड़ – ब्यावर, राजस्थान
श्री चेनाराम लादी – ब्यावर, राजस्थान
श्री बाबूलाल भावला – ब्यावर, राजस्थान
श्री ईश्वरलाल तंवर – भीलवाड़ा, राजस्थान
श्री सुनील कुमार गुर्जर – झुंझुनू, राजस्थान
श्री महावीर सिंह गुर्जर – सीकर, राजस्थान
श्री रामस्वरुप गुर्जर – झुंझुनू, राजस्थान
श्री फूलचंद गुर्जर – झुंझुनू, राजस्थान
श्री बनवारीलाल गुर्जर – सीकर, राजस्थान
श्री रामनिवास खटाणा – झुंझुनू, राजस्थान
श्री पूर्णमल गुर्जर – झुंझुनू, राजस्थान
श्री अजीत कुमार – सीकर, राजस्थान
श्री प्रकाशचंद गुर्जर – सीकर, राजस्थान
श्री कानाराम कालस – झुंझुनू, राजस्थान

शुभकामनाओं सहित

नाथूराम घीड़ – कृष्णा ऑटोमोबाइल्स – हयात नगर
विष्णुराम भावला – श्री देवनारायण स्टील पैलेस – वनस्थलीपुरम
भरत भावला – महादेव होम अप्लायंसेस – इब्राहिमपटनम
बहादुरराम मोटर – श्री देवनारायण किराणा स्टोर – बडगपेट
राणाराम कटारिया – श्री बालाजी स्टील हाउस – बीएन रेड्डी नगर
दुदाराम चौहान – श्री देवनारायण इंटरप्राइजेस – बीएन रेड्डी नगर
बहादुरराम कालस – पवन ज्वेलर्स, मामा भांजा ज्वेलर्स, पूजा ज्वेलर्स – मेडचल
भीकाराम चांदिला – भेरु ज्वेलर्स – मेडचल
भीमाराम नर्षण – तुलसी स्टोर – अंबरपेट
मिठालाल कटारिया – आरती स्टील एंड प्लास्टिक – चिल्कानगर
चेनाराम लादी – श्री बालाजी होम अप्लायंसेस – हयात नगर
भागाराम फारक – भाग्यलक्ष्मी स्टील एंड प्लास्टिक – वनस्थलीपुरम
मल्लाराम मोटर – महादेव होम अप्लायंसेस – नागोल
बादरराम भालोट – श्री देवनारायण कॉन्टैक्टर – नागोल
लक्ष्मणराम भगड़वाल – श्री गणेश स्वीट – बेगमबाजार
बाबूलाल भावला – बालाजी स्टील – अब्दुल्लहपुरमेट
प्रकाश कालस – बालाजी स्टील पैलेस – इंजापुर
हीरालाल नर्षण – महेन्द्रा स्टोर – रामन्तापुर
शोभाराम फागणा – हनुमान ज्वेलर्स – अलकापुरी नागोल
मुरली चौपड़ा – कावेरी कलेक्शन, भवानी कलेक्शन, नाकोड़ा कलेक्शन – मोती नगर
शिवलाल डोई, पप्पूराम फामड़ा – एस.एस. ज्वैलर्स – बेगम बाजार
दुर्गाराम फामड़ा, मोहनराम फामड़ा – दरबार बैग हाउस – बेगम बाजार
पप्पूराम फामड़ा, गोपाल डोई – श्री देव कलेक्शन – बेगम बाजार

मीडिया पार्टनर्स
A1 TV
INDILINKS

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.